वर्ष 20 | अंक 291 | पृष्ठ 08 | मूल्य 2/- | संपादक : बीपी गोस्वामी | चेन्नई, 10 अगस्त 2025, रविवार | RNI No. : TNHIN/2005/16268 | email : dphindi@gmail.com

तमिलनाडु से प्रकाशित प्रथम हिन्दी दैनिक

दक्षिण प्रकाश
DAKSHIN PRAKASH

2 आपदा प्रभावित परिवारों को अगले 6 महीने का राशन उपलब्ध कराएगी राज्य सरकार : सीएम धामी

3 सीएम स्टालिन ने तांबरम जिला जीएच, डेंटल कॉलेज इकाई और स्वास्थ्य सुविधाओं का उद्घाटन किया

संक्षिप्त समाचार

आयोग ने फिर कहा-राहुल शपथ दें या माफी मांगे

नयी दिल्ली। चुनाव आयोग ने कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष तथा लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी के 'वोट चोरी' के आरोप में फिर कहा है कि इस मामले में वह शपथ पत्र दें या देश से माफी मांगे। आयोग के सूत्रों ने शनिवार को फिर दोहराया कि गांधी वोट चोरी का जो भी आरोप लगा रहे हैं अगर वही सही है तो उसको लेकर वह शपथ पत्र दें और यदि वह ऐसा नहीं करते हैं वह देश से माफी मांगे। आयोग ने पहले भी इसी तरह से गांधी से शपथ पत्र देने या माफी मांगने के लिए कहा था। गांधी ने दो दिन पहले यहां प्रेस कांफ्रेंस कर सबूतों के साथ कर्नाटक की महादेवपुरा सीट का विवरण देते हुए बताया कि इस सीट में असंख्य फर्जी पते पर मतदाता पहचान पत्र बनाये गये हैं और एक ही पते पर दर्जनों लोगों के नाम दर्ज हैं। इस संबंध में उन्होंने कई सबूतों के साथ दस्तावेज पेश किये और आरोप लगाया कि एक लाख से अधिक फर्जी वोट तैयार किये गये हैं।

दिल्ली में दीवार गिरने से सात लोगों की मौत

नई दिल्ली। दक्षिण-पूर्व दिल्ली के जैतपुर इलाके में बारिश के चलते दीवार गिरने की घटना में शनिवार को सात लोगों की मौत हो गयी। पुलिस के अनुसार लगातार हो रही बारिश के बीच हुए हादसे में 8 लोग घायल हुए थे। इनमें से पांच घायलों को सफदरजंग अस्पताल ले जाया गया, जहां चार ने दम तोड़ दिया। तीन अन्य को अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) के ट्रॉमा सेंटर में भर्ती कराया गया, जहां तीनों की मौत हो गयी। एक व्यक्ति हाशिबुल अभी सफदरजंग अस्पताल में इलाजरत है।

तृणमूल कांग्रेस नेता के बेटे की गोली मारकर हत्या

कोलकाता। पश्चिम बंगाल में कूचबिहार के दादेया में शनिवार को हमलावरों ने तृणमूल कांग्रेस नेता एवं दौआगुरी ग्राम पंचायत के प्रधान कुंतला रॉय के बेटे अमर रॉय (35) की गोली मारकर हत्या कर दी । पुलिस ने बताया कि घटना उस समय हुई जब रॉय और उनके दोस्त आलमगीर एक चार पहिया वाहन से साप्ताहिक दादेया बाजार पहुँचे थे। इसी दौरान बदमाशों के एक समूह के साथ तीखी बहस हुई। कथित तौर पर हेलमेट पहने हमलावरों ने वाहन को घेर लिया और उन पर गोलियां चलाईं। दुकानदारों द्वारा आनन-फानन में अपनी दुकानें बंद करने बाजार में दहशत फैल गई। सिर में गोली लगने से घायल रॉय को कूचबिहार मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल ले जाया गया, जहाँ उन्हें मृत घोषित कर दिया गया। आलमगीर को उन्नत उपचार के लिए एक निजी अस्पताल में स्थानांतरित कर दिया गया। बाज़ार और अस्पताल में बड़ी संख्या में पुलिस बल तैनात किया गया है, हालाँकि अभी तक गिरफ़्तारी नहीं हुई है।

ऑपरेशन सिंदूर पर बोले वायुसेना प्रमुख, हमने मार गिराए 6 पाकिस्तानी विमान

बेंगलुरु। भारतीय वायु सेना प्रमुख एयर चीफ मार्शल ए पी सिंह ने ऑपरेशन सिंदूर के बारे में शनिवार को बड़ा खुलासा किया है कि हमने पाकिस्तान के पांच लड़ाकू विमानों को 300 किलोमीटर दूर से हमला करके मार गिराया था। भारतीय वायु सेना ने जैकबाबाद और भोलारी एयरबेस पर हमला करके पाकिस्तान की हवाई ताकत को कमजोर कर दिया था। भारत की ओर से यह सतह से हवा में मार करने वाला अब तक का सबसे बड़ा हमला था।

एयर चीफ मार्शल ए पी सिंह ने यहां एक कार्यक्रम के दौरान ऑपरेशन सिंदूर के परिणामों पर चर्चा करते हुए कहा कि हमारे पास कम से कम पांच पाकिस्तानी लड़ाकू विमानों के मारे जाने की पुष्टि हुई है। हम मुरीद और चकलाला जैसे कम से कम दो कमांड और कंट्रोल सेंटर नष्ट करने में कामयाब रहे। यहां कम से कम छह रडार नष्ट हुए, जिनमें से कुछ बड़े और कुछ छोटे हैं। इसके अलावा एक एयरबोर्न अर्ली वार्निंग एंड कंट्रोल (अवाक्स) या इलेक्ट्रॉनिक इंटेलिजेंस को भारत ने अपनी ही सीमा के अन्दर रहकर 300 किमी. की दूरी से मार गिराया। पाकिस्तान का जैकबाबाद हवाई अड्डा उन प्रमुख हवाई अड्डों में से एक है, जिन पर हमला हुआ था। वायु सेना प्रमुख ने कहा कि पाकिस्तान का कोई भी विमान हमारे आकाश मिसाइल डिफेंस सिस्टम और यहां तक कि मीडियम रेंज की सतह से हवा में मार करने वाली मिसाइल प्रणाली की सीमा के आस-पास भी नहीं आ सका। उनके सभी विमानों

गेम चेंजर साबित हुई एस 400 प्रणाली

एयर चीफ मार्शल ए.पी. सिंह ने कहा कि इस सफलता तथा दुश्मन के आक्रमण को रोकने में एस 400 प्रणाली गेम चेंजर साबित हुआ। वायु सेना प्रमुख ने कहा कि चूँकि वे हमारे एयरबेस को निशाना बना रहे थे, हमने पूरे सोच-विचार के बाद निर्णय लिया कि हमें बिना और इंतजार किये जवाब देना चाहिये। उन्होंने कहा, उनके विमानों ने हमारी रक्षा प्रणाली को भेदने के प्रयास किया। हमारे एयर डिफेंस सिस्टम ने बेहतरीन काम किया। हाल में खरीदी गयी एस 400 प्रणाली गेम चेंजर साबित हुई। इस प्रणाली की रेंज ने लंबी दूरी के ग्लाइड बम जैसे उनके हथियारों से उनके विमानों को दूर रखा, वे उनका इस्तेमाल नहीं कर सके।

को हमारी लंबी दूरी की सतह से हवा में मार करने वाली मिसाइल ने निशाना बनाया, क्योंकि वे दूर रहने की कोशिश कर रहे थे, लेकिन फिर भी वे कई बार हमारी सीमा में थे और यही हमारे लिए अवसर था। जहां तक हमारे आक्रमण का सवाल है, तो उस रात हमारे पास कोई रोक-टोक नहीं थी और हमने तय किया कि हम पैन फ्रंट पर हमला करेंगे, हम अपने संसाधनों का इस्तेमाल करेंगे। एक बार फिर हमारा उद्देश्य किसी एक खास हवाई क्षेत्र पर हमला करके उसे तबाह करना नहीं था, बल्कि उन्हें यह एहसास दिलाना था कि देखो, हम तुम पर अंदर तक, अपनी इच्छानुसार, जहां चाहें, हमला कर सकते हैं।

सतह से हवा में मार करने वाला अब तक का सबसे बड़ा हमला

वायु सेना प्रमुख ने कहा कि ऑपरेशन सिंदूर के दौरान भारत की ओर से यह वास्तव में सतह से हवा में मार करने वाला अब तक का सबसे बड़ा हमला था, जिसके बारे में अब हम खुलकर बात कर सकते हैं। ऑपरेशन सिंदूर के दौरान मुरीदके में लश्कर मुख्यालय पर हमले के पहले और बाद की तस्वीरें दिखाते हुए एयर चीफ मार्शल ए पी सिंह ने बताया कि यह उनके वरिष्ठ सैन्य नेतृत्व का आवासीय क्षेत्र है। यह उनका कार्यालय भवन था, जहां वे बैठकें करने के लिए एकत्र होते थे। वायुसेना प्रमुख ने बहावलपुर में जैश मुख्यालय पर हमले के पहले और बाद की तस्वीरें दिखाते हुए बताया कि हमारे हमले में यहां लगभग कोई भी अवशेष नहीं बचा है, जबकि आस-पास की इमारतें लगभग पूरी तरह सुरक्षित हैं। हमला करने से पहले हमारे पास न केवल उपग्रह चित्र थे, बल्कि स्थानीय मीडिया से मिली तस्वीरें भी थीं, जिनके माध्यम से हम अंदर की तस्वीरें प्राप्त कर सके।

कुलगाम आतंकी मुठभेड़ में सेना के 2 जवान शहीद, 2 जवान घायल

श्रीनगर। जम्मू-कश्मीर के कुलगाम जिले अखल के जंगल में आतंकवादियों के साथ रात भर चली मुठभेड़ में सेना के दो जवान बलिदान हो गए जबकि दो अन्य घायल हो गए हैं। यह घाटी में सबसे लंबे आतंकवाद-रोधी अभियानों में से एक है जिसका शनिवार को नौवां दिन था। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। सेना की श्रीनगर स्थित चिनार कोर ने एक्स पर एक पोस्ट में मुठभेड़ में बलिदान हुए जवानों को श्रद्धांजलि देते हुए बताया गया है कि आतंकियों के साथ मुठभेड़ जारी है।

दक्षिण कश्मीर जिले के अखल के जंगल में आतंकवादियों की मौजूदगी की खुफिया जानकारी मिलने के बाद सुरक्षा बलों द्वारा 1 अगस्त को घेराबंदी और तलाशी अभियान शुरू करने के बाद शुरू हुई। मुठभेड़ में अबतक दो आतंकवादी मारे गए हैं। शनिवार को एक्स पर एक पोस्ट में चिनार कोर ने कहा कि चिनार कोर राष्ट्र के लिए कर्तव्य निभाते हुए बहादुर लेफ्टिनेंट कमांडर प्रीतपाल सिंह और सिपाही हरमिंदर सिंह के सर्वोच्च बलिदान का सम्मान करता है। उनका साहस और समर्पण हमें हमेशा प्रेरित करेगा।

सेना ने कहा कि वह शोक संतप्त परिवारों के साथ एकजुटता से खड़ी है। अधिकारियों ने बताया कि रातभर हुई गोलीबारी में दो अन्य जवान घायल हो गए जिससे घायल सुरक्षा बलों के जवानों की संख्या कुल 9 हो गई। अधिकारियों ने बताया कि जम्मू-कश्मीर पुलिस प्रमुख नलिन प्रभात और सेना के उत्तरी कमांडर लेफ्टिनेंट जनरल प्रतीक शर्मा समेत वरिष्ठ पुलिस और सेना के अधिकारी चौबीसों घंटे ऑपरेशन पर कड़ी नज़र रख रहे हैं। सुरक्षा बलों ने जंगल क्षेत्र में आतंकवादियों का पता लगाने के लिए ड्रोन और हेलीकॉप्टरों को तैनात किया है। पैरा कमांडो भी छिपे हुए आतंकवादियों को बेअसर करने में सुरक्षा बलों की सहायता कर रहे हैं।

जम्मू-कश्मीर पुलिस ने किश्तवाड़ में आतंकी ठिकानों पर छापेमारी की

जम्मू। जम्मू-कश्मीर पुलिस ने आतंकवाद के खिलाफ अपने निरंतर अभियान को जारी रखते हुए शनिवार को किश्तवाड़ जिले में पाकिस्तान और पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर (पीओके) से सक्रिय आतंकवादियों से जुड़े कई ठिकानों पर समन्वित और औचक छापेमारी की। पुलिस प्रवक्ता ने बताया कि ये छापेमारी वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक (एसएसपी) किश्तवाड़ नरेश सिंह के निर्देश पर और अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक किश्तवाड़ प्रदीप सिंह गोरिया की कड़ी निगरानी में की गई।

उन्होंने बताया कि किश्तवाड़, चटरू, दच्छन और अठोली में एक साथ कई पुलिस टीमें तैनात की गईं और आतंकवादियों और उनके सहयोगियों के ठिकानों और आवासीय परिसरों पर छापे मारे गए। प्रवक्ता ने बताया कि इन छापों का उद्देश्य सीमा पार आतंकवादियों के स्थानीय समर्थन नेटवर्क को ध्वस्त करना, राष्ट्र-विरोधी गतिविधियों से संबंधित कार्रवाई योग्य खुफिया जानकारी इकट्ठा करना और ऐसे तत्वों का समर्थन या उन्हें पनाह देने में लगे व्यक्तियों या समूहों को एक कड़ा निवारक संदेश देना था।

पीएम मोदी ने ऐसे मनाया रक्षाबंधन

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शनिवार को दिल्ली स्थित अपने आवास पर रक्षाबंधन मनाया, जहां स्कूली बच्चों ने उनकी कलाई पर राखी बांधी। पीएम मोदी को राखी बांधने के लिए कई स्कूलों से छात्राएं आईं। पीएम मोदी ने राखी बांधने आई छोटी बच्चियों को गले लगाकर प्यार और दुलार किया।

धराली आपदा : अब तक कुल 1126 लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया

देहरादून। उत्तराखंड के उत्तरकाशी जनपद में बीते पांच अगस्त को आई प्राकृतिक आपदा से बुरी तरह प्रभावित धराली और हर्षिल से कुल 1126 लोगों को अब तक सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया जा चुका है। यह जानकारी शनिवार देर शाम राज्य के सचिव, गृह शैलेश बगौली ने दी।

उन्होंने बताया कि शनिवार कोयुद्धस्तर पर राहत और बचाव कार्य संचालित किए गए एवं कुल 480 लोगों को हर्षिल तथा नेलांग से लाकर जौलीग्रांट, मातली तथा चिन्यालीसौंड से उनके गंतव्य के लिए रवाना किया गया। उन्होंने बताया कि 06 अगस्त से 09 अगस्त के मध्य चार दिनों में 1126 लोगों का सुरक्षित रेस्क्यू किया गया है। उन्होंने बताया कि शनिवार को यूकाडा तथा सेना के हेलीकॉप्टरों ने कुल 128 सॉर्टी की। इन चार दिनों में विभिन्न हेलीकॉप्टरों द्वारा कुल 257 सार्टी की गई हैं।

बगौली ने शाम करीब 07 बजे राज्य आपातकालीन परिचालन केंद्र पहुंच उत्तरकाशी के जिलाधिकारी प्रशांत आर्या से दिनभर के रेस्क्यू अभियान का अपडेट लिया। उन्होंने हर्षिल तथा धराली में डीजल की किल्लत न हो, इसके लिए खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति विभाग के अपर आयुक्त पीएस पांगती को हर दिन

2000 हजार लीटर डीजल भेजने के निर्देश दिए। साथ ही 20 से 25 रसोई गैस के सिलेण्डर भी हर्षिल तथा धराली में भेजने को कहा।

गृह सचिव ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि हर्षिल घाटी में खाद्य सामग्री की किल्लत न हो, इसका विशेष ध्यान रखा जाए। जब तक सड़कें बहाल नहीं होती तब तक घोड़े और खच्चरों के जरिये आपूर्ति सुनिश्चित की जाए। साथ ही उन्होंने बीआरओ के अनुरोध पर धराली में जल पुलिस को सर्च एवं रेस्क्यू ऑपरेशन के लिए जल्द से जल्द नाव भेजने के निर्देश दिए।

पटाखा फैक्ट्री में विस्फोट होने से तीन की मौत, एक घायल

चेन्नई। दक्षिणी विरुधुनगर जिले के विजयकरिसालकुलम गाँव में शनिवार को पटाखा बनाने वाले एक यूनिट में विस्फोट में तीन श्रमिकों की मौत हो गई और एक महिला घायल हो गई। सूचना के मुताबिक मृतकों में दो महिलाएँ शामिल हैं। पटाखा बनाने के लिए रसायनों के घर्षण के कारण हुए इस विस्फोट में एक महिला घायल हो गई और उसे इलाज के लिए अस्पताल ले जाया गया।

इस बीच, एक बयान में, मुख्यमंत्री एम के स्टालिन ने घटना पर गहरा दुख और पीड़ा व्यक्त की और मृतकों के आश्रितों को चार-चार लाख रुपये के मुआवजे की घोषणा की। उन्होंने कहा कि निजी पटाखा निर्माण इकाई में विस्फोट लगभग 11:30 बजे हुआ जब श्रमिक पटाखे बना रहे थे। इस दुर्भाग्यपूर्ण घटना में, तीन मज़दूरों, सुश्री मुथुलक्ष्मी (65), सुश्री षणमुगाथाई और जगदीशन (20) की मौके पर ही मौत हो गई। गंभीर रूप से घायल सुश्री मरियम्मल (55) को इलाज के लिए शिवकाशी सरकारी अस्पताल ले जाया गया।

स्टालिन ने मुख्यमंत्री जन राहत कोष से मृतक के परिजनों को चार-चार लाख रुपये और घायल महिला को एक लाख रुपये की सहायता राशि देने की घोषणा की और अस्पताल में भर्ती घायल महिला को सर्वोत्तम उपचार प्रदान करने के लिए अस्पताल प्रशासन को निर्देश भी दिया।

कश्मीर घाटी में पहली बार पहुंची मालगाड़ी, अनंतनाग गुड्स शेड तक सीमेंट से लदी रेक का सफल आगमन

नई दिल्ली। भारत के लॉजिस्टिक नेटवर्क के इतिहास में एक नया अध्याय जुड़ गया है। उत्तर रेलवे द्वारा कश्मीर घाटी में पहली बार एक मालगाड़ी का संचालन सफलतापूर्वक किया गया है, जो पंजाब के रूपनगर से सीमेंट की खेप लेकर सीधे अनंतनाग स्थित नवनिर्मित गुड्स शेड पहुंची। यह कदम न केवल एक इंजीनियरिंग उपलब्धि है, बल्कि कश्मीर घाटी को देश के आर्थिक और लॉजिस्टिक तंत्र से जोड़ने की दिशा में एक ऐतिहासिक पहल है।

इस पहली मालगाड़ी में 21 बीसीएन वैगनों में सीमेंट लदा हुआ था, जिसे गुजरात अंबुजा सीमेंट लिमिटेड की रूपनगर स्थित इकाई से लोड किया गया। लगभग 600 किलोमीटर की दूरी को इस मालगाड़ी ने 18 घंटे से भी कम समय में

तय किया, जो भारतीय रेलवे की समयबद्धता और संचालन क्षमता का प्रमाण है। यह सीमेंट घाटी में चल रही प्रमुख सड़कों, पुलों, सार्वजनिक निर्माण कार्यों और आवासीय परियोजनाओं में इस्तेमाल किया जाएगा। इससे क्षेत्र में निर्माण गतिविधियों को बल मिलेगा और रोजगार के अवसर भी बढ़ेंगे।

उत्तर रेलवे के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी हिमांशु शेखर उपाध्याय ने इसे 'प्रगति और एकीकरण का सशक्त प्रतीक' बताते हुए कहा कि यह मालगाड़ी सिर्फ एक रेक नहीं, बल्कि कश्मीर घाटी के लिए नए युग की शुरुआत है। इससे क्षेत्रीय लॉजिस्टिक्स, व्यापार और रोज़गार के नए द्वार खुलेंगे।

मील का पत्थरः पीएम मोदी

नयी दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कश्मीर घाटी में पहली मालगाड़ी के आने की सराहना करते हुए शनिवार को कहा कि घाटी को मालगाड़ी के राष्ट्रीय नेटवर्क से जोड़ने में यह एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर साबित होगा। रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव के एक पोस्ट पर मोदी ने कहा कि इससे जम्मू-कश्मीर में प्रगति और समृद्धि दोनों बढ़ेगी। उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, जम्मू-कश्मीर में वाणिज्य और कनेक्टिविटी के लिए शानदार दिन! इससे प्रगति और समृद्धि दोनों बढ़ेगी।

श्री बांके बिहारी मंदिर मामले में उच्चतम न्यायालय ने उच्चाधिकार प्राप्त समिति का गठन किया

नयी दिल्ली। उच्चतम न्यायालय ने मथुरा के वृंदावन स्थित श्री बांके बिहारी मंदिर के दैनिक कामकाज की निगरानी और पर्यवेक्षण के लिए इलाहाबाद उच्च न्यायालय के सेवानिवृत्त न्यायाधीश न्यायमूर्ति अशोक कुमार की अध्यक्षता में एक उच्चाधिकार प्राप्त समिति गठित की है। न्यायमूर्ति सूर्य कांत और न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची की पीठ ने इस मामले में आठ अगस्त, 2025 को हुई कार्यवाही के बाद शनिवार को अपना विस्तृत आदेश जारी किया।

पीठ ने इस समिति में सदस्य के तौर पर मुकेश मिश्रा, सेवानिवृत्त जिला एवं सत्र न्यायाधीश, उत्तर प्रदेश, जिला एवं सत्र न्यायाधीश, मथुरा; मुंसिफ, मथुरा/सिविल न्यायाधीश, मथुरा; जिला मजिस्ट्रेट, मथुरा के अलावा वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक, मथुरा जैसे सदस्य भी शामिल

होंगे। शीर्ष अदालत ने समिति को मंदिर और उसके आसपास के क्षेत्र के समग्र विकास की योजना बनाने का प्रयास करने का आदेश दिया। विकास के लिए वे आवश्यक भूमि खरीदने के लिए निजी तौर पर बातचीत कर सकते हैं।

पीठ ने कहा, यदि ऐसी कोई बातचीत सफल नहीं होती है, तो राज्य सरकार को कानून के अनुसार आवश्यक भूमि अधिग्रहण के लिए आगे बढ़ने का निर्देश दिया जाता है।

शीर्ष अदालत ने इस अवधि में एक अध्यादेश (उत्तर प्रदेश सरकार के) में किए गए प्रावधानों के क्रियान्वयन पर भी रोक लगा दी, केवल उस सीमा तक जहाँ तक उसने उत्तर प्रदेश सरकार को मंदिर के मामलों के प्रबंधन के लिए एक ट्रस्ट गठित करने की शक्ति प्रदान की थी।

पीठ ने कहा, अध्यादेश की धारा 3 में परिभाषित श्री बांके बिहार जी मंदिर ट्रस्ट का गठन और धारा 5 में निहित इसकी संरचना, तब तक स्थगित रहेगी जब तक कि अध्यादेश (या राज्य विधानमंडल द्वारा बाद में पारित किसी भी अधिनियम) की वैधता का प्रश्न इलाहाबाद उच्च न्यायालय द्वारा अंतिम रूप से हल नहीं हो जाता।

इस्कॉन बेंगलूरु मंदिर में बलराम पूर्णिमा महोत्सव का हुआ भव्य आयोजन, महाभिषेक व 56 भोग लगाया

बेंगलूरु, (दक्षिण प्रकाश)। श्रावण मास की पूर्णिमा के दिन भगवान श्रीकृष्ण के बड़े भाई के रुप में अवतरित हुए बलराम, वासुदेव और श्रीमती रोहिणी के पुत्र हैं। वे बलदेव, बलभद्र, और संकर्षण नामों से भी प्रसिद्ध हैं।

श्रीबलराम भक्तों को उनकी आध्यात्मिक साधना में आने वाली सभी बाधाओं का सामना करने के लिए आवश्यक शक्ति और बल प्रदान करते हैं। इस पवित्र दिन पर, भक्तों ने आधे दिन का उपवास रखा और अपनी आध्यात्मिक शक्ति और साधना को बढ़ाने के लिए प्रार्थना की।

इस्कॉन बेंगलूरु मंदिर में श्रीश्री कृष्ण बलराम का विशेष श्रृंगार किया गया। हरे कृष्ण हिल, राजाजीनगर में शाम 6 बजे श्री कृष्ण बलराम की उत्सव मूर्तियों का भव्य महाभिषेक हुआ। इसके बाद भक्तों के मधुर भजन-कीर्तन के साथ महामंगल आरती भी की गई। इस महोत्सव के अवसर पर श्री श्रीकृष्ण बलराम को 56 प्रकार के विशेष महाप्रसाद अर्थात् छप्पन भोग अर्पित किए गए। यह उत्सव भक्ति, आनंद और आध्यात्मिक उत्साह के साथ संपन्न हुआ।

आपदा प्रभावित परिवारों को अगले 6 महीने का राशन उपलब्ध कराएगी राज्य सरकार : सीएम धामी

पौड़ी के सैंजी और बांकुड़ा गांव में क्षतिग्रस्त घरों के लिए भी दिए जाएगी सहायता राशि

देहरादून/ धराली, (दक्षिण प्रकाश)। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने धराली रेस्क्यू ऑपरेशन के बारे में बताते हुए कहा कि राज्य सरकार की प्राथमिकता लोगों को सुरक्षित स्थानों में पहुंचाने की थी। खराब मौसम के बावजूद अब तक 1000 से ज्यादा लोगों को सुरक्षित रेस्क्यू किया जा चुका है। जिसमें स्थानीय लोगों के साथ देश भर से आए तीर्थ यात्री भी शामिल हैं। घायलों को जिला अस्पताल, एम्स में भर्ती किया गया है। सभी को अच्छा इलाज मिले इसकी व्यवस्था की गई है। उन्होंने बताया हर्षिल व धराली क्षेत्र में पर्याप्त मात्रा में दवाइयां, दूध, राशन, कपड़े पहुंचाए गए हैं।

मुख्यमंत्री ने बताया हर्षिल क्षेत्र में बिजली आपूर्ति के लिए उरेडा का पावर हाउस चालू किया गया है। यूपीसीएल द्वारा बिजली तारों की मरम्मत की जा रही है। मोबाइल कनेक्टीविटी को सुधार लिया गया है साथ ही 125 चङ्क के दो जनरेटर सेट भी आपदा क्षेत्र में पहुंच गए हैं। हर्षिल क्षेत्र में सड़क कनेक्टिविट को ठीक किया जा रहा है। गंगनानी में बेली ब्रिज का निर्माण तेजी से किया जा रहा है। भूस्खलन की चपेट में आई सड़कों को भी जल्द ठीक कर लिया जाएगा। उन्होंने बताया मंगलवार तक हर्षिल तक सड़क मार्ग को पूरी तरह ठीक करने की संभावन है। जिसके बाद अन्य कामों को भी तेजी से पूरा किया जा सकेगा।

मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार के स्तर से प्रभावित परिवारों को हर संभव मदद की जा रही है। उन्होंने बताया प्रभावित परिवारों को अगले 6 महीने का राशन राज्य सरकार द्वारा उपलब्ध करवाया जाएगा। आपदा से जिन लोगों के मकान पूर्णत: क्षतिग्रस्त या नष्ट हुए हैं, उनके पुनर्वास/विस्थापन हेतु 5.00 लाख की तत्काल सहायता राशि जारी की जाएगी। उन्होंने बताया ग्राम वासियों के पुनर्वास के लिए सचिव, राजस्व की अध्यक्षता में एक तीन सदस्यीय समिति का गठन किया गया है। जो प्रभावित हुए लोगो के पुनर्वास, विस्थापन एवं हानि का आंकलन करेगी। उन्होंने कहा आपदा से सेब के बगीचों को हुए नुकसान का भी आकलन किया जाएगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि धराली के साथ ही प्रदेश के अन्य स्थानों में भी आपदा से तबाही हुई है। उन्होंने कहा पौड़ी के सैंजी और बांकुड़ा गांव में भी जिन लोगों के घर क्षतिग्रस्त हुए हैं, उन्हें भी राज्य सरकार के स्तर से 5 लाख तक भी सहायता राशि दी जाएगी। उन्होंने कहा राज्य में जहां भी आपदा से हानि हुई है, उन्हें सरकार द्वारा हर संभव मदद दी जाएगी। मुख्यमंत्री ने कहा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने राज्य सरकार को हर संभव मदद का आश्वासन दिया है। उनके ही नेतृत्व में केंद्र सरकार का भरपूर सहयोग मिल रहा है।

धराली आपदा प्रभावितों को मुख्यमंत्री धामी की दो महत्वपूर्ण घोषणाएँ

उत्तरकाशी, (दक्षिण प्रकाश)। उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने जनपद उत्तरकाशी के धराली गांव में हालिया आपदा से प्रभावित लोगों के पुनर्वास और राहत के लिए दो महत्वपूर्ण घोषणाएं की हैं। यह कदम राज्य सरकार की संवेदनशीलता और आपदा प्रबंधन के प्रति तत्परता को दर्शाता है।

मुख्यमंत्री ने घोषणा की है कि ग्राम धराली, तहसील भटवाड़ी, जनपद उत्तरकाशी में आपदा से जिन लोगों के मकान पूर्णत: क्षतिग्रस्त या नष्ट हुए हैं, उनके पुनर्वास/विस्थापन हेतु रु. 5.00 लाख की तत्काल सहायता राशि प्रदान की जाएगी। इसके अतिरिक्त, आपदा में मृतकों के परिजनों को भी 5 लाख रुपये की सहायता राशि दी जाएगी, ताकि उन्हें इस कठिन समय में आर्थिक सहारा मिल सके।

मुख्यमंत्री ने आपदा से प्रभावित ग्राम वासियों के पुनर्वास, समग्र पुनरुद्धार, एवं स्थायी आजीविका के सुदृढ़ीकरण के लिए एक तीन सदस्यीय समिति के गठन की घोषणा की है। यह समिति सचिव, राजस्व की अध्यक्षता में गठित की गई है, जो एक सप्ताह के भीतर अपनी प्राथमिक रिपोर्ट शासन को प्रस्तुत करेगी। यह समिति धराली गांव के भविष्य के लिए दीर्घकालिक एवं प्रभावी नीति का खाका तैयार करेगी, जिससे स्थानीय समुदाय की सुरक्षा और आजीविका सुनिश्चित की जा सके।

एसटीसी, बीएसएफ के कर्मचारियों को राखी बांधकर मनाया रक्षाबंधन

बेंगलुरु (दक्षिण प्रकाश)। रक्षाबंधन के पावन अवसर पर, सहायक प्रशिक्षण केंद्र (एसटीसी) सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) बैंगलोर में एक हृदयस्पर्शी दृश्य देखने को मिला, जब रमैया कॉलेज ऑफ आर्ट्स, साइंस एंड कॉमर्स (स्वायत्त) के 40 छात्र और कर्मचारी तथा कैच फाउंडेशन के 15 प्रतिनिधियों ने क्रमश: येलहंका और कराहल्ली शिविरों का दौरा किया। डॉ. पुष्पा एच, प्राचार्य और लेफ्टिनेंट लक्षिता एच एस मूर्ति सहायक प्रोफेसर और एसोसिएट एनसीसी अधिकारी, आर्मी विंग ने रमैया कॉलेज ऑफ आर्ट्स, साइंस एंड कॉमर्स (स्वायत्त) के छात्रों और कर्मचारियों के साथ येलहंका परिसर में दिनेश कुमार यादव आईपीएस, आईजी एसटीसी बीएसएफ बैंगलोर का स्वागत किया। उन्होंने एसटीसी, बीएसएफ बैंगलोर के कर्मचारियों को राखी बांधकर रक्षाबंधन मनाया। दिनेश कुमार यादव आईपीएस, आईजी ने इस अवसर की स्मृति में एक स्मृति चिन्ह भी भेंट किया।

कैच फाउंडेशन के प्रतिनिधियों ने कराहल्ली परिसर का दौरा किया और उपस्थित कर्मचारियों को राखी बाँधकर रक्षाबंधन मनाया। इस कार्यक्रम से प्रशिक्षुओं को यह समझने में भी मदद मिली कि कैसे आम जनता जवानों के साथ खड़ी रहती है और उनका परिवार बन जाती है, जबकि जवान अपने परिवार से दूर देश की सेवा कर रहे होते हैं।

पतंजलि ने अग्निहोत्र के साथ रक्षाबंधन उत्सव को अनोखे ढंग से मनाया

बेंगलुरु (दक्षिण प्रकाश) हुबली के केशवपुर स्थित पतंजलि राज्य कार्यालय में, पतंजलि योग पीठ, कर्नाटक के वरिष्ठ राज्य प्रभारी एवं अंतर्राष्ट्रीय योग गुरु भँवर लाल आर्य के मार्गदर्शन में, रक्षाबंधन को अनोखे ढंग से मनाते हुए देशहित में विशेष अग्निहोत्र किया गया।

योग गुरु भंवरलाल आर्य ने कहा, रक्षाबंधन के इस पावन अवसर पर समर्थ व्यक्ति को शोषितों, वंचितों, गरीबों, मजदूरों, कैदियों, पीड़ितों को राखी और रक्षासूत्र बाँधकर उनका हौसला बढ़ाना चाहिए। उन्हें अपने स्वास्थ्य की रक्षा का संकल्प लेना चाहिए और प्रतिदिन योग अग्निहोत्र करना चाहिए।

उनको शारीरिक मानसिक स्वास्थ्य प्रदान कर संबल देना चाहिए, इसके बाद, पतंजलि परिवार हुबली-धारवाड़ की बहनों ने सभी भाइयों को रक्षासूत्र बाँधा और अपनी शुभकामनाएँ दीं।

'अगस्त क्रांति दिवस से स्वतंत्रता संग्राम को मिली नयी दिशा'

भुवनेश्वर। केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने शनिवार को कहा कि अगस्त क्रांति दिवस लोगों के अटूट विश्वास और साहस का प्रतीक है, जिससे देश के स्वतंत्रता संग्राम को नयी दिशा मिली है।

प्रधान ने शनिवार को बरहामपुर में आयोजित रैली में शामिल होने के बाद यहां टाउन हॉल में नेताजी सुभाष चंद्र बोस की प्रतिमा पर श्रद्धांजलि अर्पित की और बारापुत्र के सपूतों सहित स्वतंत्रता सेनानियों के योगदान को याद किया।

उन्होंने कहा, अंग्रेजों को भारत से खदेड़ने के लिए महात्मा गांधी के नेतृत्व में 1942 में इसी दिन भारत छोड़ो आंदोलन शुरू किया गया था। उन्होंने कहा कि मुंबई के अगस्त क्रांति मैदान से गांधीजी ने करो या मरो का नारा दिया, जिससे स्वतंत्रता संग्राम में एक नयी गति का संचार हुआ।

केंद्रीय मंत्री ने लोगों से आज के दिन से आत्मनिर्भर भारत बनाने, स्वदेशी उत्पादों को बढ़ावा देने, अर्थव्यवस्था को मजबूत करने और जनहित की रक्षा करने की प्रेरणा लेने का आग्रह किया।

तपस्या करने से तन ओर मन दोनों निखर जाते काया कुंदन बन जाती : मुकेशमुनि

समय तप त्याग, धर्म आराधना व सत्संग में लगाए तो आत्मा का कल्याण : हरीशमुनि

दु:खों को जीवन में आने से रोकने का एक मात्र मार्ग सत्संग : सचिनमुनि

पूना, (दक्षिण प्रकाश)। तपस्या करने से तन ओर मन दोनों निखर जाते है ओर तपस्वी की काया कुंदन बन जाती है। जो तपस्या करते है उनकी अनुमोदना करने वाले भी पुण्यार्जन करते है इसलिए जो तपस्या नहीं कर सकते वह भी अनुमोदना करने में पीछे नहीं रहे। ये विचार गुरूदेव मरूधर केसरी मिश्रीमलजी म.सा., लोकमान्य संत, शेरे राजस्थान, वरिष्ठ प्रवर्तक गुरूदेव रूपचंदजी म.सा. के शिष्य, मरूधरा भूषण, शासन गौरव, प्रवर्तक गुरूदेव सुकन मुनिजी म.सा. के आज्ञानुवर्ती युवा तपस्वी मुकेश मुनिजी म.सा ने शनिवार को श्रीवर्धमान स्थानकवासी जैन श्रावक संघ,बिबवेवाड़ी पूना के तत्वावधान में आयोजित धर्मसभा में व्यक्त किए। उन्होंने कहा कि रक्षाबंधन का पावन त्यौहार बहन की रक्षा के बंधन के साथ गुरू ओर शिष्य के सम्बन्ध को प्रगाढ़ बनाने का प्रतीक है।

हरीशमुनिजी म.सा. ने कहा कि मृत्यु जीवन का अटल सत्य है जिसे कोई नहीं बदल सकता। हम मृत्यु से पूर्व अपना समय तप त्याग, धर्म आराधना व सत्संग में लगाए तो आत्मा का कल्याण होकर हमे जन्म-जन्मांतर से मुक्ति मिल सकती है। मृत्यु आने से पूर्व धर्म से स्वयं को जोड़ने वाले का कल्याण होता है। कर्म निर्जरा करने का सबसे अच्छा माध्यम तपस्या करना है। युवारत्न नानेशमुनिजी म.सा. ने कहा कि हमारी आत्मा धर्म से जुड़ गई तो यह भव ओर परभव दोनों सुधर जाएंगे।

प्रज्ञारत्न हितेशमुनिजी म.सा. ने कहा कि हमारा भला-बुरा किसमें है ये समझने के लिए हमे अपनी आत्मा को जागृत करना होगा। आत्मजागृति के बिना हम आत्मकल्याण भी नहीं कर सकते है। मोक्ष प्राप्ति की राह में सबसे बड़ी अड़चन हमारे मन में राग-द्वेष भरा होना है। इनको मिटाए बिना मोक्ष नहीं मिल सकता। प्रार्थनार्थी सचिनमुनिजी म.सा. ने कहा कि जब तक जीवन है हम जिनवाणी श्रवण करने का प्रयास करते रहे। इससे हमारे कर्मो की निर्जरा होती है ओर जब भी आयुष्य पूर्ण होगा हम सद्गति प्राप्त होगी।

जो मृत्यु तक भी सत्संग ओर जिनवाणी की शरण नहीं लेता उसके जीवन में दु:ख आना तय होता है। दु:खों को जीवन में आने से रोकने का एक मात्र मार्ग सत्संग है। धर्मसभा में मुकेशमुनिजी म.सा. आदि ठाणा की प्रेरणा से मासखमण तपस्या पूर्ण करने वाली श्राविका भावना योगेश काग के 31 उपवास एवं उनकी पुत्री क्रिष्मा जैन की अठाई तप के उपलक्ष्य में पचकावनी समारोह का आयोजन किया गया। मुनिश्री ने तपस्वियों की तप अनुमोदना करते हुए उनके प्रति हार्दिक मंगलभावनाएं व्यक्त की। तपस्वियों का अभिनंदन बिबवेवाड़ी श्रीसंघ की चेयरमैन शोभाताई धारीवाल, अध्यक्ष पोपटलाल ओस्तवाल, मंत्री गणेश ओसवाल, उपाध्यक्ष माणिकचंद दुग्गड, रोशनलाल गुगले, पन्नालाल पितलिया, सह मंत्री अविनाश कोठारी, कोषाध्यक्ष लालचंद कर्णावट, चन्द्रकांत लुकड, सुनील बलाई आदि पदाधिकारियों ने किया।

राष्ट्रव्यापी स्वच्छता मिशन के तहत पू. सी. रेलवे में स्वच्छता अभियान को मिली गति

मालीगांव, (दक्षिण प्रकाश)। स्वतंत्रता दिवस समारोह 2025 के उपलक्ष्य में भारतीय रेल द्वारा शुरू किए गए राष्ट्रव्यापी स्वच्छता अभियान के तहत, पूर्वोत्तर सीमांत रेलवे (पू. सी. रेलवे) ने अपने सभी मंडलों, वर्कशॉप और प्रतिष्ठानों में स्वच्छता अभियान और जागरूकता कार्यक्रमों की एक श्रृंखला की शुरुआत की है। यह अभियान 1 अगस्त से प्रारंभ होकर 31 अक्टूबर 2025 तक जारी रहेगा, जिसका उद्देश्य स्वच्छ और हरित रेलवे वातावरण सुनिश्चित करने के लिए जनभागीदारी बढ़ाना और जागरूकता फैलाना है।

अभियान की शुरुआत के अवसर पर, पू. सी. रेलवे नेटवर्क के अधिकारियों, कर्मचारियों एवं स्वयंसेवकों द्वारा स्वच्छता शपथ ली गई। तिनसुकिया मंडल में एक विशेष कार्यक्रम आयोजित किया गया, जहाँ 'प्रभात फेरी' के बाद शपथ ग्रहण समारोह संपन्न हुआ। भारत स्काउट्स एंड गाइड्स ने इस पहल में सक्रिय भागीदारी निभाई तथा न्यू तिनसुकिया रेलवे स्टेशन पर स्वच्छता विषय पर लोगों को जागरूक करने के लिए नुक्कड़ नाटक एवं स्टेशन सफाई अभियान का आयोजन किया। गुवाहाटी रेलवे स्टेशन पर भी एक विशेष स्वच्छता एवं जागरूकता अभियान की शुरुआत की गई। इस अभियान के तहत यात्रियों के बीच प्लास्टिक प्रदूषण को ना कहें विषय पर आधारित पैम्फलेट वितरित किए गए, ताकि एकल-प्रयोग प्लास्टिक के उपयोग को हतोत्साहित किया जा सके। प्लेटफॉर्म क्षेत्रों के अलवा रेलवे ट्रैक में भी गहन स्वच्छता अभियान चलाई गई। कचरा सही तरीके से निपटाने को लेकर जागरूकता फैलाने के लिए डस्टबिन का उपयोग करें अभियान चलाया गया, जिसके साथ सार्वजनिक घोषणाएँ, कूड़ा-कचरा विरोधी साइनबोर्ड और परामर्श सत्र भी आयोजित किए गए।

इसके अतिरिक्त, स्वच्छता प्रयासों का विस्तार स्टेशन परिसरों से आगे रेलवे कॉलोनियों तक किया गया, जहां रेलवे परिवारों में नागरिक जिम्मेदारी को बढ़ावा देने हेतु सामुदायिक श्रमदान कार्यक्रम आयोजित किए गए।

अभियान के तहत प्रमुख स्टेशनों पर स्वच्छता थीम पर आधारित सेल्फी बूथ स्थापित किए गए, सूचनात्मक पैम्फलेट वितरित किए गए तथा प्लेटफॉर्म, फुटब्रिज और प्रतीक्षालयों में गंदगी न फैलाने संबंधी नोटिस प्रदर्शित किए गए। स्टेशनों पर और ट्रेनों में नियमित घोषणाएं की जा रही हैं, जिनमें यात्रियों से स्वच्छता अपनाने एवं बायो-टॉयलेट के सही उपयोग की अपील की जा रही है। जैसे-जैसे यह अभियान आगे बढ़ रहा है, पू. सी. रेलवे सभी यात्रियों के लिए एक स्वच्छ और स्वस्थ यात्रा अनुभव सुनिश्चित करने की भारतीय रेल की दृष्टि को साकार करने के प्रति प्रतिबद्ध है।

स्वच्छता अभियान की व्यापक और प्रभावी प्रचार-प्रसार पू. सी. रेलवे के आधिकारिक सोशल मीडिया हैंडल्स के माध्यम से किया गया, ताकि आम जनता में जागरूकता फैलाई जा सके, विभिन्न मंडलों और स्टेशनों पर चल रही गतिविधियों को उजागर किया जा सके तथा रेलवे नेटवर्क में स्वच्छता और स्वच्छता बनाए रखने में रेल यात्रियों की सक्रिय भागीदारी को प्रोत्साहित किया जा सके।

सीएम स्टालिन ने तांबरम जिला जीएच, डेंटल कॉलेज इकाई और स्वास्थ्य सुविधाओं का उद्घाटन किया

चेन्नई (दक्षिण प्रकाश)। मुख्यमंत्री एमके स्टालिन ने शनिवार को ताम्बरम में 110 करोड़ रुपये की लागत से निर्मित नए चेंगलपट्टू जिला सरकारी मुख्यालय अस्पताल भवन का उद्घाटन किया। 5.37 करोड़ रुपये की लागत से निर्मित आधुनिक चिकित्सा अवसंरचना से सुसज्जित छह मंजिला इस भवन में आपातकालीन विभाग, बाह्य एवं अंत:रोगी वार्ड, ऑपरेशन थियेटर, प्रसूति एवं शिशु देखभाल इकाइयां, डायलिसिस एवं बर्न वार्ड, गहन चिकित्सा इकाइयां तथा सीटी एवं एमआरआई स्कैन जैसी नैदानिक सुविधाएं शामिल हैं।

213 बिस्तरों वाले इस अस्पताल में प्रतिदिन औसतन 1,282 बाह्य रोगी, 136 आंतरिक रोगी, 187 प्रसव और 1,880 बड़ी सर्जरी होती हैं, जिसे सरकार की स्वास्थ्य सेवा विस्तार योजना के तहत जनवरी 2023 में जिला मुख्यालय अस्पताल में अपग्रेड किया गया था।

स्टालिन ने तांबरम अस्पताल परिसर में 7.24 करोड़ रुपये की लागत से स्थापित तमिलनाडु सरकारी डेंटल कॉलेज और अस्पताल की उपनगरीय इकाई का भी उद्घाटन किया। इस सुविधा में 14 डेंटल चेयर, उन्नत इमेजिंग उपकरण, एक स्मार्ट बोर्ड-सक्षम प्रशिक्षण केंद्र और मौखिक सर्जरी, प्रत्यारोपण, ऑर्थोडॉन्टिक्स और बाल चिकित्सा दंत चिकित्सा सहित विशेष दंत चिकित्सा देखभाल के लिए उपचार कक्ष हैं। इसके अलावा, स्टालिन ने ताम्बरम निगम के अंतर्गत मूवेंधर स्ट्रीट, भवनंदियार पार्क और पम्मल-थिरुनगर में सीटीओ कॉलोनी में 1 करोड़ रुपये की लागत वाली एक एकीकृत सार्वजनिक स्वास्थ्य प्रयोगशाला और 90 लाख रुपये की लागत वाले तीन शहरी उप-स्वास्थ्य केंद्रों का उद्घाटन किया। इस अवसर पर, मुख्यमंत्री ने चेंगलपट्टू जिले में विभिन्न योजनाओं के अंतर्गत लाभार्थियों को 1,672.52 करोड़ रुपये मूल्य के 20,021 आवास पट्टे वितरित किए। इस अवसर पर मंत्री ईवी वेलु, केकेएसएसआर रामचंद्रन, टीएम अनबरसन और मा सुब्रमण्यन सहित वरिष्ठ अधिकारी और स्थानीय प्रतिनिधि उपस्थित थे।

नालम काक्कुम स्टालिन से 44,000 से अधिक लोग लाभान्वित

चेन्नई (दक्षिण प्रकाश)। स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री मा सुब्रमण्यम ने शनिवार को कहा कि नलम काक्कुम स्टालिन योजना के पहले सप्ताह में राज्य भर में 44,418 लोगों ने चिकित्सा लाभ उठाया। मुख्यमंत्री एमके स्टालिन द्वारा 2 अगस्त को मायलापुर में शुरू की गई इस पहल का उद्देश्य व्यापक स्वास्थ्य जाँच करना और तत्काल चिकित्सा सेवाएँ प्रदान करना है। शुरुआत में 38 जिलों में 38 स्थानों पर शिविर आयोजित किए गए थे। अपने दूसरे सप्ताह में, चेन्नई और नीलगिरी को छोड़कर, 36 जिलों में शिविर आयोजित किए जा रहे हैं। यह योजना छह महीनों में 1,256 स्थानों पर लागू की जाएगी, जिसमें तमिलनाडु के सभी 388 तालुका शामिल होंगे। सुब्रमण्यन ने संवाददाताओं को बताया कि प्रत्येक ज़िले में तीन तालुकाओं में शिविर लगाए जाएँगे, इसके अलावा ग्रेटर चेन्नई निगम में 15 स्थानों पर, 10 लाख से ज़्यादा आबादी वाले पाँच निगमों में चार-चार स्थानों पर और 19 छोटे निगमों में तीन-तीन स्थानों पर शिविर लगाए जाएँगे। मंत्री ने चेंगलपट्टू के किलाम्बक्कम में सरकारी आदि द्रविड़ कल्याण हाई स्कूल में एक शिविर का निरीक्षण करने के बाद कहा कि शनिवार दोपहर तक, दूसरे सप्ताह के चल रहे शिविरों से 35,576 लोग लाभान्वित हुए हैं, जो सुबह 9 बजे से शाम 4 बजे तक चलते हैं। लाभार्थियों को भविष्य में संदर्भ के लिए एक मेडिकल रिपोर्ट फाइल प्राप्त होती है, साथ ही आवश्यकतानुसार मौके पर परामर्श और उपचार भी मिलता है।

नशा मुक्त रहने का संकल्प स्वीकार कर श्रावक समाज ने दी रक्षाबंधन की भेंट

अणुव्रत से जुड़कर युवा पीढ़ी हित-अहित का ज्ञान होने से नशा मुक्त रह सकती है : साध्वी उदितयशा

अणुव्रत समिति द्वारा नशा मुक्ति कार्यशाला का आयोजन

चेन्नई, (दक्षिण प्रकाश)। अणुव्रत विश्व भारती सोसायटी के तत्वावधान में अणुव्रत समिति, चेन्नई की आयोजना में नशा मुक्ति अभियान एलीवेट एक्सपीरियंस द रियल हाइ कार्यशाला का आयोजन अणुव्रत अनुशास्ता, युगप्रधान आचार्य महाश्रमणजी की विदुषी सुशिष्या साध्वी उदितयशाजी ठाणा 4 के पावन सान्निध्य में तेरापंथ भवन, साहुकारपेट, चेन्नई में समायोजित हुई।

साध्वी उदितयशाजी ने कहा कि नशे का सबसे बड़ा परिणाम है, व्यक्ति स्वयं का भान भूल जाता है। उसके कारण वह अपने माता-पिता, परिजनों का सम्मान नहीं करता, अपने संस्कारों से च्युत हो जाता है। गुरुदेव तुलसी ने आज से 75 वर्ष पूर्व ही भांप लिया था, कि समाज में नशे की कुरीतियों घर कर सकती है, इसलिए उन्होंने हमें अणुव्रत रूपी महान अवदान दिया। यह एक ऐसा अभियान है- जो व्यक्ति को अपने हित अहित का ज्ञान करवाता है। अणुव्रत से जुड़कर युवा पीढ़ी भी हित अहित का ज्ञान होने से वे नशा मुक्त रह सकती है।

साध्वी के आह्वान पर उपस्थित श्रावक समाज ने जीवन भर नशा मुक्त रहने का संकल्प स्वीकार कर रक्षाबंधन की महत्वपूर्ण भेंट प्रदान की। मुंबई से समागत अणुविभा राष्ट्रीय नशा मुक्ति अभियान संयोजक मुदित भंसाली ने पावर प्वाइंट प्रेजेंटेशन के साथ में बताया कि ड्रग लेने से फिजिकल हेल्थ, मेंटली हेल्थ कमजोर होती है। रिलेशनशिप में दरार आती हैं, फाइनेंशियल लॉस का सामना करना पड़ता है, लीगल इश्यू पैदा होते है और सबसे ज्यादा समाज में अपमान सहन करना पड़ता हैं। अध्यक्षा सुभद्रा लुणावत ने स्वागत स्वर प्रस्तुत किया। मंत्री कुशल बाँठिया ने आभार व्यक्त किया।

इस अवसर पर उपाध्यक्ष स्वरूप चन्द दाँती, तेरापंथ सभाध्यक्ष अशोक खतंग, साहुकारपेट ट्रस्ट बोर्ड प्रबंध न्यासी विमल चिप्पड, महासंघ अध्यक्ष प्यारेलाल पितलीया, महिला मण्डल अध्यक्षा हेमलता नाहर, युवक परिषद सदस्यों के साथ अच्छी संख्या में किशोर और कन्याएँ विशेष रूप से उपस्थित थी। मंगल पाठ के साथ कार्यक्रम संपन्न हुआ।

सोनालीका ने अप्रैल-जुलाई 2025 में 53,772 ट्रैक्टरों की रिकॉर्ड बिक्री दर्ज की

चेन्नई, (दक्षिण प्रकाश)। भारत से ट्रैक्टर निर्यात में नंबर 1 ब्रांड सोनालीका ने वित्त वर्ष 2026 में लगातार प्रगति करते हुए मात्र चार महीनों में 50,000 से अधिक ट्रैक्टर बेचने का रिकॉर्ड बनाया है। कंपनी ने अप्रैल-जुलाई 2025 के बीच कुल 53,772 ट्रैक्टरों की बिक्री की, जो इसके इनोवेशन और मजबूत मूल्यों को दर्शाती है।

विश्व का नंबर 1 सोनालीका ट्रैक्टर प्लांट रोबोट द्वारा संचालित है, जो हर 2 मिनट में एक हैवी ड्यूटी ट्रैक्टर तैयार कर सकता है। यहां लगभग हर पार्ट इन-हाउस बनाया जाता है, जिसमें पावरफुल और ईंधन-कुशल इंजन, बेहतरीन ट्रांसमिशन और उन्नत हाइड्रोलिक्स शामिल हैं। जॉइंट मैनेजिंग डायरेक्टर, इंटरनेशनल ट्रैक्टर्स लिमिटेड, रमन मित्तल ने कहा कि कंपनी किसानों को आत्मविश्वास के साथ आगे बढ़ने में मदद करने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने उम्मीद जताई कि मानसून के अच्छे पूर्वानुमान और बंपर रबी फसल के चलते त्योहारों में मांग और बढ़ेगी, और प्लांट हर किसान की जरूरत पूरी करने को तैयार है।

तूतीकोरिन में उद्यमिता प्रदर्शनी में टीएमबी ने दिखाए ऋण सुविधा विकल्प, विशेष अतिथियों ने किया अवलोकन

तूतीकोरिन, (दक्षिण प्रकाश)। एवीएम महल, तूतीकोरिन में टुडिसिया द्वारा आयोजित 18वीं उद्यमिता प्रदर्शनी में तमिलनाडु मर्केंटाइल बैंक (टीएमबी) ने अपने स्टॉल के माध्यम से विभिन्न ऋण सुविधाओं का प्रदर्शन किया। प्रदर्शनी में टीएमबी के प्रबंध निदेशक और अध्यक्ष सली एस. नेयर तथा तूतीकोरिन वीओसी के उपाध्यक्ष राजेश सुंदरराजन, आईएएस, विशेष अतिथि के रूप में शामिल हुए और बैंक प्रबंधकों व कर्मचारियों के साथ फोटो खिंचवाए।

पिछले 18 वर्षों से टुडिसिया हर तीन साल में यह प्रदर्शनी आयोजित कर रही है, जिसमें विभिन्न औद्योगिक कंपनियां उद्यमिता को बढ़ावा देने के लिए स्टॉल लगाती हैं। इस वर्ष प्रदर्शनी में 200 स्टॉल लगाए गए, जिनमें बड़ी संख्या में युवा और उद्यमी पहुंचे। टीएमबी स्टॉल पर कई ऐसे युवा और उद्यमी पहुंचे जो व्यवसाय शुरू करने या विस्तार के लिए ऋण लेना चाहते थे। बैंक कर्मचारियों ने उन्हें आवेदन पत्र भरने में मदद की और आसान ऋण उपलब्धता की जानकारी दी। कार्यक्रम में टुडिसिया अध्यक्ष धर्मराज, सचिव राजसेल्विन, कोषाध्यक्ष धनराज, कार्यकारिणी सदस्य कथिरेसा पांडियन, टीएमबी अतिरिक्त उपाध्यक्ष आनंद गणेश, क्षेत्रीय प्रबंधक गौथमन, उपाध्यक्ष विजयकुमार और रामकुमार, वरिष्ठ प्रबंधक रामकी और रमेश पेंसिलाल सहित अनेक बैंक कर्मचारी मौजूद रहे।

चेन्नई में आज हल्की बारिश का अनुमान

चेन्नई। क्षेत्रीय मौसम विज्ञान केंद्र (आरएमसी), चेन्नई ने कहा कि 13 अगस्त के आसपास बंगाल की खाड़ी के उत्तर-पश्चिम और उससे सटे पश्चिम-मध्य में एक कम दबाव का क्षेत्र बनने की संभावना है। उन्होंने कहा कि रविवार को चेन्नई में हल्की बारिश के साथ आसमान में बादल छाए रहने की संभावना है। अधिकारियों ने बताया कि उत्तरी आंतरिक कर्नाटक और पड़ोसी क्षेत्रों में समुद्र तल से 5.8 किलोमीटर ऊपर बना ऊपरी वायु चक्रवाती परिसंचरण भी मौसम की स्थिति को प्रभावित कर रहा है।

होमी भाभा विज्ञान शिक्षा केंद्र
टाटा इंस्टिट्यूट ऑफ फंडामेंटल रिसर्च
राष्ट्रीय ओलंपियाड कार्यक्रम 2025-2026
खगोल विज्ञान, जीवविज्ञान, रसायन विज्ञान, भौतिकी, जूनियर विज्ञान में
सभी छात्र जो इस कार्यक्रम में भाग लेना चाहते हैं, उन्हें संबंधित **राष्ट्रीय मानक परीक्षाओं (NSEs)** (विज्ञान विषयों के लिए) में उपस्थित होना अनिवार्य है, जो **22 और 23 नवंबर, 2025** को **भारतीय भौतिकी शिक्षक संघ (IAPT) द्वारा आयोजित की जाएंगी।**
NSE में योग्यता प्राप्त करना **2026 के संबंधित अंतर्राष्ट्रीय ओलंपियाड** में भागीदारी की दिशा में पहला कदम है।
पंजीकरण हेतु:
NSEs: https://www.iapt.org.in (21 अगस्त – 14 सितंबर, 2025)
अधिक जानकारी के लिए देखें: https://olympiads.hbcse.tifr.res.in
https://www.iapt.org.in
CBC 48143/12/0005/2526

मेरे पिता के इर्द-गिर्द लोमड़ियाँ शांति भंग कर रही हैं : पीएमके अध्यक्ष अंबुमणि

अंबुमणि का कार्यकाल एक साल बढ़ाने का प्रस्ताव पारित

पीएमके की आम परिषद ने पार्टी अध्यक्ष के रूप में अंबुमणि रामदास का कार्यकाल एक साल बढ़ाने का प्रस्ताव पारित कर दिया है। इसके अलावा, महासचिव वदिवेल रावणन और कोषाध्यक्ष थिलागाबामा का कार्यकाल भी बढ़ा दिया गया है। शनिवार को महाबलीपुरम में आयोजित आम परिषद की बैठक में पारित प्रस्ताव में कहा गया कि पार्टी का आंतरिक चुनाव अगस्त 2026 में कराया जाएगा और वर्तमान नेता आंतरिक चुनाव तक अपने पदों पर बने रहेंगे। प्रस्ताव में आगे कहा गया, पार्टी के नियमों के अनुसार, हर तीन साल में एक बार आंतरिक चुनाव होने चाहिए। लेकिन, आगामी विधानसभा चुनाव के कारण, आंतरिक चुनाव नहीं हो सके। भारतीय चुनाव आयोग (ईसीआई) की अनुमति से कार्यकाल बढ़ाने के कई उदाहरण हैं। आंतरिक चुनाव अगस्त 2026 में होंगे। प्रस्ताव में कहा गया है कि पार्टी के नियमों के अनुसार, अंबुमणि रामदास, वदिवेल रावणन और थिलागाबामा को क्रमश: अध्यक्ष, महासचिव और कोषाध्यक्ष चुना जाता है। पीएमके को उनके कामकाज पर पूरा भरोसा है। इस बीच, अंबुमणि के अलग हुए पिता और पार्टी संस्थापक एस रामदास ने भी 17 अगस्त को एक आम परिषद की बैठक की घोषणा की है। कयास लगाए जा रहे हैं कि वरिष्ठ नेता भी खुद को पार्टी अध्यक्ष घोषित करने का प्रस्ताव पारित करेंगे। रामदास के शनिवार की बैठक में भाग न लेने के बावजूद, मंच के बीच में एक खाली कुर्सी रखी गई थी।

चेन्नई (दक्षिण प्रकाश)। पट्टाली मक्कल काची (पीएमके) के अध्यक्ष अंबुमणि रामदास ने शनिवार को आम परिषद की बैठक में कार्यकर्ताओं के समक्ष अपनी बात रखते हुए कहा कि उनके पिता और पार्टी संस्थापक एस रामदास के साथ शांति प्रयासों को वरिष्ठ नेता के इर्द-गिर्द मौजूद लोमड़ियों द्वारा विफल किया जा रहा है। अंबुमणि ने महापरिषद को बताया कि रामदास के साथ लगभग 40 बार बातचीत हुई। उन्होंने कहा, वह (रामदास) सुबह शर्तों पर सहमत हो जाते हैं, लेकिन शाम को अपने आस-पास के लोगों द्वारा तोड़फोड़ की साजिश रचने के कारण मुकर जाते हैं। हमने 15 दिन पहले पार्टी नियुक्ति आदेश पर संयुक्त रूप से हस्ताक्षर करने का फैसला किया था। बाद में उन्होंने ऐसा करने से इनकार कर दिया, जिस पर मैं सहमत नहीं हो सका। उनके आस-पास के लोग शांति में बाधा डाल रहे हैं।

मंच के बीच में रखी एक खाली कुर्सी की ओर इशारा करते हुए, अंबुमणि ने कहा कि रामदास बैठक में मौजूद न होते हुए भी कार्यकर्ताओं के दिलों में बसे हुए हैं। उन्होंने आगे कहा, यह इयाह (रामदास) की कुर्सी है। वे पार्टी के संस्थापक हैं। यह उनकी स्थायी कुर्सी है, और मुझे विश्वास है कि वे ज़रूर आएंगे।

उन्होंने याद किया कि उच्च न्यायालय से मंज़ूरी मिलने के बाद ही सामान्य परिषद की बैठक हुई थी, क्योंकि रामदास की ओर से इस बैठक के खिलाफ एक मुक़दमा दायर किया गया था। मैं फ़ैसले का जश्न नहीं मना सका। यह हम बनाम हम थे। उन्होंने कार्यकर्ताओं से चुनाव में सफलता पाने के लिए अगले छह महीनों तक एकजुट और आत्मविश्वास से काम करने का भी आग्रह किया। उन्होंने कहा, हमें इस बात पर स्पष्टता है कि राज्य में किसे शासन नहीं करना चाहिए, और हमने डीएमके को सत्ता से बाहर करने का प्रस्ताव पारित किया है। हम जल्द ही तय करेंगे कि सत्ता में कौन आना चाहिए। हम एक मज़बूत महागठबंधन बनाएंगे और सरकार बनाएंगे।

लगातार विफलताओं ने कांग्रेस को फर्जी मतदाता के ताने की ओर धकेला : वासन

तिरुचि। तृणमूल कांग्रेस के अध्यक्ष जी.के. वासन ने शनिवार को दावा किया कि चुनाव में हार के डर से कांग्रेस ने फर्जी मतदाताओं का मुद्दा उठाया है और जानबूझकर भारत के चुनाव आयोग पर आरोप लगाया है। तंजावुर में पत्रकारों से बात करते हुए जीके वासन ने कहा, डीएमके भाजपा को विपक्षी दल के रूप में नहीं, बल्कि एक राजनीतिक दुश्मन के रूप में देखती रही है। इस रुख के कारण, राज्य सरकार कई परियोजनाओं को पूरा करने में संघर्ष कर रही है; जबकि भाजपा एक मजबूत राष्ट्र निर्माण और तमिलनाडु के विकास के लिए काम कर रही है। इसलिए, तमिलनाडु में कमल खिलना समय की मांग है।

वासन ने कहा कि कांग्रेस कई राज्यों में अपनी ज़मीन खो रही है। उन्होंने कहा कि चुनावों में लगातार हार से कांग्रेस नेता डरे और हताश हैं, और अब वे चुनाव आयोग पर फ़र्ज़ी मतदाता सूची का आरोप लगाने लगे हैं। उन्होंने आगे कहा कि कांग्रेस के सहयोगी दल संसद की कार्यवाही में बाधा डालते हैं और इसे लोकतंत्र के लिए ख़तरा बताते हैं। वासन ने आरोप लगाया कि तमिलनाडु में कानून-व्यवस्था की स्थिति अन्य दक्षिणी राज्यों की तुलना में बदतर है और राज्य सरकार मूकदर्शक बनी हुई है।

EDS
EVENT DIL SE
* AN EVENT COMPANY *
WEDDING PLANNER
GUEST HOSPITALITY
STAGE DECOR
SPECIAL ENTRY
INVITATION VIDEO
E - INVITATION CARD
BABY SHOWER
BIRTHDAY PARTY

No : 13, Erulappan Street, Sowcarpet, Chennai - 600001
Email : eventdilse3@gmail.com
Contact : 9940554926

संसद संवाद की बजाय संघर्ष का अखाड़ा कब तक?

ललित गर्ग

संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने पिछले दिनों कहा था कि अगर विपक्षी दलों का हंगामा जारी रहता है, तो देशहित में सरकार के सामने विधेयक पारित कराने की मजबूरी होगी। लेकिन, लोकतंत्र के लिए यही बेहतर होगा कि दोनों पक्ष सदन का इस्तेमाल रचनात्मक बहस के लिए करें।

बिहार में वोटर लिस्ट रिवीजन पर संसद में गतिरोध जारी है, जिससे कामकाज बाधित हो रहा है। आज संसद का दृश्य सार्थक संवाद की बजाय किसी अखाड़े से कम नहीं लगता। बहस के स्थान पर बैनर, तख्तियां और नारों की गूंज सुनाई देती है। संसद जहां नीति निर्माण होना चाहिए, वहां प्रतिदिन कार्यवाही स्थगित हो रही है। यह विडंबना है कि जनप्रतिनिधि जिन मुद्दों को लेकर चुने जाते हैं, उन्हीं मुद्दों पर चर्चा की बजाय वे मेजें थपथपाने, वेल में उतरने और माइक बंद कराने में लगे हैं। संसद का हंगामा केवल दृश्य नहीं, एक राजनीतिक पतन की ओर संकेत करता है। जब एक ओर सरकार संवाद से बच रही है और दूसरी ओर विपक्ष केवल दिखावटी विरोध में लिप्त हंगामें बरपा रहा है, इन त्रासद एवं विडम्बनापूर्ण स्थितियों में देश की जनता के मुद्दे पीछे छूट रहे हैं। विपक्ष और सत्ता के बीच जारी इस टकराव में बहस के बजाय बहिष्कार और गतिरोध हावी हो चुका है। मानसून सत्र की शुरूआत उम्मीदों से भरी थी, नए विधेयकों, जनहित की बहसों और लोकतांत्रिक विमर्शों की। लेकिन यह सत्र भी पुराने ढर्रे पर चल पड़ा, विरोध, स्थगन, नारेबाजी और हंगामे की भेंट चढ़ता लोकतंत्र।

विपक्ष बिहार में चल रहे वोटर लिस्ट रिवीजन पर चर्चा चाहता है। इसमें ईवीएम की पारदर्शिता, मतदाता सूची में गड़बड़ी और चुनाव आयोग की निष्पक्षता जैसे गंभीर मुद्दे शामिल हैं। इसके साथ ही मणिपुर की स्थिति, बेरोजगारी, महंगाई, पेगासस जासूसी, किसानों की समस्याएं और हाल ही में आई बाढ़ एवं आपदा राहत जैसे मुद्दे भी विपक्ष के एजेंडे में हैं। लेकिन विपक्ष इन और ऐसे जरूरी मुद्दों पर चर्चा का माहौल बनाने की बजाय सरकार को घेरने की मानसिकता से ग्रस्त है। संसद की प्रासंगिकता तभी है जब उसमें देश की सच्चाइयों की प्रतिध्वनि हो और विपक्ष इसमें सकारात्मक भूमिका निभाये। गतिरोध के कारण दर्जनों विधेयक लंबित हैं, डेटा प्रोटेक्शन बिल, महिला आरक्षण बिल, वन नेशन वन इलेक्शन पर चर्चा, कृषि कानूनों में संशोधन, आदि। ये सब विधेयक केवल कानून नहीं हैं, बल्कि करोड़ों भारतीयों के जीवन से जुड़े ज्वलंत प्रश्न हैं। लेकिन दुर्भाग्यवश, विपक्ष सार्थक बहस से भाग रहा है या बहस में अड़ंगा डाल रहा है। सत्ता पक्ष भी कोई बीच का रास्ता निकालता हुआ दिखाई नहीं दे रहा है। दोनों की यह रस्साकशी देश के लोकतांत्रिक स्वास्थ्य को कमजोर कर रही है। कोई भी पक्ष झुकने को तैयार नहीं दिख रहा। लेकिन, इसका असर संसद के कामकाज पर पड़ रहा है। दोनों सदनों का कीमती वक्त हंगामे में जाया हो रहा है और यह कोई पहली बार नहीं हो रहा है। पिछले वर्षों में इस तरह

की गतिविधियां आम हो गई हैं।

विपक्ष चाहता है कि सरकार एसआईआर पर चर्चा कराए। लेकिन, सरकार नियमों का हवाला देकर कह रही है कि चुनाव आयोग स्वायत्त संस्था है और मामला सुप्रीम कोर्ट में लंबित है, इसलिए चर्चा नहीं हो सकती। जवाब में, राज्यसभा में विपक्ष के नेता मल्लिकार्जुन खरगे ने भी 2023 की एक रूलिंग निकाल कर उपसभापति को पत्र लिख दिया है। दोनों पक्ष नियमों के सवाल पर अड़े हैं, लेकिन यह नहीं भूलना चाहिए कि ये नियम सदन की कार्यवाही को सुचारू रूप से चलाने के लिए बनाए गए हैं, न कि कामकाज ठप्प कराने के लिए। मानसून सत्र शुरू होने के पहले ही अंदाजा था कि एसआईआर पर हंगामा होगा। इसके पीछे विपक्ष की अपनी आशंकाएं हैं। शुरूआत से ही यह प्रक्रिया विवादों में रही है। आधार और वोटर कार्ड को मान्य डॉक्युमेंट्स में शामिल न करने से लेकर बड़ी संख्या में लोगों को वोटर लिस्ट से बाहर निकालने तक, इसमें कई पेच फंसे हैं। चुनाव आयोग ने संशोधित वोटर लिस्ट का ड्राफ्ट जारी कर दिया है और इसमें 65 लाख नाम हटाए गए हैं। सुप्रीम कोर्ट ने इन लोगों की पूरी जानकारी मांगी है।

संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने पिछले दिनों कहा था कि अगर विपक्षी दलों का हंगामा जारी रहता है, तो देशहित में सरकार के सामने विधेयक पारित कराने की मजबूरी होगी। लेकिन, लोकतंत्र के लिए यही बेहतर होगा कि दोनों पक्ष सदन का इस्तेमाल रचनात्मक बहस के लिए करें। आम नागरिक संसद से समाधान की उम्मीद करता है, न कि शोरशराबा। जब लाखों युवा रोजगार की बाट जोह रहे हैं, किसान कर्ज में डूब रहे हैं, और आमजन महंगाई से त्रस्त है, तब संसद में ठहाके नहीं, तकलीफों की चर्चा जरूरी है। यह सवाल अब बार-बार उठ रहा है कि क्या संसद केवल दिखावटी बन गई है? अगर सरकार विपक्ष को केवल बाधा मानकर चलती है और विपक्ष केवल विरोध के लिए विरोध करता है, तो लोकतंत्र की आत्मा मरती है। जैसाकि पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी ने कहा था, ह्लसंसद को ठप्प करना आसान है, लेकिन संसद को चलाकर देश की उम्मीदों को साधना ही असली लोकतंत्र है।ह्व चुनाव आयोग एसआईआर की जरूरत को बता चुका है और शीर्ष अदालत ने भी उसे माना है। यह जरूरी भी है, क्योंकि भ्रष्ट वोटरों से चुनी जाने वाली सरकारें भी भ्रष्ट ही होती है। इसलिये चुनाव की इस विसंगति की सफाई होना जरूरी है, इस पर चर्चा की मांग को लेकर सत्ता पक्ष-विपक्ष के बीच गतिरोध बना हुआ है तो बातचीत से इसका हल निकालना होगा ताकि संसद का कामकाज सुचारुरूप से चल सके। लोकतंत्र में सदन चलाने की जिम्मेदारी सरकार की होती है। लेकिन इसमें विपक्ष का सहयोग भी अपेक्षित होता है, दोनों को अपना यह दायित्व समझना चाहिए।

संसद का हर सत्र, हर मिनट करदाताओं की गाढ़ी कमाई से चलता है। हर व्यवधान लाखों रुपये की बबार्दी है। यह नैतिक रूप से भी चिंताजनक है कि जनप्रतिनिधि बहस से अधिक हंगामे में समय गंवा रहे हैं। समाधान यही है कि सत्ता पक्ष विपक्ष की बात सुने, संवाद को प्राथमिकता दे। विपक्ष भी रचनात्मक विरोध करे, अनावश्यक बहिष्कार से बचे। लोकतंत्र बहस से ही मजबूत होता है, बहिष्कार से नहीं। वोटर लिस्ट रिवीजन पर चर्चा होनी चाहिए। जरूरी विधेयकों पर बहस होनी चाहिए। संसद को संकल्प का मंच बनना चाहिए, संग्राम का नहीं। जब तक संसद जनहित के सवालों पर गूंजेगी नहीं, तब तक लोकतंत्र अपंग ही रहेगा। जैसा कि डॉ. राधाकृष्णन ने कहा था-संसद केवल कानून बनाने का स्थान नहीं, यह राष्ट्र के विवेक की आवाज है।ह्व लेकिन जब यह विवेक ही हंगामे में दब जाए, तो संविधान की आत्मा कराह उठती है। आज जरूरत है कि संसद को नई दिशा, नया दृष्टिकोण और नई मयार्दा मिले। संसद की गरिमा केवल आसनों से नहीं, आचरण से बनती है। संसद में वही नेता दिशा दे सकते हैं, जो अपने निजी या दलगत हित से ऊपर उठकर राष्ट्रहित की सोच रखते हैं। जब तक संसद के सदस्य यह नहीं समझेंगे कि वे जनता के प्रतिनिधि हैं, न कि अपने दल के प्रचारक, तब तक दिशा भटकती रहेगी।

विपक्ष लोकतंत्र की आंख है। लेकिन जब यह आंख केवल अंधविरोध में अंधी हो जाए, तो लोकतंत्र की दृष्टि धुंधली हो जाती है। विपक्ष को सद्बुद्धि दे सकता है, जनता का दबाव। जब जनता यह स्पष्ट रूप से जताए कि उसे रचनात्मक, नीति आधारित विपक्ष चाहिए न कि नारेबाज नेता, तब विपक्ष को भी सुधरना पड़ेगा। विपक्ष को आत्मचिंतन करना चाहिए कि क्या वह जनता की लड़ाई लड़ रहा है या केवल सत्तालोलुप राजनीति कर रहा है? मीडिया को चाहिए कि वह हंगामे को महिमामंडित करने के बजाय, नीति और तर्क आधारित बहस को आगे बढ़ाए। संसद में विवाद होना लोकतंत्र की शक्ति है, लेकिन वही विवाद अगर दिशा विहीन हो जाए, तो वह कमजोरी बन जाता है। आज जरूरत है कि संसद की गरिमा को पुनर्स्थापित किया जाए, विपक्ष अपनी भूमिका को गंभीरता से निभाए और सरकार भी अहंकार छोड़कर संवाद को अवसर दे। संसद यदि सचमुच ह्लोक का मंदिरह्व है, तो वहाँ केवल सत्ता की पूजा नहीं, लोकमंगल की बात होनी चाहिए।

संपादकीय

वीजें साफ होनी चाहिए

कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने भारत के चुनाव आयोग पर हमला तेज कर दिया है। कर्नाटक विधानसभा क्षेत्र का ड़ाटा पेश करते हुए आरोप लगाया है कि मतदाता सूची में हेराफेरी की गई। दस्तावेज का ढ़ेर मीड़िया के समक्ष दिखाते हुए दावा किया कि ये सूची चुनाव आयोग द्वारा उपलब्ध मतदाता सूची के ढ़ेर से निकाली हैं। लोक सभा में नेता प्रतिपक्ष ने विभिन्न निर्वाचन क्षेत्रों में वोट चोरी मॉड़ल के इस्तेमाल का आरोप लगाते हुए न्यायपालिका से हस्तक्षेप करने का आग्रह किया है। उनका दावा है कि महादेवपुरा क्षेत्र में एक लाख से ज्यादा मतों की चोरी हुई। कर्नाटक के मुख्य निर्वाचन अधिकारी ने पत्र की मार्फत शपथ खाते हुए औपचारिक घोषणा प्रस्तुत करने को कहा। नागरिकों को गुमराह करना बंद करने और बेतुके निष्कर्षों की बजाय मतदाता पंजीकरण नियम 1960 के 20(3)(बी) का हवाला देते हुए शपथ/घोषणा पर हस्ताक्षर कर पत्र सौंपने को कहा। कोई भी झूठी घोषणा जनप्रतिनिधित्व अधिनियम की धारा 31 के तहत दंड़नीय अपराध है जिसमें एक साल की कैद या जुमार्ना, या दोनों का प्रावधान है। भारतीय न्याय संहिता की धारा 227 के अंतर्गत झूठी गवाही देने पर सात साल की जेल व जुमार्ना हो सकता है। आयोग इन आरोपों पर तभी संज्ञान लेगा जब गांधी इन्हें विशिष्ट रूप से लिखित में दर्ज कराएंगे। रही बात फर्जी या अमान्य पतों की तो देश में अभी भी बहुत से इलाके हैं, जहां सटीक पता/क्रमांक संख्या मौजूद नहीं है। वार्ड, मकान संख्या, गली आदि के विवरण के लिए राज्य सरकारों को जिम्मेदार बनाया जाना जरूरी है। बहरहाल, इस आरोप की गंभीरता को समझना आवश्यक है कि दो कमरों में क्रमशः अस्सी/छियालिस लोग कैसे रह सकते हैं। इनमें तमाम मतदाताओं की तस्वीरें अकार में इतनी छोटी हैं कि पहचानना मुश्किल है। इन आरोपों की पुष्टि आयोग बगैर प्रत्यारोपों के करनी चाहिए। मतदाता सूचियों के प्रति आयोग जिम्मेदारी से बच नहीं सकता। बेशक, लोगों से अपेक्षा की जाती है कि मतदाता परिचय-पत्र में नाम दर्ज करते हुए स्पष्टता का ख्याल रखें। आयोग को भी सतर्कता बरतनी होगी। सवाल आरोपों-प्रत्यारोपों का नहीं है। आयोग को मामले को बेवजह तूल देने की बजाय गड़क्ष्बड़िय़ों का निस्तारण करने के प्रति जवाबदेह बनना चाहिए। प्रतिपक्ष का काम है, विरोध करना। उसे आश्वस्त करने और मतदाताओं के अधिकार का सम्मान करने में कोताही उचित नहीं कही जा सकती।

चिंतन-मनन

सम्यक दृष्टिकोण की जरूरत

आज मानवता को बचाने से अधिक कोई करणीय काम प्रतीत नहीं होता। मनुष्य औद्योगिक और यांत्रिक विकास कर पाए या नहीं, इनसे मानवता की कोई क्षति नहीं होने वाली है, किंतु उसमें मानवीय गुणों का विकास नहीं होता है तो कुछ भी नहीं होता है। एक मानवता बचेगी तो सब कुछ बचेगा। जब इसकी सुरक्षा नहीं हो पाई तो क्या बचेगा? और उस बचने का अर्थ भी क्या होगा? मनुष्य एक सर्वाधिक शक्तिशाली प्राणी है, इस तथ्य को सभी धर्मो ने स्वीकार किया है।पर मानव जाति का दुर्भाग्य यह रहा कि उसकी शक्ति मानवता के विकास में खपने के स्थान पर उसके हास में खप रही है। मानवता की सुरक्षा के लिए जिस ऊर्जा को संग्रहीत किया गया था, वह हथियार का रूप लेकर उसका संहार कर रही है।मनुष्य के मन की धरती पर उगी हुई करुणा की फसल क्रूरता से भावित होकर धीरे-धीरे समाप्त हो रही है।यह एक ऐसा भोगा हुआ यथार्थ है, जिसे कोई भी संवेदनशील व्यक्ति नकार नहीं सकता।

पानी को जीवनदाता माना जाता है, सर्वोत्तम तत्व माना जाता है; फिर भी उसके स्वभाव की विचित्रता यह है कि वह ढलान का स्थान प्राप्त होते ही नीचे की ओर बहने लगता है।दूसरों को जीवन देने वाला जल भी जब नीचे की ओर जाने लगे तो उसके कौन रोक सकता है? यही स्थिति आज के मनुष्य की है।सर्वाधिक शक्तिशाली होकर भी यदि वह स्वयं का दुश्मन हो जाए, करुणा को भूलकर क्रूर बन जाए तो उसे कौन समझा सकता है। इस बात को सब मानते हैं कि विज्ञान ने बहुत तरक्की की है।यह बहुत अच्छी बात है।किंतु हमें इस बात को भी नहीं भूलना चाहिए कि विज्ञान में तारक और मारक दोनों शक्तियां होती हैं। कोई आदमी उसकी तारक शक्ति को भूलकर मारक शक्ति को ही काम में लेने लगे, इसमें विज्ञान का क्या दोष।उसके पास मानवता या मानव जाति को बचाने की जो विलक्षण शक्ति है, उसे भुला दिया गया और संहार की भयानक शक्ति को उजागर किया गया।इस स्थिति को बदलने के लिए सम्यक दृष्टिकोण के निर्माण की आवश्यकता है।

आओ मिट्टी और पर्यावरण की रक्षा करें

किशन सनमुखदास भावनानी

वैश्विक स्तरपर आज हर देश पर्यावरण समस्याओं का सामना कर रहा है जिसका समाधान खोजने उसपर अमल करने के लिए विभिन्न अंतरराष्ट्रीय मंचों पर सभी देश एकत्रित होकर पर्यावरण की सुरक्षा के मुद्दों पर अनेक उपायों की चर्चा कर उसके क्रियान्वयन करने में लगे हुए हैं।मैं एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानी गोंदिया महाराष्ट्र मानता हूं कि जिसमें पेरिस समझौता सहित अनेक ऐसे समझौते शामिल हैं जो मानवीय जीवन को पर्यावरण के खतरों से बचाने के लिए मील का पत्थर साबित होंगे।

साथियों बात अगर हम भारत की करें तो भारत न केवल हर अन्तर्राष्ट्रीय मंचों से पर्यावरण की सुरक्षा में महत्वपूर्ण योगदान और सहयोग प्रदान कर रहा है बल्कि घरेलू स्तरपर भी अनेक लक्ष्यों को भी अपने टारगेट समय से पूर्व पूर्ण करने की ओर अग्रसर है। राष्ट्रीय स्तरपर पर्यावरण की सुरक्षा के लिए अनेक सामाजिक, सरकारी, सरकारी, निजी संस्थाएं कार्य कर रही है परंतु अगर वास्तव में हमें पर्यावरण को सुरक्षित करना है तो हर नागरिक को इस पर्यावरण सुरक्षा संबंधी यज्ञ में अपने सहयोग रूपी आहुति देनी होगी और अभियान चलाकर, आओ मिट्टी और पर्यावरण की रक्षा करें!! का नारा देना होगा! मानव को प्रकृति का साथी बनना होगा तथा अनुकूल मानवीय सभ्यता पर्यावरण संबंधित समस्याओं को दूर कर खुशहाल समृद्धि टिकाऊ भविष्य का निर्माण करेगी ऐसी सोच रखनी होगी।

साथियों बात अगर माननीय केंद्रीय रक्षा मंत्री द्वारा एक कार्यक्रम में संबोधन की करें तो पीआईबी के अनुसार उन्होंने भी, विज्ञान के क्षेत्र में नई प्रौद्योगिकीयों को खोजने तथा ऐसे नवोन्मेषण करने की अपील की जो पर्यावरण के अनुकूल मूल्यों को बनाये रखेंगे। उन्होंने कहा, हमें प्रकृति का साथी बन जाना चाहिए तथा जीवों के साथ साथ प्रकृति के निर्जीव तत्वों के प्रति भी श्रद्धा और सम्मान की भावना रखनी चाहिए। मुझे पूरा विश्वास है कि धीरे धीरे मानव सभ्यता हमारे समय की पर्यावरण संबंधित समस्याओं को दूर करेगी तथा हम सभी के लिए एक खुशहाल, समृद्ध, न्यायसंगत तथा टिकाऊ भविष्य का निर्माण करेगी।

उन्होंने पर्यावरण के क्षरण पर चिंता जताई और कहा कि पृथ्वी के इकोसिस्टम का निर्माण इस तरह से किया गया है कि किसी एक विशिष्ट भौगोलिक क्षेत्र में प्रभाव केवल उसी क्षेत्र तक सीमित नहीं रहता बल्कि यह पूरे विश्व को सन्निहित कर लेता है। उन्होंने कहा, उदाहरण के लिए हमारे सामने कार्बन उत्सर्जन का मामला है। भले ही यह एक देश में हो रहा हो, निश्चित रूप से यह अन्य सभी देशों को प्रभावित कर रहा है। यही कारण है कि वैश्विक पर्यावरण सुरक्षा के संबंध में, सभी शिखर सम्मेलन, सम्मेलन, संधियां तथा समझौते, चाहे वह रियो समिट हो या डेजर्टिफिकेशन से मुकाबला करने के लिए संयुक्त राष्ट्र सम्मेलन, जलवायु परिवर्तन कन्वेंशन, क्योटो प्रोटोकॉल या पेरिस सम्मेलन, वे सभी समान रूप से एक सुर में कार्य करने के लिए विश्व के सभी देशों का मार्गदर्शन करते हैं। एक जिम्मेदार राष्ट्र के रूप में, भारत ने अपनी परंपरा और संस्कृति से निर्देशित होकर निरंतर मृदा संरक्षण क लिए कार्य किया है। केवल मिट्टी पर ध्यान केंद्रित करने के जरिये मृदा संरक्षण नहीं किया जा सकता। हमने इससे जुड़े सभी घटकों जैसे वनीकरण, वन्य जीवन, आर्द्र भूमि आदि को संरक्षित करने और बढ़ाने का कार्य किया है। केवल सामूहिक प्रयासों से ही सामूहिक समस्याओं का निदान संभव होगा। इसलिए, यह आवश्यक है कि हम सभी मिट्टी और पर्यावरण की रक्षा करने का प्रयास करें और एक साथ मिल कर एक बेहतर विश्व की ओर बढ़ें।

उन्होंने मिट्टी बचाओ अभियान को उम्मीद की किरण बताया क्योंकि इससे यह विश्वास पैदा होता है कि इस अभियान के माध्यम से विश्व भर के लोग आने वाले समय में मृदा के स्वास्थ्य को बनाये रखने में योगदान देंगे। उन्होंने कहा कि यह अभियान न केवल मिट्टी की रक्षा करने बल्कि मानव सभ्यता एवं संस्कृति को संरक्षित करने का भी एक प्रयास है।

उन्होंने पर्यावरणीय समस्याओं को दूर करने के लिए प्रेरित करने के अतिरिक्त लोगों को योग के माध्यम से अधिक प्रसन्नचित्त तथा अधिक सार्थक जीवन जीवन जीना सिखाने के लिए किए जा रहे कार्यों के लिए उनकी सराहना की। उन्होंने कहा, वसुधैव कुटुम्बकम का संदेश देकर भारत ने अपनी सीमा के भीतर रहने वाले लोगों को ही नहीं, बल्कि पूरे विश्व के लोगों को अपना परिवार माना है। श्री सद्गुरु ने अपने काम से निश्चित रूप से एक नया पर्यावरण आंदोलन पैदा करने के लिए वसुधैव कुटुम्बकम की भावना को जीवंत बनाया है। उन्होंने कहा, वह मिट्टी बचाओ जैसे अभियानों तथा अध्यात्मिकता के माध्यम से दिव्य संदेश दे रहे हैं।

अतः अगर हम उपरोक्त पूरे विवरण का अध्ययन कर उसका विश्लेषण करें तो हम पाएंगे कि आओ मिट्टी और पर्यावरण की रक्षा करें। मानव को प्रकृति का साथी बनना होगा। अनुकूल मानवीय सभ्यता पर्यावरण संबंधित समस्याओं को दूर कर खुशहाल समृद्धि टिकाऊ भविष्य का निर्माण करेगी सराहनीय सोच है।

(संकलनकर्ता लेखक - कर विशेषज्ञ स्तंभकार साहित्यकार अंतरराष्ट्रीय लेखक चिंतक कवि संगीत माध्यमा सीए(एटीसी)

(यह लेखक के व्यक्तिगत विचार हैं इससे संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है)

अगस्त क्रान्ति की वर्षगांठ : आजादी की पहली क्रान्ति के योद्धाओ की दास्तान!

डॉ. श्रीगोपालनारसन

देश की आजादी का पहला बिगुल सन 1857 की मेरठ क्रान्ति में नही, बल्कि सन 1824 में हरिद्वार के कुंजा बहादुरपुर गांव से बजा था। इसलिए मेरठ से उठी आजादी की सन 1857 की चिगांरी को पहली आजादी की चिंगारी बताना भी पूरी तरह से एक बड़ी भूल है क्योकि देश में सन 1857 से पहले ही आजादी का बिगुल बज चुका था। उत्तराखण्ड राज्य के हरिद्वार जिले के ग्राम कुन्जा बहादुरपुर में सन 1824 में ही क्रांति की पहली मशाल जल गई थी। इस गांव में किसानों ने अंग्रेजों के खिलाफ विरोध का बिगुल बजाया था । कुन्जा बहादुरपुर के तत्कालीन राजा विजय सिहं ने इस क्रांति का नेतृत्व किया था । वर्षा न होने पर गांव में किसानों की फसल सूख गई थी। किसान फसल पैदा न होने के कारण सरकार को लगान देने की स्थिती में नही थे। मजबूर होकर उन्होने ने राजा विजय सिंह से लगान माफ करने की गुहार लगाई । राजा को किसानो की मांग उचित लगी तो उन्होने अंग्रेजो से उस साल का लगान न लेने की प्रार्थना की परन्तु अंग्रेज नही माने और राजा की प्रार्थना को अंग्रेजो ने उन्हे दुत्कारते हुए ठुकरा दी। जिसकारण राजा विजय सिहं अंग्रेजो से नाराज हो गए और उन्होने अंग्रेजो द्वारा जबरन लगान वसूली का विरोध करने का फैसला किया और उन्होने क्षेत्र के लोगों के साथ मिलकर देश की पहली क्रान्ति को जन्म दिया।

इसी विरोध के कारण राजा विजय सिंह अंग्रेजो की आंख की किरकिरी बन गए थे। अंग्रेजो ने कुंजा बहादुरपुर को नेस्तनाबूद करने के लिए गांव के कुएं में पीसा हुआ कांच मिला दिया और रात्रि में हमलाकर विद्रोहियों को कुचलने की कौशिश की। राजा विजय सिंह ने भी अंग्रेजो का जमकर मुकाबला किया। उनके सेनापति कल्याण सिंह ने अपनी सैन्य टुकडी के साथ अंग्रेजों पर आक्रमण कर ग्राम कल्हालटी में ज्वालापुर से लाए जा रहे सरकारी खजाने को लूट लिया था। जिससे बोखलाए अंग्रेजो ने गांव के 152 विद्रोहियों को एक ही दिन में रूडकी के पास गांव सुनहरा के वट वृक्ष पर लटकाकर फांसी दे दी थी।जिससे खोफजदा होकर ग्राम सुनहरा, रामपुर व मतलबपुर के लोग अपने धर छोडकर जगंलो में जा छिपे थे। अंग्रेजो के साथ हुए युद्ध में राजा विजय सिंह जहां शहीद हो गए ,वही उनके सेनापति कल्याण सिंह की अंग्रेजो ने हत्या कर उसका शव देहरादून जेल के मुख्यद्वार पर लटका दिया था। इसी कारण कुन्जा बहादुरपुर की गिनती शहीद ग्राम के रूप में होती है और उत्तराखण्ड सरकार ने इसी कारण इस गांव को पर्यटन गांव भी घोषित किया हुआ है। वही सुनहरा का ऐतिहासिक वट वृक्ष भी शहीद स्मारक के रूप में दर्शनीय है और पर्यटन विभाग द्वारा इस स्थल का भी सौन्द्रयकरण किया गया हैं। इस स्मारक पर प्रति वर्ष 10 मई को रूडकी के लोग श्रद्धांजलि सभा का आयोजन करते है।

देश में आजादी की इस पहली लडाई के दौरान 27 सितम्बर सन 1930 को रूडकी के राजकीय हाई स्कूल जो अब इन्टर कालेज है,में एक जनसभा हुई थी जिसमें अरूणा आसफ अली आई थी इस सभा की भनक पुलिस को लग गई थी और पुलिस ने लाठीचार्ज कर दिया था, इस धटना में एक दर्जन लोग धायल हुए थे। जबकि 28 लोगो को पुलिस ने गिरफ्तारकिया था। इसी तरह 3 सितम्बर 1930 को झबरेडा में अंग्रेजो को देश से भगाने के लिए हुई जनसभा में पुलिस ने लाठी चार्ज कर लोगो को वहां से भगा दिया था। भगवानपुर मे तो इस बाबत हुई जनसभा में पुलिस के लाठी चार्ज से लाला बल्ली मल्ल बूरी तरह धायल हो गए थे।जिसकारण उनकी शहादत हो गई थी। तब से सन 1857 तक अंग्रेजो के खिलाफ हरिद्वार जिले तत्कालीन जिला सहारनपुर के लोगो का आन्दोलन जारी रहा। सन 1857 के अगस्त माह में रूडकी के तत्कालीन ज्वांइट मजिस्ट्रट एचडी राबर्टसन ने अंग्रेजो के खिलाफ विद्रोह कर रहे लोगो के प्रति क्रूरता दिखाई और ग्राम भनेडा की गुर्जर बस्ती में आग लगवा दी तो लोगो में उनके प्रति इतना गुस्सा व्याप्त हो गया कि उन्हे रूडकी से 6 मील दूर कस्बा मंगलौर जाने के लिए लोगो के जगह जगह विरोध के कारण तीन दिन लग गए थे।

स्वतन्त्रता आन्दोलन के इन लम्हों को हमेशा याद करने के लिए रूडकी में सुनहरा वट वृक्ष के नीचे हर वर्ष क्षेत्र के स्वतन्त्रता सेनानी और उनके वंशज एक श्रद्धाजंलि सभा का आयोजन करते है।जिसमें उन 152

अमर शहीदों जिन्हे एक ही दिन में क्रूर अंग्रेजो ने सुनहरा वट वृक्ष पर फांसी पर लटका दिया था,समेत अन्य शहीदों को भी श्रद्धासुमन अर्पित किये जाते है। शहीद ग्राम का सम्मान प्राप्त गांव कुंजा बहादुरपुर के विकास के लिए और गांव की पहचान देश विदेश तक पहुंचाने के लिए गांव के बुजुर्ग चौधरी अजमेर सिंह जबतक जिये काफी भागदौड करते रहे परन्तु राजनेताओ की अनदेखी के चलते इस गांव को अभी तक पर्यटन गांव के रूप में स्वीकृत विकास राशि का भी लाभ नही मिल पाया है। अलबत्ता पिछले दिनों जिला पंचायत ने गांव के बाहर आजादी क्रांति स्मृति द्वार जरूर बनवा दिया है।

(लेखक अमर शहीद जगदीश प्रसाद वत्स के भांजे है)

(यह लेखक के व्यक्तिगत विचार हैं इससे संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है)

संक्षिप्त समाचार

पाकिस्तान में पोलियो का एक और मामला सामने आया, कुल संख्या 19 हुई

इस्लामाबाद, एजेंसी। पाकिस्तान के उत्तर-पश्चिमी प्रांत खैबर पख्तूनख्वा में पांच महीने के एक बच्चे में पोलियो वायरस की पुष्टि हुई है। इसके साथ ही 2025 तक पोलियो के कुल मामलों की संख्या 19 हो गई है। राष्ट्रीय स्वास्थ्य संस्थान (एनआईएच), इस्लामाबाद ने बुधवार को पुष्टि की कि यह नया संक्रमण खैबर पख्तूनख्वा में पोलियो का 12वां मामला है। एनआईएच ने बताया कि पांच महीने का यह बच्चा लक्की मरवात जिले के गजनी खेल तहसील के सुलेमान खेल यूनियन काउंसिल का निवासी है। बुधवार को उसका पोलियो वायरस परीक्षण पॉजिटिव आया था। यह भी पता चला कि बच्चे को नियमित पोलियो टीकाकरण नहीं मिला था और उसे केवल एक अतिरिक्त खुराक दी गई थी। 2025 में लक्की मरवत जिले में पोलियो का यह तीसरा मामला दर्ज किया गया है, जबकि 2024 में दो मामले सामने आए थे। अन्य मामलों में से पांच सिंध प्रांत से हैं और पंजाब तथा गिलगित-बाल्टिस्तान से एक-एक मामला सामने आया है।

ईपीए ने बंद किया सात अरब डॉलर का अनुदान कार्यक्रम

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका की पर्यावरण संरक्षण एजेंसी (ईपीए) ने बृहस्पतिवार को 7 अरब डॉलर का एक अनुदान कार्यक्रम बंद कर दिया। इस कार्यक्रम का मकसद 9 लाख से ज्यादा कम आय वाले अमेरिकी परिवार के घरों पर सोलर पैनल लगवाना और उसका खर्चा उठाने में मदद करना था। यह कदम ट्रंप प्रशासन ओर से लिया गया है। माना जा रहा है कि इससे देश में स्वच्छ ऊर्जा अपनाने की प्रक्रिया धीमी होगी। यह पैसा पूर्व राष्ट्रपति जो बाइडेन के सबके लिए सौर कार्यक्रम का हिस्सा था। इसे 60 अलग-अलग समूहों- जैसे राज्य सरकारों, जनजातीय संगठनों और क्षेत्रों को दिया जाना था, ताकि वे घरों की छत पर सौर पैनल और सामुदायिक सौर पार्क जैसी परियोजनाएं शुरू कर सकें।

फेडरल रिजर्व बोर्ड में आर्थिक सलाहकार स्टीफन मिरान को नामित करेंगे ट्रंप

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने बृहस्पतिवार को कहा कि वह फेडरल रिजर्व के गवर्नर बोर्ड में चार महीने के लिए एक शीर्ष आर्थिक सलाहकार को नामित करेंगे। यह नियुक्ति अस्थायी रूप से रिक्त पद को भरने के लिए की जाएगी। बाद में इस पद के लिए लंबे समय के लिए किसी को चुना जाएगा। ट्रंप ने कहा कि उन्होंने व्हाइट हाउस की आर्थिक सलाहकार परिषद के अध्यक्ष स्टीफन मिरान को गवर्नर एड्रियाना कुगलर द्वारा खाली की गई सीट पर नियुक्त किया है। एड्रियाना कुगलर, जिन्हें बाइडन ने नियुक्त किया था, शुक्रवार को पद छोड़ रही हैं। यदि सीनेट द्वारा अनुमोदित किया जाता है, तो मिरान 31 जनवरी, 2026 तक इस पद पर कार्यरत रहेंगे।

पेंसिल्वेनिया में पुलिस कर्मियों पर हमला करने वाले संदिग्ध की मौत

हैरिसबर्ग, एजेंसी। पेंसिल्वेनिया के थॉम्पसन इलाके में बृहस्पतिवार सुबह 11 बजे दो पुलिस कर्मियों पर हमला करने वाले संदिग्ध की मौत हो गई। वहीं, घायल पुलिस कर्मियों को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। उनकी हालत अभी स्थिर है। राज्य पुलिस प्रमुख क्रिस्टोफर पेरिस ने बताया कि दोनों पुलिसकर्मी एक व्यक्ति की खैरियत लेने गए थे। वहां पहुंचते ही उन पर गोली चला दी गई। एक पुलिसकर्मी ने मौके पर ही दूसरे की चोट पर पट्टी बांधी, और तीसरे पुलिसकर्मी ने उनकी मदद की। गवर्नर जोश शापिरो ने दोनों को नायक कहा और बताया कि पुलिसकर्मी जोसेफ पेरेचिंस्की की तेजी और समझदारी से कई लोगों की जान बची। पुलिस के अनुसार, संदिग्ध व्यक्ति राइफल से लैस था और आदेश मानने से इनकार कर रहा था। घटना के दौरान उसे गोली लगी और वह मारा गया। यह घटना थॉम्पसन नगर से लगभग 8 किलोमीटर और फिलाडेल्फिया से करीब 262 किलोमीटर दूर हुई। पुलिस प्रमुख ने कहा कि संदिग्ध की मौत हो चुकी है और आगे और जानकारी दी जाएगी।

उपराष्ट्रपति को बर्थडे पर आ सके रोमांचकारी मजा, सुरक्षाकर्मियों ने जबरन नदी में बढ़वा दिया पानी

ओहियो, एजेंसी। पिछले दिनों 2 अगस्त को अमेरिकी उपराष्ट्रपति जेडी वेंस का जन्मदिन था। इस दिन को खास बनाने के लिए वह सपरिवार नौकायन पर निकले थे लेकिन जिस नदी में उन्हें रोमांचकारी नौकायन करना था, वहां जलस्तर कम था। इसलिए उनकी सुरक्षा में लगे सुरक्षाकर्मियों ने अपने प्रभाव का इस्तेमाल कर ओहियो की नदी का जलस्तर बढ़वा दिया ताकि उपराष्ट्रपति वेंस और उनका परिवार उनके 41वें जन्मदिन पर बोटिंग का लुत्फ उठा सके।

मशहूर अमेरिकी अखबार द गार्जियन की रिपोर्ट में कहा गया है कि जेडी वेंस की सुरक्षा में तैनात कर्मियों ने सेना के इंजीनियरों को ओहियो की झील से निकलने वाली एक नदी के बहाव में असामान्य बदलाव करने को कहा था ताकि फैमिली टूर पर गए उपराष्ट्रपति वेंस के लिए नौका विहार भ्रमण की व्यवस्था की जा सके। अमेरिकी सेना के इंजीनियरों के कोर के एक बयान जारी कर कहा है कि अमेरिकी सीक्रेट सर्विस ने उनसे अनुरोध किया था कि लिटिल मियामी नदी के जलप्रवाह में वृद्धि की जाए, ताकि उपराष्ट्रपति के सुरक्षा दल उन्हें सुरक्षित नौकायन में सहायता कर सकें।

सोशल मीडिया पोस्ट के अनुसार, जेडी वेंस को 2 अगस्त को, 41वें जन्मदिन पर दक्षिण-पश्चिमी ओहियो क्षेत्र में देखा गया था, जिसमें उन्हें लिटिल मियामी नदी में कैनोइंग करते देखा गया था। यह नदी सीजर क्रीक झील की एक सहायक नदी है। इस मामले की जानकारी रखने वाले एक सूत्र ने गुरुवार को गार्जियन से गुमनाम रूप से संपर्क किया और आरोप लगाया कि सीजर क्रीक झील से अधिक पानी छोड़ने का अनुरोध न केवल उपराष्ट्रपति के सीक्रेट सर्विस दल की सहायता के लिए था, बल्कि अच्छी बोटिंग के लिए जल उपलब्धता की परिस्थितियाँ बनाने के लिए भी था।

उपराष्ट्रपति के इस कदम की आलोचना हो रही है। आलोचकों ने इसे अधिकारों का बेजा इस्तेमाल बताया है, खासकर तब जब ट्रम्प प्रशासन सरकारी खर्च में कटौती पर ध्यान केंद्रित कर रहा है। सवाल उठाए जा रहे हैं कि क्या वेंस का कार्यालय ऐसे समय में सार्वजनिक बुनियादी ढाँचे के संसाधनों का अपने निजी मनोरंजन के लिए इस्तेमाल कर रहा था, जब ट्रम्प प्रशासन ने अपने दक्षता अभियान के तहत विदेशी सहायता, वैज्ञानिक अनुसंधान और सरकारी नौकरियों में अरबों डॉलर की कटौती की है।

रिचर्ड डब्ल्यू. पेंटर, जिन्होंने राष्ट्रपति जॉर्ज डब्ल्यू. बुश के कार्यकाल में व्हाइट हाउस नैतिकता वकील के रूप में कार्य किया था, ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा, सेना के इंजीनियरों द्वारा करदाताओं के पैसे को नदी में पानी का प्रवाह बढ़ाने के लिए खर्च करना अपमानजनक है ताकि उपराष्ट्रपति कैनोइंग कर सकें, जबकि राष्ट्रीय उद्यान सेवा के बजट में कटौती ने बाकी सभी के लिए पारिवारिक छुट्टियों को गंभीर रूप से प्रभावित किया है। उपराष्ट्रपति कार्यालय ने टिप्पणी के अनुरोध का जवाब नहीं दिया है। द गार्जियन ने मंगलवार को इस बदलाव के बारे में टिप्पणी के लिए सबसे पहले लुइसविले स्थित यूएसएसीई से संपर्क किया। अमेरिकी भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण (यूएसजीएस) के सार्वजनिक रूप से उपलब्ध आंकड़ों से पता चलता है कि अगस्त के शुरुआती दिनों में जब वेंस छुट्टियां मना रहे थे, तब नदी के जलस्तर में अचानक वृद्धि हुई थी और झील के जलस्तर में गिरावट आई थी।

धार्मिक वजहों से लोगों से भेदभाव नहीं कर पाएंगे अमेरिकी बैंक, ट्रम्प ने कानून पर दस्तखत किए

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने गुरुवार को एक आदेश पर हस्ताक्षर किया है। जिसके तहत बैंक किसी व्यक्ति को उसके राजनीतिक या धार्मिक विचारों के तहत उसे सर्विस देने से इनकार नहीं कर सकते हैं। व्हाइट हाउस के अनुसार, इस आदेश में उन बैंकों की जांच करने को कहा गया है, जिन्होंने गलत तरीके से ग्राहकों को सेवाएं देने से मना किया।

ऐसे बैंकों पर जुर्माना लगाया जा सकता है या दूसरे कदम उठाए जा सकते हैं। साथ ही, धर्म के आधार पर खाते बंद करने की शिकायतों को न्याय विभाग को भेजा जाएगा। छोटे व्यवसायों से जुड़े बैंकों को उन ग्राहकों को दोबारा सेवा देने की कोशिश करनी होगी, जिनके खाते गलत तरीके से बंद किए गए। व्हाइट हाउस ने कहा- राष्ट्रपति ट्रम्प चाहते हैं कि किसी को भी उनके राजनीतिक या धार्मिक विचारों की वजह से बैंकिंग सेवाओं से वंचित न किया जाए। बैंकिंग निर्णय निष्पक्ष और जोखिम के आधार पर होने चाहिए।

ट्रम्प प्रशासन का आरोप है कि कुछ बड़े बैंकों ने हथियार बनाने वाली कंपनियों, तेल-गैस कंपनियों, धार्मिक समूहों और क्रिप्टोकरेंसी कंपनियों के खाते उनके विचारों के कारण बंद किए।

ट्रम्प ने यह भी कहा कि उनके साथ भी बैंकों ने भेदभाव किया। जेपी मॉर्गन बैंक ने उनके पुराने खातों को 20 दिन में बंद करने को कहा, और बैंक ऑफ अमेरिका ने उनके 1 बिलियन डॉलर जमा करने से मना कर दिया। हालांकि, दोनों बैंकों ने इन आरोपों को खारिज किया है। कांग्रेस में फेयर एक्सेस टू बैंकिंग एक्ट नाम का एक बिल फिर से पेश किया गया है, जो बैंकों को निष्पक्ष सेवाएं न देने पर कुछ ऋण कार्यक्रमों से रोकता है। ट्रम्प ने एक और आदेश भी जारी किया, जिससे रिटायरमेंट खातों में क्रिप्टोकरेंसी और रियल एस्टेट जैसी परिसंपत्तियों तक पहुंच आसान होगी।

बिजली के तार से टकराकर नदी पर क्रैश हुआ विमान, 2 की मौत

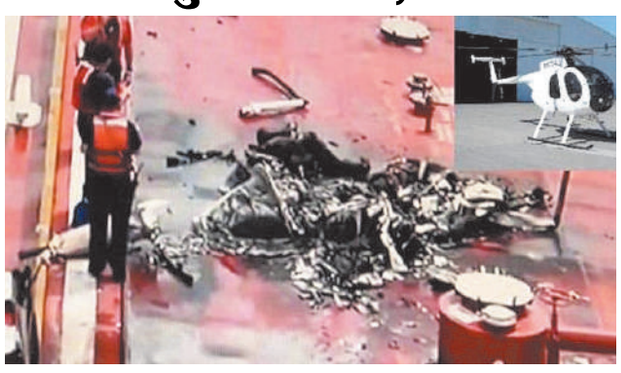

न्यूयार्क एजेंसी। हवाई दुर्घटनाओं का सिलसिला थमने का नाम नहीं ले रहा है। अब अमेरिका के मिसौरी राज्य में एक बड़ा हादसा सामने आया है जहां एक हेलीकॉप्टर मिसिसिपी नदी के ऊपर से गुजर रही पावरलाइन से टकराकर क्रैश हो गया। इस दुर्घटना में हेलीकॉप्टर में सवार 2 लोगों की मौत हो गई है।

यह हादसा गुरुवार को सेंट चार्ल्स काउंटी में हुआ। जानकारी के अनुसार हेलीकॉप्टर मिसिसिपी नदी पार करते समय पावरलाइन से टकरा गया जिसके बाद वह अनियंत्रित होकर नदी पर मौजूद एक बजरे से जा भिड़ा। टक्कर इतनी ज़बरदस्त थी कि हेलीकॉप्टर में आग लग गई और वह पूरी तरह जलकर राख हो गया। हालांकि आग पर जल्दी काबू पा लिया गया था। मृतकों की पहचान कर ली गई है। इस हादसे की जांच एफएए और नेशनल ट्रांसपोर्टेशन सेफ्टी बोर्ड ने शुरू कर दी है। शुरुआती जांच में पता चला है कि दुर्घटनाग्रस्त हेलीकॉप्टर ह्यूजेस 369डी मॉडल का था।

दुनिया में इस साल तीसरा सबसे गर्म महीना रहा जुलाई, यूरोपीय यूनियन ने किस बात की दी चेतावनी?

लंदन, एजेंसी। जुलाई 2023 या जुलाई 2024 जितना गर्म नहीं, जो रिकॉर्ड पर सबसे गर्म और दूसरा सबसे गर्म है, कोपरनिकस रिपोर्ट में कहा गया है कि पिछले महीने ग्रह की औसत सतह का तापमान अभी भी 1850-1900 पूर्व-औद्योगिक अवधि से 1.25 डिग्री सेल्सियस (2.25 फ़ारेनहाइट) अधिक था।

ग्लोबल वार्मिंग पर नजर रखने वाली यूरोपीय यूनियन की एजेंसी ने गुरुवार 7 अगस्त को बताया कि इस साल जुलाई तीसरा सबसे गर्म महीना रहा है। हालांकि, दो साल पहले रिकॉर्ड हाई टेंपरेचर की तुलना में इस महीने के तापमान में थोड़ी कमी आई है। वैश्विक औसत तापमान में थोड़ी कमी होने के बावजूद, वैज्ञानिकों का मानना है कि जुलाई में भीषण गर्मी और जानलेवा बाढ़ रही है।

हम लगातार गर्म होती दुनिया के प्रभावों को देख रहे- कार्लो बुओंटेम्पो: कोपरनिकस क्लाइमेट चेंज सर्विस के डायरेक्टर कार्लो बुओंटेम्पो ने कहा, ÷रिकॉर्ड तोड़ जुलाई के बाद वैश्विक तापमान रिकॉर्ड का हालिया सिलसिला फिलहाल खत्म हो गया है। लेकिन इसका मतलब यह नहीं है कि जलवायु परिवर्तन रुक गया है। हम लगातार गर्म होती दुनिया के प्रभावों को देख रहे हैं। नए रिकॉर्ड पर पहुंच सकता है तापमान- यूरोपीय यूनियन यूरोपीय यूनियन की निगरानी एजेंसी ने कहा कि अगर वायुमंडल में ग्रीनहाउस गैसों की मात्रा को सीमित नहीं किया जाता तो तापमान नए रिकॉर्ड पर पहुंच सकता है। बता दें कि 25 जुलाई को, तुर्की ने जंगल की आग से जूझते हुए अपना अब तक का सबसे अधिक तापमान 50.5 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया था। यह जुलाई 2023 या जुलाई 2024 जितना गर्म नहीं है, जो अब तक का सबसे गर्म और दूसरा सबसे गर्म तापमान है। कोपरनिकस की रिपोर्ट में कहा गया है कि पिछले महीने धरती का औसत सतही तापमान 1850-1900 के पूर्व-औद्योगिक काल से 1.25 डिग्री सेल्सियस अधिक था, जब मनुष्यों ने तेल, गैस और कोयले जैसे जीवाश्म ईंधनों को अंधाधुन तरीके से जलना शुरू नहीं किया था। जीवाश्म ईंधन के जलने से निकलने वाली ग्रीनहाउस गैसें जलवायु परिवर्तन का मुख्य कारण हैं। वनों की कटाई, जंगल की आग और कई तरह के कारखाने भी वायुमंडल में ऊष्मा को रोकने वाली गैसें छोड़ते हैं। वैश्विक स्तर पर, 2024 इतिहास का सबसे गर्म साल था। कोपरनिकस के अनुसार, यूरोप किसी भी अन्य महाद्वीप की तुलना में तेजी से गर्म हो रहा है।

अमेरिका का वेनेजुएलाई राष्ट्रपति पर 50 करोड़ डॉलर का इनाम

काराकास, एजेंसी। अमेरिका ने वेनेजुएला के राष्ट्रपति निकोलस मदुरो की गिरफ्तारी पर 5 करोड़ डॉलर यानी 418 करोड़ इनाम रखा है। ट्रम्प प्रशासन ने आरोप लगाया है कि मदुरो दुनिया के सबसे बड़े नार्को-तस्करों में से एक हैं। मुदरो पर आरोप है कि वे ड्रग कार्टेल के साथ मिलकर अमेरिका में फेंटानिल मिला कोकीन भेज रहे हैं।

अटॉर्नी जनरल पैम बॉन्डी ने गुरुवार को इनाम की घोषणा करते हुए कहा, राष्ट्रपति ट्रम्प के नेतृत्व में मदुरो न्याय से नहीं बच पाएंगे और उन्हें अपने अपराधों के लिए जवाब देना होगा। बॉन्डी ने कहा कि न्याय विभाग ने मदुरो से जुड़े 70 करोड़ डॉलर से अधिक की संपत्ति जब्त की है। इसमें दो प्राइवेट जेट भी शामिल हैं।

मदुरो पर 2020 में नार्को टेररिज्म के आरोप लगे थे: मदुरो पर 2020 में मैनहैटन की संघीय अदालत

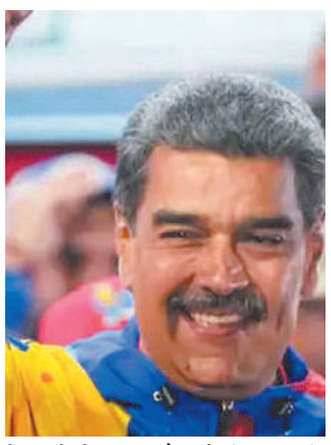

में नार्को-टेररिज्म और कोकीन तस्करी की साजिश के आरोप तय किए गए थे। उस समय ट्रम्प प्रशासन ने उनकी गिरफ्तारी पर 1.5 करोड़ डॉलर का इनाम रखा था। इसे बाद में बाइडेन प्रशासन ने बढ़ाकर 2.5 करोड़ डॉलर कर दिया। यही इनाम अमेरिका ने 9/11 हमलों के बाद ओसामा बिन लादेन की गिरफ्तारी पर रखा था। मदुरो 2013 से वेनेजुएला की सत्ता में बने हुए हैं। अमेरिका, यूरोपीय यूनियन और लैटिन अमेरिकी देश उन पर चुनावों में धोखाधड़ी का आरोप लगाते रहे हैं। 2024 में हुए राष्ट्रपति चुनाव में इन देशों ने मदुरो पर धांधली का आरोप लगाया था।

अमेरिका ने वेनेजुएला पर कई प्रतिबंध लगाए हैं: वेनेजुएला और अमेरिका के बीच कई दशकों से राजनीतिक मतभेद रहे हैं। वेनेजुएला, अमेरिकी की पूंजीवादी और विदेश नीतियों को लेकर आलोचना करता है तो वहीं, अमेरिका, वेनेजुएला में मानवाधिकार के उल्लंघन पर नाराजगी जताता रहा है। लगभग 100 साल पहले वेनेजुएला में तेल भंडारों की खोज हुई थी। तेल की खोज होने के 20 साल बाद ही वेनेजुएला दुनिया के सबसे बड़े तेल निर्यातक देशों में से एक बन गया। उसे लैटिन अमेरिका का सऊदी अरब कहा जाने लगा।

1950 के दशक में वेनेजुएला दुनिया का चौथा सबसे धनी देश था। लेकिन आज इस देश की हालत खराब हो चुकी है। देश की 75 फीसदी आबादी गरीबी रेखा से नीचे जीवनयापन कर रही है। बीबीसी के मुताबिक पिछले 7 साल में करीब 75 लाख लोग देश छोड़कर चले गए हैं। दरअसल, वेनेजुएला लगभग पूरी तरह से तेल पर निर्भर था। 80 के दशक में तेल की कीमतें गिरने लगीं। कीमतों में गिरावट ने वेनेजुएला की अर्थव्यवस्था को भी नीचे ला दिया। सरकारी नीतियों की वजह से वेनेजुएला अपना कर्ज चुकाने में फेल होने लगा। बाद में तेल के दाम बढ़े भी तो वह इसका फायदा नहीं उठा सका। 2015 में अमेरिकी प्रतिबंधों की वजह से वेनेजुएला की हालत और खराब हो गई है।

चीन में छोटे-छोटे मच्छरों का भयानक आतंक, निपटने के लिए उतारने पड़ गए सैनिक और ड्रोन

ताइपे, एजेंसी। ड्रैगन कहे जाने वाले पड़ोसी देश चीन में 73 साल पुराना वायरस चिकनगुनिया फिर लौट आया है और इसने अब तक करीब 8000 लोगों को शिकार बना डाला है। मच्छरों के काटने से फैलने वाले इस वायरस की रोकथाम के लिए चीनी अधिकारियों को सैनिक और ड्रोन तक उतारने पड़ गए हैं। चीनी अधिकारी मच्छर जनित वायरस से लड़ने के लिए जाल का इस्तेमाल और कीटनाशकों का छिड़काव कर रहे हैं। सैनिक मास्क पहनकर कीटनाशकों का छिड़काव कर रहे हैं। यहाँ तक कि छिड़काव के लिए ड्रोन का भी इस्तेमाल किया जा रहा है। इसके अलावा वैज्ञानिकों ने ऐसे बड़े मच्छर तैयार किए हैं, जो खतरनाक मच्छरों के लार्वा खा जाते हैं और तालाबों में मच्छर खाने वाली ऐसी हजारों मछलियां छोड़ी गई हैं।

अधिकारियों ने बताया कि इस वायरस के अधिकांश मामले हांगकांग से लगभग 170 किलोमीटर (105 मील) दूर, दक्षिणी चीनी विनिर्माण केंद्र फोशान में मिले हैं। हालांकि, अधिकारियों ने बताया है कि नए मामलों की संख्या धीरे-धीरे कम होती दिख रही है। ऑक्सफोर्ड यूनिवर्सिटी के सीज़र लोपेज़-कैमाचो के अनुसार, यह चीन में अब तक दर्ज किया गया सबसे बड़ा चिकनगुनिया प्रकोप प्रतीत होता है। यह वायरस संक्रमित मच्छरों द्वारा फैलता है और बुखार और जोड़ों में दर्द का कारण बन सकता है।

लोपेज़-कैमाचो ने एक बयान में कहा, इस घटना को बड़ी बनाने वाली बात यह है कि चिकनगुनिया चीन की मुख्यभूमि में पहले कभी नहीं फैला था। इससे पता चलता है कि ज़्यादातर आबादी में पहले से कोई रोग प्रतिरोधक क्षमता नहीं थी, इसलिए यह वायरस तेजी से फैल गया।

चीन के सरकारी टेलीविज़न पर कर्मचारियों को शहर की सड़कों, रिहायशी इलाकों, निर्माण स्थलों और अन्य जगहों पर कीटनाशक का छिड़काव करते हुए दिखाया गया है जहाँ लोग मच्छरों के संपर्क में आ सकते हैं। कर्मचारियों ने कार्यालय भवनों में प्रवेश करने से पहले कुछ जगहों पर भी छिड़काव किया। भारी बारिश और उच्च तापमान ने चीन में इस संकट को और बढ़ा दिया है, क्योंकि इसकी वजह से मच्छरों के पनपने की अनुकूल दशा बनती है।

गाजा सिटी पर कब्जा करेगा इजराइल, 75 प्रतिशत गाजा पट्टी पर पहले से इजराइली सेना का कब्जा

तेल अवीव, एजेंसी। इजराइल की सुरक्षा कैबिनेट ने शुक्रवार को गाजा पट्टी के उत्तरी इलाके में मौजूद गाजा सिटी पर कब्जे के लिए इजराइली सेना को मंजूरी दे दी है। प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू के कार्यालय ने बयान जारी कर इसकी पुष्टि की है। फैसले के लिए कैबिनेट ने 10 घंटे तक चर्चा की है। बैठक करीब 10 घंटे चली और उसके बाद नेतन्याहू के कार्यालय से सुबह-सुबह एक बयान जारी किया गया जिसमें कहा गया कि कैबिनेट के ज्यादातर सदस्य इस योजना के पक्ष में थे।

इस योजना का मकसद गाजा शहर में उन इलाकों में घुसना है जहां हमास के कब्जे में अभी भी कई बंधक होने की आशंका है। ये वो इलाके हैं जहां अब तक इजराइली सेना ने बड़े पैमाने पर कार्रवाई नहीं की है। इजराइली सेना (आईडीएफ) का कहना है कि गाजा के लगभग 75 प्रतिशत हिस्से पर उसका नियंत्रण है। गाजा पट्टी उस 25प्रतिशत इलाके में है, जो आईडीएफ के कब्जे में नहीं हैं। इससे पहले नेतन्याहू ने पूरी गाजा पट्टी पर कब्जे की बात कही थी,

लेकिन इस बयान में केवल गाजा सिटी का जिक्र है।

कैबिनेट ने जंग खत्म करने के बदले हमास के सामने 5 प्रमुख शर्तें भी रखी हैं- बचे हुए सभी 50 बंधकों की रिहाई। (इनमें से 20 के जीवित होने की संभावना है) गाजा पर इजराइल का सुरक्षा नियंत्रण। गाजा में ऐसा वैकल्पिक नागरिक प्रशासन बनाना जो न तो हमास हो और न ही फिलिस्तीनी प्राधिकरण। नेतन्याहू बोले- गाजा को अपने पास रखने का इरादा नहीं नेतन्याहू ने गुरुवार रात कहा था कि जंग के बाद के लिए एक प्लान बनाया जाएगा। इसमें इजराइल गाजा पर नागरिक शासन नहीं करेगा और न ही फिलिस्तीनी अथॉरिटी को इसमें कोई भूमिका दी जाएगी। नेतन्याहू के मुताबिक इजराइल गाजा का सुरक्षा घेरा बनाकर रखेगा, लेकिन में प्रशासन में शामिल नहीं रहेगा। फॉक्स न्यूज को दिए इंटरव्यू में नेतन्याहू ने कहा, हमारा मकसद गाजा को हमास के आतंक से मुक्त करना, वहां के लोगों को आजादी देना और फिर शासन एक जिम्मेदार अरब ताकत को सौंपना है। जो हमारे लिए खतरा न बने और गाजा के लोगों को अच्छा जीवन दे। नेतन्याहू ने पूरे गाजा पर कब्जे का प्लान बनाया था। इसे बिग गाजा प्लान नाम दिया गया था। हालांकि, उनके प्लान पर सेना से सहमति नहीं बन पाई थी। इजराइली डिफेंस फोर्स के चीफ ऑफ स्टाफ लेफ्टिनेंट जनरल एयाल जमीर ने योजना पर आपत्ति जताई थी। इससे इजराइली राजनीतिक और सैन्य नेतृत्व के बीच टकराव की स्थिति बन गई थी। जमीर ने चेतावनी दी थी कि गाजा पर कब्जे की कोशिश से वहां बंधक 20 इजराइली नागरिकों की जान को गंभीर खतरा हो सकता है। नेतन्याहू के करीबी सहयोगियों बिग गाजा प्लान के खिलाफ जाने पर आर्मी चीफ जमीर का इस्तीफा मांग चुके हैं। उनके एक करीबी अधिकारी ने एक इजराइली वेबसाइट से कहा कि अब फैसला हो चुका है, हम गाजा पर पूर्ण कब्जे की ओर बढ़ रहे हैं। अगर चीफ ऑफ स्टाफ जमीर को यह मंजूर नहीं है।

सोम ग्रुप ऑफ कंपनी द्वारा हेल्थ कैम्प ने 40 से अधिक गांवों के लोगों को किया लाभान्वित

रायसेन। समाज कल्याण एवं ग्रामीण स्वास्थ्यसेवाओं के लिए अपनी सतत प्रतिबद्धता का प्रदर्शन करते हुए सोम ग्रुप ऑफ कंपनीज़ ने मध्य प्रदेश के रायसेन जिले में स्थित सेहतगंज गांव में नि:शुल्क मेडिकल कैम्प का आयोजन किया। कंपनी की इस पहल ने एक ही दिन में 400 से अधिक ग्रामीणों को लाभान्वित करते हुए ज़रूरतमंद समुदायों को मेडिकल सपोर्ट प्रदान किया। 40 से अधिक गांवों के मरीज़ नि:शुल्क चिकित्सा सेवाओं का लाभ उठाने के लिए कैम्प में पहुंचे, जो क्षेत्र में सुलभ स्वास्थ्यसेवाओं की तुरंत आवश्यकता एवं दूरगामी प्रभावों को दर्शाता है। सोम हाई स्कूल में आयोजित इस कैंप का संचालन आशा मोहन फाउन्डेशन हॉस्पिटल के सहयोग से किया गया, जिसका उद्देश्य गांववासियों को सुलभ, नि:शुल्क मेडिकल कन्सलटेशन एवं ज़रूरी उपचार सुविधाएं उपलब्ध कराना था। मेडिकल टीम ने स्वास्थ्य जांच, डायग्नॉस्टिक, दवा वितरण एवं ऑन-साईट कन्सलटेशन सहित सभी ज़रूरी सुविधाएं प्रदान की और सुनिश्चित किया कि सभी मरीज़ों को समय पर गुणवत्तापूर्ण देखभाल मिले।भोपाल से जाने-माने डॉक्टरों की टीम ने लोगों को अपनी सेवाएं प्रदान कीं। इनमें डॉ टीना गुप्ता

(गायनेकोलोजिस्ट एवं ऑब्स्टेट्रिशियन), डॉ वसंत त्रिवेदी (आर्थोपेडिक सर्जन), डॉ संजीव गुप्ता (सीनियर कन्सलटेन्ट- डिपार्टमेन्ट ऑफ सीटीवीएस), डॉ पीयुष गोयंका (इंटरवेंशनल कार्डियोलोजिस्ट), डॉ नितेश उपाध्याय (पीडिएट्रिशियन, डीएनबी- पीडिएट्रिक्स) और डॉ निशांत कुमार शुक्ला (न्युरोवैस्कुलर एण्ड न्युरोएंडोवैस्कुलर सर्जन) शामिल थे। हर विशेषज्ञ ने विभिन्न आयुवर्गों एवं विभिन्न चिकित्सा क्षेत्रों में लोगों की ज़रूरतों को पूरा किया। कैम्प को स्थानीय लोगों से ज़बरदस्त प्रतिक्रिया मिली। पुरूषों, महिलाओं, बुज़ुर्गों ने बढ़-चढ़कर कैम्प में हिस्सा लिया, जिन्हें अक्सर नियमित स्वास्थ्य सुविधाएं भी नहीं मिल पातीं। चिकित्सा सुविधाओं के अलावा कैम्प ने लोगों को जल्दी निदान, निवारक चिकित्सा के बारे में जागरुक भी बनाया, ग्रामीण क्षेत्रों में इस तरह की जागरुकता बेहद महत्वपूर्ण होती है।

वॉर्नर ब्रदर्स डिस्कवरी ने की नई ओरिजिनल डॉक्यू-सीरीज़ एक था राजा विद अकुल त्रिपाठी की घोषणा

मुंबई, एजेंसी। वॉर्नर ब्रदर्स डिस्कवरी एक नयी इंडियन ओरिजिनल डॉक्यू-सीरीज़ 'एक था राजा विद अकुल त्रिपाठी' लॉन्च करने जा रहा है, जो रात 9 बजे डिस्कवरी चैनल और डिस्कवरी+ पर विशेष रूप से प्रसारित होगी। यह शो दिलचस्प कहानी कहने के अंदाज़ को समृद्ध ऐतिहासिक किस्सों के साथ जोड़ता है और भारत के मशहूर और गुमनाम राजाओं-रानियों की बहादुरी और हिम्मत को फिर से ज़िंदा करता है। इसमें गोरिल्ला युद्ध रणनीति बनाने वाले योद्धाओं, नौसेना के जांबाज़ सिपाहियों और साम्राज्य बनाने वालों की कहानियाँ शामिल हैं। यह आठ एपिसोड की सीरीज़ दर्शकों को समय और ज्योग्राफिकल बाउंडरीज़ के पार ले जाती है। गढ़वाल (उत्तराखंड) और मालवा (पश्चिम मध्य प्रदेश) से लेकर राजपुताना (राजस्थान), दक्कन (महाराष्ट्र और तेलंगाना), कर्नाटक और कश्मीर तक — हर कहानी एक ऐसे शासक की झलक दिखाती है, जिसकी बहादुरी ने इतिहास की दिशा बदल दी। भारत और साउथ एशियन डायस्पोरा के दर्शकों तक इसे पहुँचाने के लिए यह सीरीज़ सात भाषाओं — अंग्रेज़ी, हिंदी, तमिल, तेलुगु, मलयालम, कन्नड़ और बांग्ला — में उपलब्ध होगी।

तनाएरा ने प्रमाणिकता और विरासत को बढ़ावा देने के लिए उठाया एक और कदम

इस राष्ट्रीय हैण्डलूम दिवस पर अपने प्रोडक्ट्स में लाई जीआई- टैगिंग

ब्राण्ड कारीगरों को सशक्त बनाते हुए भारत की समृद्ध टेक्सटाईल धरोहर को संरक्षित बनाने के प्रयास जारी रखे हुए है

मुंबई एजेंसी। देश राष्ट्रीय हैण्डलूम दिवस के आयोजन की तैयारियां में जुटा है, इस बीच टाटा की प्रोडक्ट तनाएरा ने अपने प्रोडक्ट्स पर जीआई टैगिंग की शुरूआत कर देश की बेजोड़ टेक्सटाईल धरोहर को सुरक्षित रखने की प्रतिबद्धता को और मजबूत बना लिया है। इस पहल के साथ तनाएरा देश के कुछ पहले साड़ी ब्राण्ड्स में शामिल हो गई है, जो बनारसी, चंदेरी और माहेश्वरी जैसे मुख्य क्लस्टर्स में जीआई-सर्टिफाईड हैण्डलूम साड़ियां लेकर आती है। यह पहल लूम पर काम करने वाले कारीगरों के लिए ब्राण्ड की प्रतिबद्धता को दर्शाती है, जो कई पीढ़ियों से अपनी कारीगरी को नया आयाम देते आए हैं, और फैब्रिक के हर पीस में परम्परा बुनते हैं। यह कदम प्रमाणिकता एवं नैतिक कारीगरी के लिए तनाएरा के समर्पण की पुष्टि करता है, जिसका उद्देश्य उन उपभोक्ताओं एवं समुदायों के साथ गहरे रिश्ते बनाना है जो भारत की समृद्ध बुनाई

की परम्परा को जीवंत बनाए रखे हुए हैं। तनाएरा शुरूआत से ही प्रमाणिकता को महत्व देती आई है। सिल्क के लिए हैण्डलूम मार्क से लेकर ज़री सर्टिफिकेशन तक इनका हर प्रोडक्ट इसी प्रतिबद्धता की पुष्टि करता है। अब जीआई टेगिंग की पेशकश ब्राण्ड के प्रति उपभोक्ताओं के भरोसे को और मजबूत बनाएगी, ब्राण्ड का उद्देश्य देश के सर्वश्रेष्ठ कारीगरी को एक ही छत के नीचे लाना है।

इस पहल के तहत तनाएरा जीआई सर्टिफिकेशन को सुगम बनाने के लिए वेंडर पार्टनर्स एवं कारीगर समूहों के साथ मिलकर काम करेगी, उन्हें दस्तावेजों के लिए ज़रूरी सहयोग, कानूनी मार्गदर्शन एवं हर ज़रूरी सहायता प्रदान करेगी। आज परिधानों में डिज़ाइन की बात करें तो हाथ की कारीगरी का महत्व कम हो रहा है, इसके बजाए मशीनां के काम पर ज़ोर बढ़ा है, ऐसे में तनाएरा का यह प्रयास हाथ की कारीगरी की खूबसूरती, भव्यता एवं परम्परा को बनाए रखने, इसे संरक्षित रखने के ब्राण्ड के इरादे को दर्शाता है। तनाएरा हैण्डलूम रीटेल के लिए सर्टिफाईड एवं पारदर्शी दृष्टिकोण अपनाती है। हैण्डलूम मार्क, सिल्क मार्क, ज़री सर्टिफिकेशन, खादी सर्टिफिकेट और पश्मिना सर्टिफिकेशन जैसे प्रयास ब्राण्ड के इसी दृष्टिकोण को दर्शाते हैं। अब जीआई टैगिंग के साथ, ब्राण्ड के सर्टिफिकेशन्स सुनिश्चित करते हैं कि ब्राण्ड का हर प्रोडक्ट उन कारीगरों से आया है जो सदियों से इस कारीगरी की धरोहर को संरक्षित बनाए रखे हुए हैं।

स्नैपचैट , डब्ल्यूपीपी मीडिया और ग्रुपएम ने 'एटेंशन एडवांटेज रिसर्च लॉन्च की, भारत में डिजिटल विज्ञापनों के भविष्य को कर रहे हैं परिभाषित

मुंबई, एजेंसी। भारत की जनरल जेड कम्युनिटी के सबसे पसंदीदा प्लेटफॉर्म स्नैपचैट ने वैश्विक मीडिया एजेंसी डब्ल्यूपीपी मीडिया और अटेंशन-मेजरमेंट लीडर लुमेन के साथ मिलकर 'एटेंशन एडवांटेज, भारत का सबसे बड़ा मल्टी-प्लेटफॉर्म अटेंशन स्टडी लॉन्च किया। यह रिसर्च डिजिटल विज्ञापन के मूल्यांकन का

एक नया मापदंड, नया मॉडल और नया दृष्टिकोण पेश करती है, खासकर जनरल जेड को प्रभावी ढंग से टारगेट करने के लिए। यह ऐतिहासिक अध्ययन साबित करता है कि 'असली ध्यान' यानी किसी व्यक्ति की नज़र वास्तव में विज्ञापन पर हो ब्रांड प्रभाव और व्यापार वृद्धि का शक्तिशाली संकेतक है।

यह अध्ययन ऐसे समय पर आया है जब भारत की 377 मिलियन की जनरल जेड आबादी का खर्च करने की सामूहिक शक्ति 2035 तक 2 ट्रिलियन तक पहुंचने का अनुमान है। लेकिन यह पीढ़ी उन विज्ञापनों को नकार देती है जो उनका ध्यान आकर्षित नहीं करते। 'एटेंशन एडवांटेज' अध्ययन यही समझने के लिए किया गया कि वास्तव में क्या काम करता है।

सिल्वर कंज़्यूमर इलेक्ट्रिकल्स लिमिटेड ने 1,400 करोड़ रुपये के आईपीओ के लिए डीआरएचपी दाखिल किया

मुंबई, एजेंसी। राजकोट मुख्यालय वाली सिल्वर कंज़्यूमर इलेक्ट्रिकल्स लिमिटेड ने 1,400 करोड़ रुपये के प्रारंभिक सार्वजनिक निर्गम के लिए भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड के समक्ष ड्राफ्ट रेड हेरिंग प्रॉस्पेक्टस दाखिल किया है। इस पेशकश में 1,000 करोड़ रुपये तक का नया इश्यू और 400 करोड़ रुपये तक का ऑफ़र फ़ॉर सेल शामिल है। सिल्वर कंज़्यूमर इलेक्ट्रिकल्स लिमिटेड विद्युत उपभोक्ता टिकाऊ वस्तुओं जैसे पंप और मोटर, सोलर पंप और कंट्रोलर, पंखे, लाइटिंग, अन्य विद्युत उपभोक्ता उत्पाद और कृषि उपकरणों का बड़े पैमाने पर निर्माण करती है। वित्त वर्ष 2023 से वित्त वर्ष 2025 के बीच 95.17त्न की सीएजीआर के साथ परिचालन राजस्व के आधार पर, यह भारत में विद्युत उपभोक्ता टिकाऊ वस्तुओं और कृषि उपकरणों की सबसे तेज़ी से बढ़ती निर्माता कंपनी है। सिल्वर कंज़्यूमर इलेक्ट्रिकल्स लिमिटेड ने गुजरात के राजकोट में 1,38,821 वर्ग मीटर में फैला भारत का सबसे बड़ा सिंगल-लोकेशन और वर्टिकली इंटीग्रेटेड विद्युत उपभोक्ता टिकाऊ वस्तुओं और कृषि उपकरणों का संयंत्र स्थापित किया है। 31 मार्च 2025 तक, कंपनी की स्थापित क्षमता पंप और मोटरों के लिए 24,00,000 यूनिट, पंखों के लिए 72,00,000 यूनिट, लाइटिंग उत्पादों के लिए 2,19,00,000 यूनिट और कृषि उपकरणों के लिए 72,000 यूनिट है। 31 मार्च 2025 तक आवासीय और सोलर पंप सेगमेंट में निर्माण क्षमता के मामले में कंपनी देश की सबसे बड़ी कंपनियों में से एक है। निर्माण सुविधा में उन्नत इंफ्रास्ट्रक्चर, प्रमुख प्रक्रियाओं के लिए रोबोटिक ऑटोमेशन और कस्टमाइज्ड मशीनें हैं। यह बैकवर्ड इंटीग्रेटेड है, जिससे बाहरी निर्भरता कम होती है, उच्च गुणवत्ता का उत्पादन सुनिश्चित होता है और बड़े पैमाने पर कारोबारी संचालन संभव होते हैं। सिल्वर कंज़्यूमर इलेक्ट्रिकल्स लिमिटेड एक दोहरे व्यवसाय मॉडल का संचालन करता है सिल्वर और बेदिया ब्रांड के तहत अपने ब्रांड की बिक्री, और भारत में प्रमुख मूल उपकरण निर्माताओं के लिए उत्पादों का डिज़ाइन, निर्माण और आपूर्ति। मोतीलाल ओसवाल इन्वेस्टमेंट एडवाइजर्स लिमिटेड, आईसीआईसीआई सिक्योरिटीज लिमिटेड, जेएम फाइनेंशियल लिमिटेड और चॉइस कैपिटल एडवाइजर्स प्राइवेट लिमिटेड बुक रनिंग लीड मैनेजर्स (बीआरएलएम) हैं और ट्राइलीगल लीगल काउंसल है।

एमराल्ड फाइनेंस का एमराल्ड

'एमराल्ड ईडब्ल्यूए ऐप गूगल प्ले स्टोर पर लॉन्च हुआ

मुंबई, एजेंसी। एमराल्ड फाइनेंस लिमिटेड (बीएसई- एमराल्ड), जो भारत में अपने प्रमुख अर्ली वेज एक्सेस सहित वित्तीय उत्पादों और सेवाओं की एक विस्तृत श्रृंखला प्रदान करने वाली एक गतिशील कंपनी है, ने अपने कर्मचारी-केंद्रित मोबाइल एप्लिकेशन एमराल्ड ईडब्ल्यूए के आधिकारिक लॉन्च की घोषणा की है, जो अब गूगल प्ले स्टोर पर उपलब्ध है। केवल उन कंपनियों के कर्मचारियों के लिए उपलब्ध जो एमराल्ड के साथ पंजीकृत हैं, एमराल्ड ईडब्ल्यूए ऐप अर्जित वेतन तक डिजिटल और सुविधाजनक पहुंच प्रदान करने की दिशा में एक बड़ा कदम है। यह लॉन्च आधुनिक कार्यबल को जिम्मेदार और तकनीक-सक्षम वित्तीय समाधान प्रदान करने की एमराल्ड की प्रतिबद्धता को मजबूत करता है, जो अल्पकालिक नकदी आवश्यकताओं को तत्काल और सुरक्षित तरीके से पूरा करता है। यह ऐप एमराल्ड के स्वामित्व वाले क्लाउड-ड्रिवन प्लेटफ़ॉर्म द्वारा संचालित है, जो नियोक्ताओं की पेरोल प्रणालियों और समय ट्रैकिंग सॉफ्टवेयर के साथ सहज रूप से एकीकृत होता है। इस रियल-टाइम एकीकरण की मदद से कर्मचारी अपनी अर्जित तनख्वाह का 40त्न तक किसी भी समय पे साइकिल के दौरान निकाल सकते हैं—वह भी एक पूर्णतः स्वचालित प्रणाली के माध्यम से। पुनर्भुगतान सीधे वेतन दिवस पर उनके वेतन से काट लिया जाता है, जिससे शुरुआत से ही शून्य डिफॉल्ट और कोई एनपीए नहीं रहा है। कंपनी प्रति लेनदेन 1.5त्न से 2त्न तक की मामूली प्रोसेसिंग फीस के माध्यम से राजस्व अर्जित करती है। यह संरचना उच्च परिचालन दक्षता और एक मजबूत जोखिम न्यूनीकरण मॉडल के चलते लगभग 24त्न की आंतरिक प्रतिफल दर निरंतर उत्पन्न करती रही है।

एमराल्ड ईडब्ल्यूए कार्यक्रम पर टिप्पणी करते हुए, एमराल्ड फाइनेंस लिमिटेड के प्रबंध निदेशक श्री संजय अग्रवाल ने कहा- हमें एमराल्ड ईडब्ल्यूएऐप लॉन्च करने पर गर्व है, जो हमारे डिजिटल परिवर्तन के सफर में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर है। यह प्लेटफ़ॉर्म हमारे साझेदार कॉरपोरेट्स के कर्मचारियों को उनकी अर्जित वेतन तक तुरंत और लचीली पहुंच प्रदान करने के लिए तैयार किया गया है—जिससे महंगे क्रेडिट पर निर्भरता समाप्त होती है और वित्तीय भलाई को बढ़ावा मिलता है।

व्यावसायिक दृष्टिकोण से यह ऐप न केवल उपयोगकर्ता सहभागिता और सेवा वितरण को बेहतर बनाता है, बल्कि उच्च लेनदेन मात्रा और गहन क्लाइंट एकीकरण के माध्यम से हमारे आवर्ती राजस्व मॉडल को भी मजबूत करता है। जैसे-जैसे हम आगे बढ़ते हैं, यह मोबाइल-फर्स्ट दृष्टिकोण वेतन से जुड़ी अतिरिक्त वित्तीय सेवाएं—जैसे कि पर्सनल लोन, गिफ्ट वाउचर, और इनवॉइस डिस्काउंटिंग—प्रस्तुत करने के लिए एक मजबूत आधार बनेगा, जिससे नए विकास के अवसर खुलेंगे।

एसआरएम इंस्टीट्यूट ऑफ साइंस एंड टेक्नोलॉजी ने 2025 के लिए 200 से अधिक अंतरराष्ट्रीय विद्यार्थियों का स्वागत कर वैश्विक उपस्थिति मजबूत की

तिरुचिरापल्ली/दिल्ली एनसीआर, एजेंसी। उच्च शिक्षा के लिए एक वैश्विक केंद्र बनने के भारत के विज़न के अनुरूप एसआरएम इंस्टीट्यूट ऑफ साइंस एंड टेक्नोलॉजी (एसआरएमआईएसटी) ने 2025 अकादमिक सत्र के लिए अपने रामापुरम और तिरुचिरापल्ली कैंपस में 200 से अधिक अंतरराष्ट्रीय विद्यार्थियों का स्वागत किया है। अपने परिवार के साथ ये विद्यार्थी श्रीलंका, म्यांमार, नेपाल, थाईलैंड, सिंगापुर, कुवैत और सऊदी अरब जैसे देशों से यात्रा कर यहां पहुंचे और गुणवत्तापूर्ण उच्च शिक्षा एवं वैश्विक भविष्य के लिए इस संस्थान को अपने स्थल के रूप में चुना।

इन विद्यार्थियों को संस्थान में शामिल करने के प्रतीक के रूप में एसआरएमआईएसटी ने भारत की समृद्ध विरासत का अनुभव लेने में उनकी मदद के लिए एक विशेष हेरिटेज विजिट का आयोजन किया। विद्यार्थियों को स्वागत का एहसास कराने, इस देश की परंपराओं से उनका परिचय कराने और शुरुआत से ही समुदाय से जुड़ाव महसूस कराने के लिए यह पहल डिजाइन की गई थी।

इस पहल के बारे में एसआरएम ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूशंस के निदेशक डॉक्टर कतिरवन कन्नन ने कहा, हमें हमारे कैंपस में एशिया और पश्चिम एशिया से विद्यार्थियों का स्वागत करते हुए गर्व की अनुभूति हो रही है। इन युवा विद्यार्थियों ने अपने भविष्य के लिए एसआरएम इंस्टीट्यूट को आधार सोपान के रूप में चुना। हमारा लक्ष्य ना केवल उत्कृष्ट शिक्षा उपलब्ध कराना, बल्कि एक ऐसा सहायक एवं समावेशी वातावरण तैयार करना है जहां विभिन्न संस्कृतियों से आए विद्यार्थी फल फूल सकें।

इन अंतरराष्ट्रीय विद्यार्थियों ने विभिन्न स्नातक कार्यक्रमों जैसे कंप्यूटर साइंस, एआई एवं मशीन लर्निंग, इलेक्ट्रॉनिक्स एवं कम्युनिकेशन इंजीनियरिंग, सिविल इंजीनियरिंग एवं बायोटेक्नोलॉजी के साथ ही स्नातकोत्तर कार्यक्रमों जैसे बायोटेक्नोलॉजी, कंप्यूटर साइंस इंजीनियरिंग और इलेक्ट्रॉनिक्स एवं कम्युनिकेशन इंजीनियरिंग में नामांकन कराया है।

शेरा एनर्जी ने क्यू1 एफवाय26 में समेकित पीबीटी में 52 प्रतिशत की वार्षिक वृद्धि दर्ज की

मुंबई, एजेंसी। शेरा एनर्जी लिमिटेड जो गैर-लौह धातुओं से बने वाइंडिंग वायर और स्ट्रिप्स की अग्रणी निर्माता कंपनियों में से एक है, ने क्यू1 एफवाय26 के लिए अपने अनऑडिटेड वित्तीय परिणामों की घोषणा की है। प्रदर्शन पर टिप्पणी करते हुए, शेरा एनर्जी लिमिटेड के चेयरमैन और मैनेजिंग डायरेक्टर श्री नदीम शेख ने कहा- हमने वित्त वर्ष 2025-26 की पहली तिमाही को मजबूत गति के साथ पूरा किया है, जो वित्तीय वृद्धि और रणनीतिक प्रगति ड्ड दोनों से परिपूर्ण रही।

हमारा समेकित प्रदर्शन प्रमुख क्षेत्रों में स्वस्थ मांग और हमारे एकीकृत व्यावसायिक मॉडल की निरंतर मजबूती को दर्शाता है। इस तिमाही की सबसे महत्वपूर्ण उपलब्धियों में से एक रही हमारी पूर्ण स्वामित्व वाली सहायक कंपनी, शेरा ज़ाम्बिया लिमिटेड के माध्यम से ज़ाम्बिया में कॉपर कैथोड निर्माण सुविधा का अधिग्रहण। यह कदम हमारी बैकवर्ड इंटीग्रेशन क्षमताओं को मजबूत करता है, जिससे हमें उच्च-शुद्धता वाले तांबे की स्थायी आपूर्ति सुनिश्चित होती है, जो हमारे उत्पादों के लिए एक महत्वपूर्ण कच्चा माल है। इससे हमारे लागत ढांचे में सुधार होगा, मार्जिन विस्तार को बल मिलेगा और आपूर्ति श्रृंखला की दीर्घकालिक मजबूती सुनिश्चित होगी। एनएसई द्वारा हमारे प्रेफरेंशियल इक्विटी शेयर्स को मंजूरी मिलना भी निवेशकों के विश्वास को दर्शाता है और हमारे भविष्य के विस्तार के लिए पूंजी आधार को और मजबूत करता है। हमारी विकास रणनीति वैश्विक और घरेलू बाजारों की बदलती ज़रूरतों के साथ अच्छी तरह से जुड़ी हुई है। वैश्विक वाइंडिंग वायर बाजार के 2024 में 14.88 बिलियन अमरीकी डॉलर से बढ़कर 2030 तक 23.02 बिलियन अमरीकी डॉलर तक पहुंचने का अनुमान है, जो ऑटोमोटिव, औद्योगिक मशीनरी, इलेक्ट्रॉनिक्स और नवीकरणीय ऊर्जा क्षेत्रों से बढ़ती मांग के कारण है। उच्च गुणवत्ता वाले वाइंडिंग वायर और गैर-लौह धातु उत्पादों के अग्रणी निर्माताओं में से एक के रूप में, शेरा एनर्जी इस अवसर का पूरा लाभ उठाने के लिए अच्छी तरह से तैयार है। इसके अलावा, इलेक्ट्रिक वाहनों, ऊर्जा संक्रमण और बुनियादी ढांचे के विकास से प्रेरित तांबे की बढ़ती मांग हमारे हालिया रणनीतिक पहलों की प्रासंगिकता को और बढ़ाती है। आगे देखते हुए, हम अपने संचालन को बढ़ाने, वैश्विक उपस्थिति का विस्तार करने और अपने पोर्टफोलियो में नवाचारपूर्ण, वैल्यू-एडेड उत्पादों को प्रदान करने पर केंद्रित हैं।

मेकमायट्रिप ने लॉन्च किया बहुभाषी जनरेटिव एआई ट्रिप प्लानिंग असिस्टेंट - यात्रा बुकिंग को बनाया संवादात्मक और समावेशी

एजेंटिक एआई फ्रेमवर्क पर आधारित यह सिस्टम रियल-टाइम में लाखों ट्रैवल फैसलों को देगा ताकत

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत की सबसे बड़ी ऑनलाइन ट्रैवल कंपनी, मेकमायट्रिप ने ट्रैवल प्लानिंग को सरल, संवाद-आधारित और सभी के लिए सुलभ बनाने की दिशा में एक बड़ा कदम उठाया है। कंपनी ने जनरेटिव एआई-इनेबल्ड ट्रिप प्लानिंग असिस्टेंट लॉन्च किया है, जो यात्रा की खोज से लेकर बुकिंग, यात्रा के दौरान और उसके बाद तक हर चरण में यूजर्स की मदद करेगा। यूजर्स को उनके पूरे सफर में बातचीत के माध्यम से सहायता मिलेगी, जिसमें डेस्टिनेशन की तलाश, खरीदारी, यात्रा के दौरान, और बिक्री के बाद के परिदृश्य शामिल हैं। नया जेनएआई ट्रिप प्लानिंग असिस्टेंट पुराने एआई एजेंट मायरा का बेहतर वर्जन है, जो अब आवाज और टेक्स्ट के ज़रिए यात्रियों से बात कर सकता है। इससे उन लोगों को भी मदद मिलेगी जो अब तक अंग्रेजी भाषा में असहज होने की वजह से ऑनलाइन ट्रैवल बुकिंग से वंचित

थे। मायरा का बीटा वर्जन अभी अंग्रेजी और हिंदी में लाइव है। आने वाले समय में इसे कई अन्य भारतीय भाषाओं में भी लॉन्च किया जाएगा। फिलहाल यह वर्जन शुरुआती यूजर्स के फीडबैक के आधार पर बेहतर संवाद अनुभव के लिए परखा जा रहा है।

इस असिस्टेंट की मदद से यूजर्स आसानी से हिंदी या अंग्रेजी में यात्रा से जुड़े कठिन सवाल भी पूछ सकते हैं, जैसे अगस्त में मैं अपने बच्चों के साथ छुट्टियां मनाने के लिए कहाँ जा सकता हूं या मुझे उदयपुर में 3-स्टार होटल 3500 रुपये के बजट में चाहिए। या मैं दक्षिण भारत में मदुरै, रामेश्वरम, कोवलम, कोडाइकनाल घूमना चाहता हूँ। लेकिन फ्लाइट से नहीं जाना चाहता, कोई अच्छा रूट बताइए। आपको वास्तविक समय में उपलब्धता, कीमतों और प्रासंगिकता के आधार पर अपने सभी सवालों के व्यक्तिगत जवाब मिलेंगे। अधिकांश ग्लोबल एआई प्लेटफ़ॉर्म केवल सुझाव देकर रुक जाते हैं, जबकि मायरा यूजर को प्रेरणा से बुकिंग तक के पूरे सफर में एक ही संवाद में ले जाती है ड्ड जहां उपयोगकर्ता केवल बातचीत के जरिए ही ट्रैवल प्लानिंग से लेकर पक्की बुकिंग तक पहुंच सकता है। जेनएआई ट्रिप प्लानिंग असिस्टेंट, मायरा, सभी प्रमुख यात्रा श्रेणियों—फ्लाइट, एकोमोडेशन, हॉलिडेज़, ग्राउंड ट्रांसपोर्ट, वीजा और फॉरेक्स के लिए विशेष एआई एजेंट्स के नेटवर्क पर बनाया गया है। यह टेक्स्ट, वॉइस, इमेज और वीडियो जैसे मल्टीमॉडल इनपुट्स को सपोर्ट करता है।

रोहित शर्मा 2027 वनडे वर्ल्ड कप में करेंगे भारत की कप्तानी, आईसीसी ने दिया बड़ा हिंट

नई दिल्ली (एजेंसी)। रोहित शर्मा ने टी20 और टेस्ट फॉर्मेट को अलविदा कह दिया है। जिसके बाद अब वह सिर्फ वनडे क्रिकेट में भारत के लिए खेलते हुए दिखेंगे। इतना ही नहीं रोहित अभी वर्ल्ड कप के कप्तान भी हैं। फैंस को उम्मीद है कि रोहित वनडे वर्ल्ड कप 2027 तक कप्तानी कर सकते हैं। वहीं अब फैंस को उम्मीदों को बल आईसीसी के एक पोस्टर ने भी दे दिया है।

दरअसल, 2026 में भारतीय टीम लिमिटेड ओवर की सीरीज के लिए इंग्लैंड का दौरा करेगी। इस दौरान दोनों टीमों के बीच 5 टी20 और 3 वनडे मैचों की सीरीज खेली जाएगी। इस सीरीज को लेकर आईसीसी ने एक पोस्टर जारी किया है। इसमें इंग्लैंड के कप्तान हैरी ब्रूक और भारत के मौजूदा वनडे कप्तान रोहित शर्मा नजर आ रहे हैं। इस तस्वीर ने फैंस को सोचने पर मजबूर कर दिया है कि अगर रोहित 2026 में टीम की कप्तानी करेंगे तो क्या वह 2027 वर्ल्ड कप तक वनडे कप्तान बने रह सकते हैं?

टी20 वर्ल्ड कप 2024 में जीत के बाद रोहित ने इस फॉर्मेट को टाटा कर दिया था। अब उनका पूरा फोकस वनडे पर है। भारत के मुख्य कोच गौतम गंभीर ने हाल ही में जोर देकर कहा था कि 2027 के लिए योजना बनाना अभी जल्दबाजी होगी। इंग्लैंड सीरीज से पहले गंभीर ने कहा कि, उससे पहले अभी टी20 वर्ल्ड कप बाकी है। वह भी एक टूर्नामेंट है, जो फरवरी-मार्च में भारत में होने वाला है। इसलिए इस समय पूरा फोकस है। इंग्लैंड सीरीज के बाद टी20 वर्ल्ड कप पर फोकस रहेगा। नवंबर-दिसंबर 2027 में होने वाले वर्ल्ड कप में अभी भी ढाई साल का समय है।

गंभीर ने आगे कहा कि, अगर आप अच्छा प्रदर्शन करते रहें, तो उम्र बस एक नंबर है। भारत के पास अभी 3 फॉर्मेट में 3 कप्तान हैं। सूर्यकुमार यादव टी20 इंटरनेशनल की कमान संभाल रहे हैं। वहीं रोहित के संन्यास के बाद शुभमन गिल को टेस्ट टीम की जिम्मेदारी सौंपी गई। गिल की कप्तानी वाली

टीम ने इंग्लैंड में 5 मैचों की सीरीज 2-2 से ड्रॉ कराई।

39 साल बाद न्यूजीलैंड ने हिलाई रिकॉर्ड बुक; भारत के अलावा ऐसा करने वाली बनी तीसरी टीम

नई दिल्ली (एजेंसी)। बुलावायो के क्वींस स्पोर्ट्स क्लब में खेले जा रहे जिम्बाब्वे और न्यूजीलैंड के बीच दूसरे टेस्ट में कीवी बल्लेबाजों ने ऐसा धमाका किया कि रिकॉर्ड बुक हिल गई। पहली पारी में जिम्बाब्वे को मात्र 125 रनों पर ढेर करने के बाद न्यूजीलैंड ने दूसरे दिन का खेल खत्म होने तक 130 ओवर में तीन विकेट के नुकसान पर 601 रन ठोक दिए। सबसे खास बात यह रही कि डेवोन कॉन्वे, रचिन रवींद्र और हैनरी निकोल्स तीनों बल्लेबाजों ने 150 रन का आंकड़ा पार किया। टेस्ट क्रिकेट के इतिहास में यह सिर्फ तीसरी बार हुआ है, जबकि न्यूजीलैंड ने पहली बार यह उपलब्धि हासिल की है। मैच में सलामी बल्लेबाज कॉन्वे ने 153 रन की शानदार पारी खेली और टीम को मजबूत शुरुआत दी। इसके बाद रवींद्र और निकोल्स ने चौथे विकेट के लिए 250 से ज्यादा रनों की नाबाद साझेदारी कर मेजबानों की कमर तोड़ दी। दोनों बल्लेबाज दूसरे दिन के अंत तक क्रीज पर डटे रहे और रन बरसाते रहे। जिम्बाब्वे के गेंदबाजों के पास इन पर कोई जवाब नहीं था। इससे पहले यह कारनामा भारत ने 1986 में कानपुर टेस्ट में श्रीलंका के खिलाफ किया था। उस मैच में श्रीलंका को पहली पारी में 420 रनों पर रोकने के बाद भारत ने 676 रन बनाए थे। इस दौरान सुनील गावस्कर ने 176, मोहम्मद अजहरुद्दीन ने 199 और कप्तान कपिल देव ने 163 रन ठोके थे। भारतीय बल्लेबाजों की इस त्रयी ने विपक्षी टीम को मैच से पूरी तरह बाहर कर दिया था। ऐतिहासिक उपलब्धि की शुरुआत 1938 में इंग्लैंड ने की थी, जब ओवल टेस्ट में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ उन्होंने यह अनोखा रिकॉर्ड बनाया। उस मुकाबले में इंग्लैंड ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 903 रनों का विशाल स्कोर खड़ा किया था और 7 विकेट पर पारी घोषित कर दी थी। लियोनार्ड हटन ने 364, मौरिस लेलैंड ने 187 और जो हार्डस्टाफ ने 169 रन बनाए थे। इसके बाद इंग्लैंड ने ऑस्ट्रेलिया को 201 और 123 रनों पर आउट कर मैच 579 रनों से जीता था। बुलावायो टेस्ट में न्यूजीलैंड की मौजूदा स्थिति देखकर यह साफ है कि वे न केवल मैच पर पूरी पकड़ बना चुके हैं, बल्कि अपने बल्लेबाजों की ऐतिहासिक पारी से क्रिकेट जगत में फिर एक बार खास पहचान बना रहे हैं। यह प्रदर्शन लंबे समय तक याद किया जाएगा, क्योंकि इसने कीवी क्रिकेट के स्वर्णिम पलों में एक और अध्याय जोड़ दिया है।

क्रिकेटर यश दयाल पर लगा बैन, अब इस बड़ी टी20 लीग में नहीं खेल पाएंगे

बेंगलुरू (एजेंसी)। भारत के तेज गेंदबाज यश दयाल की मुश्किलें कम होने की बजाय बढ़ती जा रही हैं। दरअसल, रेप केस में फंसे यश दयाल पर अब बैन लग गया है। आईपीएल में आरसीबी के लिए खेलने वाले लेफ्ट आर्म तेज गेंदबाज यश दयाल इस साल यूपीटी20 लीग में खेलने नहीं दिखेंगे। UPCA ने यश दयाल पर बैन लगा दिया है। यूपी क्रिकेट एसोसिएशन ने ये फैसला जयपुर के सांगानेर सदर पुलिस स्टेशन में यश दयाल के खिलाफ एक एफआईआर दर्ज होने के बाद लिया है, जिसमें उनपर पर 17 साल की नाबालिग के साथ बलात्कार का आरोप लगाया गया था। यश दयाल को आखिरी बार मई की शुरुआत में आईपीएल 2025 ट्रॉफी जीतने वाली आरसीबी टीम का हिस्सा रहते हुए देखा गया था। इसके बाद से वह क्रिकेट के मैदान से दूर हैं। रिपोर्ट के अनुसार, गोरखपुर लायंस द्वारा 7 लाख रुपये में खरीदे गए यश दयाल को यूपीसीए ने यूपीटी20 2025 में भाग लेने से प्रतिबंधित कर दिया है। रिपोर्ट में यूपीसीए सूत्रों के हवाले से कहा गया है कि यश दयाल पर दर्ज मामलों के कारण उन्हें लीग से

प्रतिबंधित कर दिया गया है। बता दें कि, पहले यश दयाल पर एक महिला ने गाजियाबाद में एफआईआर दर्ज कराई। इसमें कहा गया था कि यश दयाल ने महिला को शादी का झांसा देकर उनका यौन शोषण किया। ये शिकायत 21 जून को उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री के शिकायत पोर्टल पर दर्ज की गई थी, जिसके बाद औपचारिक एफआईआर दर्ज की गई थी। हालांकि, इलाहाबाद उच्च न्यायालय ने यश दयाल की गिरफ्तारी पर रोक लगा दी थी। फिर जुलाई की शुरुआत में यश दयाल पर जयपुर में एफआईआर दर्ज हुई। इस बार राजस्थान हाई कोर्ट ने गिरफ्तारी पर रोक लगाने से इनकार कर दिया है। हालांकि, मामले की अगली सुनवाई 22 अगस्त को होगी।

आयरलैंड की महिला टीम ने पाकिस्तान को चार विकेट से हराया

डबलिन (एजेंसी)। पाकिस्तान क्रिकेट में इस वक्त कुछ भी अच्छा नहीं चल रहा है। पाकिस्तान की पुरुष टीम में आए दिन बवाल होते हैं। पाकिस्तान की टीम लंबे समय से कोई बड़ा टूर्नामेंट और सीरीज नहीं जीत पाई है। कुछ वैसा ही हाल पाकिस्तान की महिला टीम का भी हो चुका है। पाकिस्तान की महिला टीम को आयरलैंड जैसी कमजोर टीम के खिलाफ टी20 सीरीज में शर्मनाक हार का सामना करना पड़ा। इस सीरीज के दूसरे मैच में आयरलैंड की टीम ने पाकिस्तान को हराया और सीरीज अपने नाम कर ली है।

आयरलैंड की टीम ने जीती सीरीज

आयरलैंड ने पाकिस्तान को रोमांचक टी20 मुकाबले में हराया। जेन मेगोइर ने आखिरी गेंद पर छक्का मारकर आयरलैंड को जीत दिलाई। आयरलैंड ने क्लोनटर्फ क्रिकेट क्लब में खेले गए दूसरे टी20 मैच में पाकिस्तान को 4 विकेट से हराया। इस जीत के साथ आयरलैंड ने तीन मैचों की सीरीज में 2-0 की अजेय बढ़त बना ली है। पाकिस्तान ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 168 रन बनाए थे। जवाब में आयरलैंड ने आखिरी गेंद पर लक्ष्य हासिल कर लिया।

पाकिस्तान ने बनाए 168 रन

पाकिस्तान की शवाल जुल्फिकार ने 27 गेंदों में 33 रन बनाए। वह कारामरे का शिकार बनीं। पाकिस्तान ने 6 विकेट खोकर 168 रन बनाए। आयरलैंड की शुरुआत अच्छी नहीं रही। रमीन शमीम ने गेबी लुइस और ली पॉल को लगातार गेंदों पर आउट कर दिया। आयरलैंड का स्कोर 3 विकेट पर 35 रन हो गया था। लौरा डेलानी ने हैट्रिक गेंद को बचाया। उन्होंने 42 रन बनाए। ओर्ला प्रेनडरगास्ट ने 34 गेंदों में 51 रन बनाए। रेबेका स्टॉकेल 16 गेंदों में 34 रन बनाकर नाबाद रहीं। एवा कैनिंग आखिरी गेंद से पहले स्टंप आउट हो गईं। इससे मेगोइर को हीरो बनने का मौका मिल गया।

सचिन से आगे निकल जाएंगे रुट : पनेसर

लंदन (एजेंसी)। इंग्लैंड के पूर्व स्पिनर मोंटी पनेसर का मानना है कि स्टार जो रूट अपने करियर में 18,000 रन बना सकते हैं। पनेसर के अनुसार जिस प्रकार रुट ने भारत के खिलाफ सीरीज में कई रिकार्ड बनाये। वह सिलसिला आगे भी जारी रह सकता है। पिछले कुछ सालों में जो रूट ने जमकर रन बनाये हैं। ऐसे में वह महान भारतीय बल्लेबाज सचिन तेंदुलकर का सबसे ज्यादा 15921 रनों का रिकॉर्ड भी तोड़ सकते हैं। रूट भारत के खिलाफ खेली गई टेस्ट सीरीज में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले दूसरे बल्लेबाज रहे। उन्होंने 500 से ज्यादा रन बनाए। सीरीज के अंतिम मैच में उन्होंने ऑस्ट्रेलिया के पूर्व कप्तान रिकी पोंटिंग के टेस्ट में सबसे ज्यादा रन बनाने के रिकार्ड को पीछे छोड़ा। पोंटिंग ने 13378 रन बनाए हैं, जबकि रूट के अब 13543 रन हो गए हैं। रूट तेंदुलकर से केवल 2378 रन पीछे हैं। पनेसर का मानना है कि जो रूट तेंदुलकर का रिकॉर्ड तोड़कर आगे निकल जाएंगे। मुझे लगता है कि 18,000 रन बनाएंगे क्योंकि वह सिर्फ 34 के हैं। वह 34 के हैं, उनके पास 6 साल और है।

जब भी बल्लेबाजी पर उठे सवाल, शुभमन गिल ने बल्ले से दिया बखूबी जवाब

नई दिल्ली। भारत के पूर्व विकेटकीपर-बल्लेबाज पार्थिव पटेल का मानना है कि टेस्ट कप्तान शुभमन गिल ने इंग्लैंड के खिलाफ हाल ही में समाप्त हुई एंडरसन-तेंदुलकर ट्रॉफी सीरीज में अपनी बल्लेबाजी से उन सभी सवालों के जवाब दे दिए जो अक्सर उठाए जाते थे। इंग्लैंड में पांच मैचों की श्रृंखला में गिल की पहली सीरीज 2-2 की बराबरी पर खत्म हुई। वह श्रृंखला में उन्होंने सबसे ज्यादा रन बनाए। गिल ने 10 पारियों में 75.40 की औसत से 754 रन बनाए। गिल ने चार शतक लगाए। उन्हें सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी चुना गया। मीडिया रिपोर्ट के मुताबक पार्थिव पटेल ने कहा कि जब गिल बल्लेबाजी के लिए उतरे थे, तो सवाल उठ रहे थे कि क्या वह विदेशी पिच पर अच्छा प्रदर्शन कर सकेंगे? क्या वह लगातार अच्छा प्रदर्शन कर पाएंगे? लेकिन उन्होंने सभी सवालों के जवाब दिए। हेडिंग्ले में गिल ने पहली पारी में 147 रन बनाए, तो दूसरी पारी में लोगों ने कहा कि उस बड़े स्कोर के बाद उन्होंने अपना विकेट गंवा दिया। एजबेस्टन में पहली पारी में 269 रन आए तो चर्चा हुई कि कहीं यह रन कम न पड़ जाएं लेकिन उन्होंने दूसरी पारी में 161 रन बनाए। पटेल ने कहा कि तीसरे टेस्ट में, वह दोनों पारियों में जल्दी आउट हो गए, और उनके फॉर्म पर फिर से सवाल उठने लगे, जबकि पिछले मैच में उन्होंने पहले ही 430 रन बना लिए थे और फिर मैनचेस्टर में उन्होंने शतक लगाया, एक ऐसा मैच जिसे भारत को ड्रॉ कराना था। जब भी कोई चुनौती आई है, जब भी सवाल पूछे गए, गिल ने अपने बल्ले से उनका बखूबी जवाब दिया।

टीम इंडिया के धुरंधर बल्लेबाज विराट अमीन के साथ फिर पिच पर आए नजर

ऑस्ट्रेलिया दौरे में एक दिवसीय मैचों के लिए कर सकते हैं वापसी

नई दिल्ली। ऑस्ट्रेलिया दौरे से पहले टीम इंडिया के धुरंधर बल्लेबाज विराट कोहली पिच पर लौट आए हैं। उन्होंने गुजरात टाइटंस के सहायक कोच नईम अमीन की मौजूदगी में अभ्यास किया। कोहली ने अपनी इंस्टाग्राम स्टोरी में लिखा- हिट में मदद के लिए शुक्रिया, भाई। आपको देखकर हमेशा अच्छा लगता है। उन्होंने सेशन के दौरान नईम अमीन के साथ अपनी एक तस्वीर भी शेयर की। अमीन ने अपने अकाउंट पर दोबारा स्टोरी शेयर करते हुए कहा कि भाई, आपको देखकर अच्छा लगा! जल्द ही मिलते हैं। अमीन बर्कशायर, बकिंघमशायर और लंदन में माइटी विलो अकादमी चलाते हैं और इससे पहले इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में सनराइजर्स हैदराबाद के कोचिंग स्टाफ में रहे। इससे पहले भारत के तेज गेंदबाज ऑलराउंडर हार्दिक पांड्या भी अच्छे अभ्यास सत्रों के लिए अमीन की अकादमी में आ चुके हैं। विराट कोहली टेस्ट और टी20 क्रिकेट से संन्यास ले चुके हैं। कोहली का ध्यान अब भारत के लिए वनडे और रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) के साथ आईपीएल की प्रतिबद्धताओं पर केंद्रित है। कोहली ने 302 वनडे इंटरनेशनल मैचों में 14,181 रन बनाए हैं। उन्होंने आखिरी बार आईपीएल 2025 के फाइनल में शानदार पारी खेली थी। विराट कोहली ने 43 रनों की पारी खेली थी, जिससे आरसीबी ने अहमदाबाद में हुए खिताबी मुकाबले में पंजाब किंग्स को छह रनों से हराकर पहली ट्रॉफी जीती थी। कोहली को फिर से मैदान पर देखने के लिए उनके फैंस बेताब हैं। हालांकि फैंस को अभी अक्टूबर तक इंतजार करना पड़ेगा। भारत को यूं तो अगस्त में बांग्लादेश में तीन एकदिवसीय मैच खेलने थे, लेकिन यह श्रृंखला सितंबर 2026 तक के लिए स्थगित कर दी गई। कोहली और रोहित शर्मा, जो टेस्ट और टी20 अंतरराष्ट्रीय मैचों से संन्यास ले चुके हैं, दोनों के भारत के ऑस्ट्रेलिया के सीमित ओवरों के दौरे के एकदिवसीय चरण के लिए वापसी करने की उम्मीद है।

पाकिस्तान ने वेस्टइंडीज को पांच विकेट से हराया

टरूबा(एजेंसी)। टी20 सीरीज में कहर ढाने के बाद पाकिस्तान ने वेस्टइंडीज के खिलाफ खेली जा रही वनडे सीरीज का भी विजयी आगाज किया है, लेकिन ये जीत उसे आसानी से नहीं मिली। त्रिनिदाद के ब्रायन लारा स्टेडियम में खेले गए सीरीज के पहले मैच में पाकिस्तान ने वेस्टइंडीज को पांच विकेट से हरा दिया। पहले बल्लेबाजी करते हुए वेस्टइंडीज की टीम 49 ओवरों में 280 रनों पर ऑलआउट हो गई। पाकिस्तान ने ये टारगेट 48.5 ओवरों में पांच विकेट खोकर हासिल कर लिया।

टारगेट का पीछा करते हुए पाकिस्तान ने एक समय अपने पांच विकेट 180 रनों पर ही खो दिए थे और उस पर हार का संकट था। तभी हसन नवाज और हुसैन तलत ने बेहतरीन साझेदारी कर टीम को जीत दिलाई। हसन ने 54 गेंदों पर पांच चौके और तीन छक्कों की मदद से नाबाद 63 रन बनाए। हुसैन तलत ने 37 गेंदों पर चार चौके और एक छक्के की मदद से 41 रनों की नाबाद पारी खेली।

बाबर अर्धशतक से चूके

सैम अयूब पाकिस्तान को अब्दुल्ला शफीक के साथ मिलकर अच्छी शुरुआत नहीं दे सके। अयूब ने 12 गेंदों पर पांच रन बनाए। अब्दुल्ला ने फिर बाबर आजम के साथ मिलकर टीम को 50 के पार पहुंचा दिया। शामर जोसेफ ने इस साझेदारी को तोड़ा और शफीक को 29 रनों पर आउट कर दिया। उनका विकेट 63 रनों पर गिरा। बाबर आजम अर्धशतक पूरा नहीं कर सके। 47 के निजी स्कोर पर उन्हें गुडकेश मोती ने अपना शिकार बनाया। बाबर ने 64 गेंदों का सामना कर पांच चौके और एक छक्का मारा।

सलमान अगा 23 रन बनाकर आउट हुए। कप्तान मोहम्मद रिजवान के रूप में पाकिस्तान ने अपना पांचवां विकेट खोया। वह 69 गेंदों पर चार चौकों की मदद से 53 रन बना पाए। यहां से पाकिस्तान पर हार का संकट था। हसन और हुसैन ने पहले विकेट पर पैर जमाए और फिर स्कोरबोर्ड को चालू रखते हुए टीम को जीत की दहलीज पार कराई। इन दोनों ने 104 रनों की शतकीय साझेदारी कर टीम को जीत दिलाई।

विंडीज की तरफ से लगे तीन अर्धशतक

पहले बैटिंग करने उतरी वेस्टइंडीज को शाहीन अफरीदी ने शुरुआती झटका दे दिया। उन्होंने चार के कुल स्कोर पर ब्रेंडन किंग को पवेलियन की राह दिखाई। दूसरे सलामी बल्लेबाज एविन लुईस ने कैसी कार्टी के साथ मिलकर टीम को खराब शुरुआत से बाहर निकाला। कार्टी 30 रन बनाकर पवेलियन लौट लिए। लुईस को 105 के कुल स्कोर पर अयूब ने पवेलियन भेज दिया। शेरफन रदरफोर्ड को सलमान ने 10 रनों के निजी स्कोर पर आउट कर वेस्टइंडीज को चौथा झटका दिया। इसके बाद कप्तान

शै होप और रोस्टन चेज ने टीम को संभाला। दोनों ने 64 रन जोड़े। होप को 55 के निजी स्कोर पर अफरीदी ने अपना शिकार बनाया। अफरीदी ने फिर खतरनाक रोमारियो शेफर्ड को चार रनों से आगे नहीं जाने दिया। नसीम शाह ने चेज को आउट कर अपना खाता खोला। अंत में मोती ने 18 गेंदों पर तीन चौके और दो छक्कों की मदद से 31 रन बनाते हुए टीम को 250 के पार पहुंचाया।

शाहीन अफरीदी ने अपने नाम किया ये खास रिकॉर्ड

नई दिल्ली। पाकिस्तान के तेज गेंदबाज शाहीन अफरीदी ने खराब फॉर्म होने के बाद भी शानदार प्रदर्शन कर वेस्टइंडीज के खिलाफ धमाल मचाया है। त्रिनिदाद में वेस्टइंडीज के खिलाफ पहले वनडे मैच में उन्होंने ऐतिहासिक उपलब्धि हासिल की। शाहीन अफरीदी ने राशिद खान को एक खास सूची में पीछे कर दिया है। उन्होंने 65 वनडे खेलने के बाद सबसे ज्यादा विकेट लेकर वर्ल्ड रिकॉर्ड बनाया। पाकिस्तान के कप्तान मोहम्मद रिजवान ने मेजबान टीम के खिलाफ टॉस जीत कर पहले गेंदबाजी करने का फैसला लिया। इविन लुईस, रोस्टन चेज और कप्तान शाई होप की अर्धशतकीय पारी के दम पर वेस्टइंडीज ने 280 रन बनाए। पाकिस्तान ने 48.5 ओवर में पांच के नुकसान पर लक्ष्य हासिल कर 3 मैचों की वनडे सीरीज में 1-0 की बढ़त हासिल की। शाहीन ने मुकाबले में चार विकेट लेकर पाकिस्तान को जीत दिला दी। इस चार विकेट के साथ शाहीन ने 65 वनडे मैचों में 131 विकेट पूरे किए। पाकिस्तानी स्टार गेंदबाज अब 65 वनडे मैचों के बाद सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाज बने हैं। 65 वनडे मैचों के बाद दूसरे सबसे ज्यादा विकेट राशिद खान ने लिए थे। जिन्होंने 128 विकेट लिए थे। सूची में ऑस्ट्रेलिया के मिचेल स्टार्क का नाम तीसरे नंबर पर खिसक गया है। उन्होंने 65 वनडे खेलने के बाद 126 विकेट चटकाए थे। पाकिस्तान के दिग्गज स्पिनर सकलैन मुश्ताक ने इतने मुकाबले खेलने के बाद 122 वनडे विकेट अपने नाम किए थे। न्यूजीलैंड के महान तेज गेंदबाज शेन बॉन्ड ने भी इतने ही विकेट हासिल किए थे।

जॉन सीना-लोगान पॉल के धमाकेदार मुकाबलों से गूंजा एरीना

नई दिल्ली। डब्ल्यूडब्ल्यूई स्मैकडाउन का ताज़ा एपिसोड रोमांच और ड्रामे से भरपूर रहा, जहां शुरुआत से लेकर अंत तक दर्शकों का उत्साह चरम पर दिखाई दिया। शो की शुरुआत जॉन सीना ने की, जिन्होंने दर्शकों का आभार व्यक्त करते हुए ब्रॉक लेसनर को सीधी चुनौती दी और कहा कि वे उनसे डरते नहीं हैं। इसी बीच लोगान पॉल ने एंट्री मारते हुए सीना को झूठा करार दिया और मैच की मांग कर डाली। दोनों के बीच तीखी नोकझोंक चल ही रही थी कि डू मैकइंटायर ने सीना पर अचानक हमला कर दिया। हालांकि कोडी रोड्स ने आकर सीना को बचाया और पॉल-मैकइंटायर की

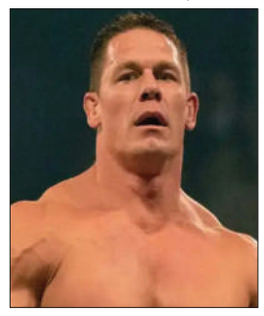

जोड़ी को उसी रात टैग टीम मैच की चुनौती दी, लेकिन मुकाबला बिना नतीजे के समाप्त हुआ। पहला मैच द एमएफटी और मोटर सिटी मशीन गन्स के बीच हुआ, जिसमें तेज़-तर्रार मूव्स और सुपरकिक्स की बरसात देखने को मिली। अंत में टाला ने चोकस्लैम के जरिए साबिन को हराकर द एमएफटी को जीत दिलाई। दूसरा मुकाबला सोलो सिकोआ और सामी जैन के बीच रहा, जिसमें शुरुआती बढ़त सोलो के पास थी। लेकिन टामा टोंगा और एमएफटीस के हस्तक्षेप के बावजूद सामी ने रोलअप से शानदार जीत दर्ज की। तीसरे मैच में शार्लेट फ्लेयर और चेल्सी ग्रीन आमने-सामने थीं। रिंगसाइड पर कई बार ध्यान भटकाने की कोशिश हुई, यहां तक कि जन्मदिन का केक भी हथियार बनने वाला था। मगर एलेक्सा के हस्तक्षेप और फ्लेयर की चतुराई से ग्रीन को केक में मुंह मारना पड़ा और फिगर-एट लॉक के जरिए फ्लेयर ने जीत अपने नाम की। बैकस्टेज सेगमेंट में जॉन सीना और आर-ट्रूथ की मुलाकात ने माहौल हल्का-फुल्का कर दिया, जहां दोनों ने दोस्ती का जश्न मनाया। कुल मिलाकर, यह स्मैकडाउन एपिसोड हाई-ऑक्टेन एक्शन, चौंकाने वाले पलों और दर्शकों को सीट से बांधे रखने वाले ट्विस्ट से भरा रहा। जॉन सीना और लोगान पॉल के बीच शुरू हुआ टकराव आने वाले शो के लिए बड़ा संकेत है, जबकि कोडी रोड्स और डू मैकइंटायर की मौजूदगी ने कहानी को और दिलचस्प बना दिया। रिंग के भीतर और बाहर हुए सभी घटनाक्रम ने साबित किया कि यह एपिसोड हाल के सबसे धमाकेदार स्मैकडाउन में से एक रहा।

बाबर आज़म की टी20 टीम में वापसी हो : वसीम अकरम

इस्लामाबाद। पाकिस्तान के पूर्व तेज गेंदबाज वसीम अकरम ने अगले महीने होने वाले एशिया कप से पहले देश के स्टार बल्लेबाज बाबर आज़म को टी20 अंतरराष्ट्रीय टीम में वापस शामिल करने की मांग की है। दिसंबर 2024 में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ आखिरी टी20 खेलने के बाद से बाबर टीम से बाहर हैं। औसत प्रदर्शन और स्ट्राइक

रेट को लेकर आलोचना के चलते उन्हें प्रबंधन की योजनाओं से बाहर माना जा रहा था। अकरम का मानना है कि एशिया कप और आगामी टी20 विश्व कप के लिए पाकिस्तान को एक अनुभवी बल्लेबाज की जरूरत है, और बाबर इस भूमिका के लिए आदर्श खिलाड़ी हैं। उन्होंने कहा, 'अगर मेरे पास अधिकार होता, तो मैं बाबर को टीम में जरूर शामिल करता। वह परिस्थिति के अनुसार अपनी बल्लेबाजी ढाल सकते हैं, जैसा उन्होंने 2019 में समरसेट के लिए खेलते हुए लगभग 150 के स्ट्राइक रेट के साथ दिखाया था।' पूर्व कप्तान ने बाबर की बहुमुखी प्रतिभा पर जोर देते हुए कहा कि वह किसी भी बल्लेबाजी क्रम में योगदान दे सकते हैं। अकरम ने तीसरे नंबर को बाबर के लिए आदर्श स्थान बताया, लेकिन स्थिति के अनुसार बदलाव की गुंजाइश भी रखी। उन्होंने कहा, 'जब हम 140 या 160 रन के लक्ष्य का पीछा करते हैं, खासकर बड़ी टीमों के खिलाफ, हमें ऐसे खिलाड़ी की जरूरत होती है जो जिम्मेदारी उठाए और बाकी टीम को साथ लेकर चले। बाबर दुनिया के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ियों में से एक है और भविष्य में भी पाकिस्तान के लिए बहुत कुछ कर सकता है।' अकरम का मानना है कि बाबर में अभी भी काफी क्रिकेट बाकी है और टीम को उनके अनुभव का लाभ उठाना चाहिए। उन्होंने प्रशंसकों से भी बाबर का समर्थन करने की अपील की। एशिया कप 9 सितंबर से शुरू होगा, जिसमें पाकिस्तान अपना पहला मैच 12 सितंबर को दुबई अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम में ओमान के खिलाफ खेलेगा।

ओवल टेस्ट में भारत पर था स्लो ओवर रेट से बचाने के दबाव- गौतम गंभीर ने लिया था बड़ा फैसला

नई दिल्ली (एजेंसी)। इंग्लैंड के खिलाफ ओवल में खेले गए पांचवें टेस्ट में भारत ने 6 रनों से रोमांचक जीत दर्ज करते हुए पांच मैचों की सीरीज 2-2 से बराबर कर ली। आखिरी दिन इंग्लैंड को जीत के लिए 35 रन और भारत को 4 विकेट चाहिए थे। मोहम्मद सिराज की धारदार गेंदबाजी के सामने इंग्लैंड टिक नहीं पाया और टीम इंडिया ने मैच जीतकर वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप (डब्ल्यूटीसी) में कीमती अंक हासिल किए।

मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, यह जीत भारत को न केवल सीरीज बराबरी दिलाने में अहम रही, बल्कि डब्ल्यूटीसी पॉइंट्स टेबल पर भी दोहरे नुकसान से बचाया। दरअसल, मैच के पांचवें दिन सुबह मैच रेफरी जेफ क्रो ने भारतीय टीम को चेतावनी दी थी कि वे निर्धारित समय से छह ओवर पीछे हैं। यदि यह ओवर रेट सुधरा नहीं, तो चार डब्ल्यूटीसी अंक कट सकते थे। ऐसे में भारत को या तो इंग्लैंड को जल्द आलआउट करना था या ओवर रेट सुधारना था। चेतावनी के बाद ड्रेसिंग रूम में कप्तान शुभमन गिल, मुख्य कोच गौतम गंभीर और सहायक कोच सितांशु कोटक के बीच अहम रणनीति बैठक हुई। बैठक में एक सुझाव आया कि प्रसिद्ध कृष्णा के ओवर पूरे होने के बाद दोनों छोर से रवींद्र जडेजा और वॉशिंगटन सुंदर को गेंदबाजी दी जाए, ताकि ओवर रेट सुधारा जा सके। हालांकि, इसके साथ यह जोखिम भी था कि इंग्लैंड के जेमी स्मिथ और जेमी ओवरटन स्पिनरों के खिलाफ तेजी से रन बना सकते हैं और मैच पलट सकता है।

इस पर कोच गौतम गंभीर ने साफ कहा कि उन्हें ओवर रेट की चिंता नहीं है, चाहे चार अंक कट जाएं, लेकिन टीम को जीत के लिए ही खेलना है। इसके बाद फैसला हुआ कि एक छोर से प्रसिद्ध कृष्णा और दूसरे छोर से मोहम्मद सिराज को लगातार आक्रमण पर रखा जाएगा। कप्तान शुभमन गिल ने भी इस रणनीति को मंजूरी दी। नतीजा यह हुआ कि तेज गेंदबाजों के दम पर भारत ने इंग्लैंड के बाकी विकेट जल्दी गिरा दिए और मैच 6 रनों से अपने नाम कर लिया। यह जीत केवल स्कोरबोर्ड पर नहीं, बल्कि टीम की मानसिक मजबूती और आक्रामक खेल भावना का भी प्रमाण रही। सिराज की निर्णायक स्पेल और गंभीर की आक्रामक सोच ने भारत को हार से जीत की ओर मोड़ दिया, साथ ही डब्ल्यूटीसी में बहुमूल्य अंक भी दिलाए।

कटरा से अमृतसर वंदे भारत ट्रेन आज से, मोदी वर्चुअली हरी झंडी देंगे

जम्मू। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी रविवार को श्री माता वैष्णो देवी कटरा और पंजाब के अमृतसर के बीच बरास्ता जम्मू-पठानकोट-जालंधर व्यास वंदे भारत ट्रेन को वर्चुअली हरी झंडी देंगे।

आधिकारिक सूत्रों के मुताबिक वंदे भारत ट्रेन (26406) श्री माता वैष्णो देवी कटरा से अमृतसर रेलवे स्टेशन तक और (26405) अमृतसर रेलवे स्टेशन से श्री माता वैष्णो देवी कटरा तक चलेगी। यह ट्रेन दोनों दिशाओं में मंगलवार को छोड़कर सप्ताह में छह दिन चलेगी। कटरा से अमृतसर जाने वाली ट्रेन श्री माता वैष्णो देवी कटरा से सुबह 06:40 बजे प्रस्थान करेगी और दोपहर 12:20 बजे अमृतसर पहुंचेगी। इसी प्रकार अमृतसर से श्री माता वैष्णो देवी कटरा जाने वाली ट्रेन अमृतसर से शाम 17:25 बजे प्रस्थान करेगी और रात 11:00 बजे श्री माता वैष्णो देवी कटरा पहुँचेगी।

सुप्रीम कोर्ट में वरिष्ठ अधिवक्ताओं की बजाय युवाओं को मिलेगी मामले के उल्लेख की अनुमति

नयी दिल्ली। उच्चतम न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश बी आर गवई की अदालत में सोमवार से नामित वरिष्ठ अधिवक्ता किसी भी मामले का उल्लेख नहीं कर पाएंगे। युवा अधिवक्ताओं को यह मौका मिलेगा। शीर्ष अदालत की ओर से एक नोटिस जारी कर इस संबंध में जानकारी दी गई है।

नोटिस में कहा गया है, निर्देशानुसार, नामित वरिष्ठ अधिवक्ताओं को सोमवार, 11 अगस्त 2025 से भारत के माननीय मुख्य न्यायाधीश की अदालत में किसी भी मामले का उल्लेख करने की अनुमति नहीं है।'' मुख्य न्यायाधीश ने पिछले बुधवार को एक मामले की सुनवायी के दौरान इस नियम के संबंध में खुद घोषणा की थी। उन्होंने कहा, सोमवार से किसी भी नामित वरिष्ठ अधिवक्ता को तत्काल सुनवाई के लिए मामले का उल्लेख करने की अनुमति नहीं दी जाएगी। इस पेशे में युवाओं को आत्मविश्वास हासिल करने और उच्चतम न्यायालय में पेश होने का मौका मिलना चाहिए।

'राहुल का बयान लोकतंत्र को कमजोर बनाने वाला'

नयी दिल्ली। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने चुनाव आयोग को लेकर दिये गये बयान के लिए लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी पर तीखा प्रहार किया और कहा कि वह अपने अपरिपक्व बयानों से लोकतंत्र को कमजोर कर रहे हैं। भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता गौरव भाटिया ने शनिवार को पार्टी मुख्यालय में संवाददाता सम्मेलन में गांधी पर निशाना साधा और कहा कि एक दशक से ज्यादा समय से गांधी की भारतीय राजनीति में छवि अराजक, बिना प्रमाण के संवैधानिक संस्थाओं को बदमान करने का प्रयास करने वाले शख्स की बनी हुयी है। उन्होंने कहा कि जनता अब मान चुकी है कि श्री गांधी अपरिपक्व, गैरजिम्मेदार और भारत के लोकतंत्र को कमजोर बनाने के लिए वक्तव्य देते हैं। उन्होंने कहा, श्री गांधी ने संवाददाता सम्मेलन का आयोजन कर एक संवैधानिक संस्था पर बिना किसी तथ्य के बेबुनियाद आरोप लगाए हैं। इस वजह से यह कहना गलत नहीं होगा कि राहुल उर्फ अराजक तत्व, अब राहुल उर्फ विध्वंसक हो गए हैं। भाजपा नेता ने कहा कि आज पूरा देश पूछ रहा है कि लोकसभा में विपक्ष के नेता को यह अधिकार किसने दिया कि वे चुनाव आयोग जैसी संवैधानिक संस्थाओं को खुलेआम धमकी दें।

आरजीकर मामले की पहली बरसी पर मार्च रैली निकाली, झड़प में कई घायल

कोलकाता। आरजी कर मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल की जूनियर महिला डॉक्टर के साथ हुए जघन्य बलात्कार और हत्या की पहली बरसी पर शनिवार को कोलकाता और हावड़ा की सड़कों पर बड़े पैमाने पर हिंसा और तनाव फैल गया। यह हिंसा पुलिस कर्मियों और नबन्ना अविजन (राज्य सचिवालय तक मार्च) रैली में भाग लेने वाले प्रदर्शनकारियों के बीच झड़प के बाद हुई। प्रदर्शनकारियों के खिलाफ पुलिस कार्रवाई के दौरान पीड़िता की मां बीमार पड़ गई और उसे अस्पताल में भर्ती कराना पड़ा। जब वह बीमार पड़ीं, तो उनके सहयोगियों ने उनके चेहरे पर ठंडा पानी छिड़ककर उन्हें शुरुआती राहत देने की कोशिश की। लेकिन जब उन्होंने बेचैनी की शिकायत जारी रखी, तो उन्हें एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया।

प्रदर्शनकारियों के अनुसार, उसे चक्कर आ रहा था और साँस लेने में तकलीफ हो रही थी। उसके साथ आए एक प्रदर्शनकारी ने बताया, पुलिसकर्मियों की पिटाई के बाद वह बीमार पड़ गई। उसे इलाज के लिए एक निजी अस्पताल ले जाया गया है।

पीड़िता की मां ने आरोप लगाया कि जब वह अपने पति और अन्य प्रदर्शनकारियों के साथ नबान्ना (राज्य सचिवालय) की ओर मार्च करने की कोशिश कर रही थीं, तो पुलिसकर्मियों ने उनकी पिटाई कर दी। आरजी कर बलात्कार और हत्या की घटना की बरसी पर शनिवार को नबान्न अविजन (राज्य सचिवालय तक मार्च) हिंसक हो गया, क्योंकि पुलिस ने प्रदर्शनकारियों को तितर-बितर करने के लिए बड़े पैमाने पर लाठीचार्ज किया और कथित तौर पर पीड़िता के माता-पिता की पिटाई की।

पश्चिम बंगाल विधानसभा में विपक्ष के नेता शुभेंदु अधिकारी, जिन्हें भी कथित तौर पर पुलिस ने पीटा था, पीड़िता की मां का हालचाल जानने के लिए एक निजी अस्पताल पहुंचे।

वह ठीक नहीं है। उसकी हालत गंभीर है, लेकिन वह होश में है। उसका सीटी स्कैन किया गया है। पेट के निचले हिस्से का अल्ट्रासाउंड किया गया है। डॉक्टर उसकी स्थिति पर नज़र रख रहे हैं। यह शर्म की बात है कि पीड़िता की माँ को इससे गुज़रना पड़ रहा है। उसे डंडे से मारा गया था। उसका माथा सूज गया है। अपनी बेटी की दुखद मौत के एक साल बाद, माँ को पीटा जा रहा है। मेरे पास इसकी निंदा करने के लिए शब्द नहीं हैं, अस्पताल का दौरा करने के बाद सुवेंदु अधिकारी ने कहा। पीड़िता की मां और भाजपा नेताओं ने आरोप लगाया है कि पुलिस कार्रवाई में उनकी कलाई पर बंधी पवित्र शंख-चूड़ी तोड़ दी गई, जिसे पारंपरिक रूप से विवाहित हिंदू महिलाओं का प्रतीक माना जाता है। पीड़िता की मां ने आरोप लगाया कि पुलिस ने उनकी पिटाई की। पीड़िता की माँ ने कहा, हम निहत्थे थे। फिर भी पुलिस ने हमें रोक लिया। वे हमसे क्यों डर रहे हैं? पुलिस ने मुझे पीटा और मेरा शंख-पोला तोड़ दिया। उन्होंने मुझे सड़क पर फेंक दिया और लात-घूंसों से पीटा। उन्होंने आगे आरोप लगाया कि हाथापाई के दौरान चार-पाँच पुलिसकर्मियों ने उनके साथ मारपीट की। हालाँकि, पुलिस ने पीड़िता के माता-पिता पर बल प्रयोग करने से इनकार किया है।

रामलला के कलाई में बांधी गई बहन शांता की राखी

अयोध्या। अयोध्या में श्रीरामजन्मभूमि पर विराजमान रामलला एवं भाइयों को बहन शांता द्वारा भेजी गई राखी मंत्रोचारण के बीच बांधी गयी।

श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र के महासचिव चंपतराय ने रामलला,लक्ष्मण भरत शत्रुघन के हाथों में राखी बांधी। इस मनोहारी दृश्य निहारने के लिए बड़ी संख्या में रामलला का दर्शन करने आए श्रद्धालु मौजूद रहे। रामलला को रक्षासूत्र कलाई में बांध कर भरत, लक्ष्मण एवं शत्रुघ्न के कलाई पर राखी बांधी गई। रक्षाबंधन के दौरान पूरा मंदिर परिसर जय श्री राम के जयकारों से गुंजायमान रहा, और इसी के साथ श्रृंगी ऋषि आश्रम से प्रारंभ हुई तीन दिवसीय श्रीरामलला रक्षाबंधन महोत्सव का विधिविधानपूर्वक समापन हुआ।

श्रीराम जन्मभूमि मंदिर में रामलला का झूलन महोत्सव भी आज रामभक्तों के समय आकर्षण का केंद्र रहा। नागपंचमी से शुरू हुआ राममंदिर में झूलनोत्सव का आज समापन हो गया। इसी के रंगमहल सहित सभी मंदिरों में पड़ा झूला आज पूजन अर्चन के बाद उतर जायेगा और विग्रह स्वरूप प्रभु की प्रतिमा पूजन अर्चन के बाद अपने स्थान पर विराजमान होंगे। श्रृंगी ऋषि आश्रम में बुधवार से श्रीरामलला रक्षाबंधन महोत्सव की परंपरागत तरीके से शुरुआत हुई। अनवरत तीन दिनों तक विविध धार्मिक आयोजन श्रृंगी ऋषि आश्रम शेरवाघाट अयोध्या में आयोजित हुए।

प्रभु श्रीराम के लिए केले के रेशे से बनी इन विशेष राखियों को पूजन अर्चन के बाद समारोहपूर्वक शोभायात्रा निकाल कर गाजे बाजे के साथ कारसेवकपुरम में श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र के महासचिव चंपतराय को सौंपा गया। जिन्होंने बढ़ी संख्या में उपस्थित रामभक्तों के साथ रामलला और भाइयों को राखी बांधी।

एथेनॉल मिश्रण कार्यक्रम को लेकर भय फैला रही है पेट्रोलियम लॉबी : गडकरी

नयी दिल्ली। केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने कहा है कि पेट्रोलियम लॉबी पेट्रोल में एथेनॉल मिश्रण 20 प्रतिशत करने के मुद्दे पर लोगों के मन में डर पैदा कर रही है। उन्होंने एक मीडिया समूह के परिचर्चा कार्यक्रम के एक सत्र में कहा कि एथेनॉल मिले पेट्रोल से वाहन के माइलेज में थोड़ी कमी आ जाती है, पर इससे वाहन को नुकसान होने जैसी बात नहीं है। मंत्री ने कहा कि ब्राजील जैसे कई देशों में तो 100 प्रतिशत एथेनॉल ब्लेंडिंग हो रही है। भारत में 27 प्रतिशत एथेनॉल मिश्रण का परीक्षण चल रहा है, लेकिन इसे लागू करने का अभी कोई समय तय नहीं है।

गडकरी ने कहा कि एथेनॉल20 के मुद्दे को पेट्रोलियम लॉबी गलत ढंग से पेश कर रही है। यह बात सही है कि ई20 से वाहन का औसत माइलेज कुछ कम हो जाता है, पर क्या हम खनिज ईंधन से होने वाले प्रदूषण और ईंधन आयात पर अपना खर्च कम नहीं करना चाहते जो 22 लाख करोड़ रुपये का है। उन्होंने कहा कि सोशल मीडिया पर इस बात की चिंता फैलाई जा रही है कि सरकार के ई20 शुरू करने से वाहनों को नुकसान हो रहा है, पर ईंधन खर्च में कोई कमी नहीं आ रही है।

उन्होंने कहा कि एथेनॉल मिश्रण पर पुणे की ऑटोमोटिव अनुसंधान एसोसिएशन (एआरएआई) अनुसंधान करती है और रिपोर्ट देती है। उससे पहले सरकार कोई फैसला नहीं करती।

गडकरी ने कहा कि देश में चावल, मक्का और गेहूं इफरात में है। एथेनॉल कार्यक्रम के चलते मक्के का भाव 1,200 रुपये प्रति क्विंटल से बढ़कर 2,600 रुपये तक पहुंच गया है।

उन्होंने कहा कि अभी सड़क निर्माण का औसत 38 किमी प्रति दिन है जिसे 100 किमी तक पहुंचाने का लक्ष्य है। चालू वित्त वर्ष में 2.5 लाख करोड़ रुपये की सड़क परियोजनाओं का ठेका दिया जा चुका है और आशा है यह मार्च के अंत तक 10 लाख करोड़ रुपये तक पहुंच जायेगा।

संचार साथी ऐप छह महीने मे 50 लाख बार से अधिक हुआ डाउनलोड

नयी दिल्ली। दूरसंचार सुरक्षा बढ़ाने और आम लोगों को सशक्त करने के उद्देश्य से इस साल जनवरी में जारी 'संचार साथी' ऐप को 50 लाख से अधिक बार डाउनलोड किया जा चुका है। दूरसंचार विभाग (डीओटी) ने देश की व्यापक भाषाई और क्षेत्रीय विविधता को ध्यान में रखते हुए अंग्रेजी, हिंदी और 21 क्षेत्रीय भाषाओं को सपोर्ट करके ऐप की पहुंच का विस्तार किया है। इस ऐप ने धोखाधड़ी वाले कॉल और संदेशों की रिपोर्टिंग को और भी आसान बना दिया है। अब यूजर कुछ ही टैप में सीधे अपने कॉल और एसएमएस लॉग से रिपोर्ट दर्ज कर सकते हैं। संचार मंत्रालय की शनिवार को जारी प्रेस विज्ञप्ति में बताया गया है कि संचार साथी पहल के तहत 5.35 लाख से ज्यादा खोए या चोरी हुए मोबाइल हैंडसेट वापस मिल चुके हैं। आम लोगों की रिपोर्ट के आधार पर एक करोड़ से ज्यादा अनधिकृत मोबाइल कनेक्शन काटे गये हैं, और 'चक्षु' सुविधा के जरिए चिह्नित 29 लाख से ज्यादा मोबाइल नंबरों को निष्क्रिय किया गया है।

विश्व आदिवासी दिवस के अवसर पर गुजरात के सूरत में एक भव्य रैली का आयोजन किया। इस दौरान बड़ी संख्या में आदि वेशभूषा में आए लोगों ने रैली में शिरकत की।

मथुरा में विदेशी महिलाओं ने कृष्ण-बलराम को बांधी राखी

मथुरा। भारतीयता और अध्यात्म का रंग इतना गहरा है कि जिस पर चढ़ जाए उसे बस अपना बना ही लेता है। हिन्दू सनातन परंपराओं से विदेशियों का गहरा नाता रहा है। रक्षाबंधन का पर्व भी इससे अछूता नहीं, जिसपर विदेशी महिलाओं ने शनिवार भारतीयता में रच बसकर अपने आराध्य के प्रति अपने प्रेम का इजहार किया। शनिवार को सेवाकुंज स्थित ठा. कृष्ण बलराम मंदिर मोरछली कुंज में अपने गुरुदेव मधुसूदन महाराज के सानिध्य में रक्षाबंधन पर्व मनाने वाली स्पेन की वैजयंती दासी ने बताया कि दुनिया की सभी संस्कृतियों से उन्नत और श्रेष्ठ भारतीय संस्कृति हमें अपनी और खींचती है। अमेरिका की वृंदावनी दासी ने कहा कि हमारे गुरुदेव ने हमें बताया कि यह बहन भाई के परस्पर प्रेम और सुरक्षा के भरोसे का पर्व है, तो कृष्ण से बड़ा रक्षक हमारा और कोई नहीं हो सकता, इसलिए हमने उसी कन्हैया को अपना भैया मान लिया है। इस पावन अवसर पर फ्रांस, जर्मनी के साथ ही परस्पर विरोध में युद्धरत रूस और यूक्रेन तथा इस्लामिक बहुल कजाकिस्तान की बहनों ने भी सनातन के आदर्श नायक कृष्ण और बलराम को राखी बांधकर उनसे जन्म - जन्मों का नाता जोड़ लिया। मंदिर के महंत मधुसूदन महाराज ने बताया कि जहां कृष्ण नीति और प्रेम तो बलराम शक्ति और सहजता के प्रतीक हैं। इनके मार्ग पर दुनिया के हर वैमनस्य और अभाव का हल है, जो नि:संदेह मानवता को सद्भाव और उन्नति के मार्ग पर प्रशस्त कर सकता है। उन्होंने कहा कि मंदिर में चल रहे झूलनोत्सव में दुनिया के विभिन्न देशों से वृंदावन की परम पावन भूमि पर एकजुट हुई इन महिलाओं को अनुराग और आनंद की प्राप्ति अपने आराध्य के सानिध्य में हो रही है। खास बात यह है कि अपने भाई कन्हैया का श्रृंगार हो या राखियां ये अपने हाथों से ही तैयार करती हैं।

पठानकोट से फाजिल्का तक अंतरराष्ट्रीय सीमा पर सीमा पर एंटी ड्रोन सिस्टम तैनात

तरनतारन। सीमा पार से नशीले पदार्थों की आपूर्ति रोकने के लिए एक अभूतपूर्व पहल करते हुए मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान और आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने शनिवार को बाज अख-एंटी ड्रोन सिस्टम (एडीएस) को हरी झंडी दिखाई। पंजाब अंतरराष्ट्रीय सीमा पर इस प्रणाली को तैनात करने वाला देश का पहला राज्य बन गया है। आप के राष्ट्रीय संयोजक ने इस अवसर पर पत्रकारों से बातचीत में कहा कि सीमा पार से पंजाब में नशीले पदार्थों की आपूर्ति की जाती है और इसे रोकने के लिए यह ड्रोन-रोधी प्रणाली शुरू की गयी है।

उन्होंने कहा कि पंजाब को इस बुराई से मुक्त करने के लिए तीन ड्रोन-रोधी प्रणाली शुरू की गयी है और जल्द ही छह अन्य ड्रोन भी शुरू किये जायेंगे। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार ने नशा तस्करों के खिलाफ जीरो टॉलरेंस की नीति को सख्ती से लागू किया है।

केजरीवाल ने कहा कि तस्करों द्वारा अर्जित संपत्तियों को ध्वस्त किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार ने सबसे कुख्यात और खूंखार ड्रग माफिया को सलाखों के पीछे पहुंचा दिया है।

इस बीच, मुख्यमंत्री भगवंत मान ने कहा कि 'युद्ध नशें विरुद्ध' अभियान के तहत, पंजाब ने आज सीमा पार से नशीली दवाओं की तस्करी को रोकने के लिए एक अभियान शुरू किया है। उन्होंने कहा कि पंजाब की पाकिस्तान के साथ 553 किलोमीटर लंबी सीमा लगती है, जिसे नशीले पदार्थों और हथियारों की तस्करी के लिए सबसे संवेदनशील क्षेत्रों में से एक माना जाता है। उन्होंने कहा कि सीमा सुरक्षा को मज़बूत करने और ड्रोन आधारित तस्करी से उत्पन्न चुनौतियों से निपटने के लिए, अंतरराष्ट्रीय सीमा पर नौ ड्रोन-रोधी इकाइयां स्थापित की जा रही हैं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि इन इकाइयों पर 51.4 करोड़ रुपये खर्च किये जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि हालांकि हमारे देश के सशस्त्र बल और सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) पहले से ही ऐसी प्रणालियों का इस्तेमाल कर रहे हैं, लेकिन पंजाब देश का पहला राज्य है, जिसने अंतरराष्ट्रीय सीमा पर ड्रोन-रोधी प्रणाली तैनात की है। उन्होंने कहा कि ड्रोन-रोधी प्रणाली सीमा पार से नशा तस्करों को कड़ा जवाब देगी। उन्होंने कहा कि राष्ट्र-विरोधी तत्व हमेशा असामाजिक गतिविधियों के लिए तकनीक का इस्तेमाल करते हैं।

मान ने कहा कि देश के दुश्मनों ने पंजाब के युवाओं को बर्बाद करने के लिए ड्रोन को हथियार बना लिया है और सीमा पार से नशा तस्करी के लिए ड्रोन का इस्तेमाल किया जा रहा है।

सुरक्षा बलों को बधाई देते हुए मुख्यमंत्री ने सीमा पार से हो रही नशीली दवाओं की तस्करी को रोकने के लिए अथक परिश्रम करने के लिए उनकी प्रशंसा की। उन्होंने बताया कि 2024 में हेरोइन, हथियारों और गोला-बारूद से लदे कुल 283 ड्रोन ज़ब्त किये गये और 2025 तक अब तक 137 ड्रोन बरामद किये जा चुके हैं। उन्होंने कहा कि पठानकोट से फाज़िल्का तक सीमा पर दूसरी रक्षा पंक्ति के तौर पर ड्रोन-रोधी प्रणाली तैनात की जाएगी।

मुख्यमंत्री ने कहा कि इससे सीमा पार करके राज्य में घुसने वाले किसी भी ड्रोन को तुरंत निष्क्रिय किया जा सकेगा।

श्री काशी विश्वनाथ का कोडी तीर्थ के पवित्र जल से हुआ जलाभिषेक

वाराणसी। कुछ समय पूर्व श्री रामनाथ स्वामी मंदिर, रामेश्वरम और श्री काशी विश्वनाथ मंदिर, वाराणसी के मध्य एक ऐतिहासिक व पवित्र परंपरा का शुभारंभ हुआ था, जिसके अंतर्गत दोनों ज्योतिर्लिंगों के बीच पवित्र तीर्थ जल एवं रज का पारस्परिक आदान-प्रदान किया गया। शनिवार को श्रावण पूर्णिमा के पावन अवसर पर श्री विश्वेश्वर का कोडी तीर्थं के जल से जलाभिषेक संपन्न हुआ।इस अवसर पर रामेश्वरम ज्योतिर्लिंग से पधारे सी.आर.एम. अरुणाचलम और पूज्य कोविलूर स्वामी के साथ-साथ श्री काशी विश्वनाथ मंदिर कार्यपालक समिति के अध्यक्ष मंडलायुक्त वाराणसी एस. राजलिंगम, जिलाधिकारी वाराणसी सत्येंद्र कुमार सहित अन्य श्रद्धालुओं ने तीर्थ जल से श्री काशी विश्वनाथ महादेव का अभिषेक किया। अभिषेक के पश्चात दक्षिण भारत से तीर्थ जल लेकर आए श्रद्धालुओं को महादेव के सुगम दर्शन का सौभाग्य प्राप्त हुआ।

Owned and published by : Smt. Santosh Goswami, Published at : Old No. 13, Kalathi Pillai Street, Sowcarpet, Chennai - 600 079. Printed at : 19/1, 21/2, Kitabath Khan Bahadur Street, Ellies Road, Chennai - 600 002. by : E.Sudheesh Kumar at Chennai Offset Printers Editor : B.P. Goswami Tel : 42775508